

**राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ की 181वीं
बैठक का कार्यवाही विवरण**

राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ की 181वीं बैठक दिनांक 27/09/2024 को अपशम्ख 02:30 बजे से आयोजित की गई।

बैठक के द्वारमें उच्चनीची अधिकारी, संधिवालय, राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण द्वारा उपस्थित प्राधिकरण के सदस्यों का स्वागत किया गया। तदुपराम एजेंट्स और विभिन्न संस्थाएँ निर्णय लिया गया।

एजेंट्स आकलन क्रमांक—1

राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ की 180वीं बैठक दिनांक 25/09/2024 के कार्यवाही विवरण का अनुसूचना।

राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ की 180वीं बैठक दिनांक 25/09/2024 की आयोजित की गई थी। प्राधिकरण की अवगत कराया गया कि बैठक का कार्यवाही विवरण शीघ्र लिया जा रहा है, यिसे प्राधिकरण के समक्ष शीघ्र प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त विषय से प्राधिकरण सहमत हुई।

एजेंट्स आकलन क्रमांक—2

राज्य सतरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति, छत्तीसगढ़ की 633वीं बैठक दिनांक 30/05/2024 की अनुसूची के आधार पर गोण/मुख्य सचिवों द्वारा विलिंग परियोजना वाली प्रकरणों में निर्णय लिया जाना।

1. गैरका श्री गोविन्द अध्यात्म (बदुराबहार जाइनरी स्टोर कार्यालय), शाम—बदुराबहार, लहरील—पर्यावरण, जिला—जहानुर (संधिवालय का नम्बर क्रमांक 2761)

विषय वस्तु	आयोजित प्रकरण को संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ऑनलाईन आवेदन	टीओआर - 452359 एवं 15/11/2023	
लकड़ान का प्रकार	सामान्य लकड़ा (पीण समिज)	प्रस्तुतिः
लकड़कल एवं कामता	1.532 हेक्टेयर एवं 14,850 टन प्रतिवर्ष	संलग्न है।
लकड़ा क्रमांक	1014, 1028, 1029	संलग्न है।
गू—स्वामित्र	निजी गूमि लकड़ा क्रमांक 1014, 1028, 1029 श्री वैष्णव कुमार अध्यात्म के नाम पर है।	सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।
बैठक का विवरण	533वीं बैठक दिनांक 30/05/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 28/05/2024
प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकरण हेतु श्री वैष्णव अध्यात्म, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। अधिकृत प्रतिनिधि का सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।
पूर्व में जारी हुए	पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।	
शाम पंचायत एनओसी	शाम पंचायत बदुराबहार दिनांक 14/07/2022	उत्तरालग एवं लकड़ा की संकेत में

प्रत्यक्षन योजना कार्यपादन	दिनांक 28 / 02 / 2023	संलग्न है।
500 मीटर	दिनांक 29 / 02 / 2024	3 खादने की जमीन 4.674 हेक्टेएर
200 मीटर	दिनांक 13 / 03 / 2023	प्रतिवर्षित कोष मिलियन नहीं है।
पुलखोड़ी का विवरण	एस.ओ.आई. पारक - श्री गोविंद अधिकारी दिनांक - 09 / 12 / 2022 वैधता अवधि - 01 वर्ष	विधाता उद्दि ईशु जाती पर दिनांक - 09 / 01 / 2024 विधाता जबहि - चार्चायरलीय सरीकृति प्रदान करने एवं उत्थानिपट्टा सरीकृति आदेश जारी करने ईशु अतिरिक्त समयावधि प्रदान किया जाता है।
एन विमान एनजीसी	अवैधिक सदान से लगी हुई अन्य सदान (पास बटुशबहार के लकड़ा कार्यक 1030 / 6, 1044, 1089 / 2, 1030 / 5 एवं 1033 के बाल रक्षा 3.042 हेक्टेएर) हेशु जाती एनजीसी परी मान्य लिये जाने हेशु अनुचेत। वनगमनहस्तायिकारी, जारापुर जनपद, जारापुर द्वारा जाती दिनांक 14 / 11 / 2022	वन कोष से दूरी - 08 किमी।
महाराष्ट्री संरक्षनको की दूरी	आवादी राष्ट्र - बटुशबहार 430 मीटर स्थूल प्राम - बटुशबहार 350 मीटर अन्यताल - पल्ल्यालगाव 14.4 किमी। शास्त्रीय राजमार्ग - 05 किमी। शास्त्रीय - 06 किमी।	भूरी नदी - 1.05 किमी। लालबाब - 440 मीटर नहर - 1.7 किमी। सीरामी गाडा - 1.8 किमी। वाय - 2.4 किमी।
पारिसिवरीकीय/ जैवविविधता संवर्धनकीय क्षेत्र	5 किमी की वर्षिति में आवादीकीय सीमा, शास्त्रीय राजमार्ग, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण और द्वारा घोषित क्रिटिकली वील्युटेस एवं प्रारिषिविकीय संवर्धनकीय क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र लिया जाता है।	संलग्न है।
खनन संघर्ष संवर्धन का विवरण	संवर्धन यिथि - ओपन कार्बट मेक्साइटिंग फ्रिलिंग एवं कंट्रोल बल्याइट - ही नियमों - फियोलिपिकल 2.38,992 टन गाईनेवल 74,780 टन रिकार्डरेवल 67,275 टन प्रसारित गहराई 0 मीटर शेष की ऊंचाई 1.5 मीटर हेच की ऊंचाई 1.5 मीटर संभापित आयु 5 वर्ष प्रसारित छातर - ही क्षेत्रफल - 1,400 वर्गमीटर	पर्यावर प्रक्रियित संवर्धन प्रथम 14,960 टन द्वितीय 14,960 टन तृतीय 14,960 टन चतुर्थ 14,960 टन पंचम 14,960 टन
उत्थानन के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र	लीज के 7.5 मीटर तक क्षेत्रफल - 5,352 वर्गमीटर	उत्थानित - नहीं।

गैर मार्गिनिंग लैन	क्षेत्रफल - 1,813.7 वर्गमीटर बहतरण - टीव्हीसेट, हील लैन, ऐसा दृष्टि स्थौर्य बनाने के लिए।	जलाम है।
कृषकीय मिट्टी / ओर्कन वर्क्स प्रशंसन योजना	मोटाई - 0.30 मीटर मात्रा - 2,273.4 घनमीटर	1,878 घनमीटर लूपी मिट्टी को 7.6 मीटर (माईन बारुणी) लैन में फैलाकर बूजारीपण के लिए उपयोग। झील 387.4 घनमीटर लूपी मिट्टी को लीज हीन के बाहर बहन्नी प्राप्त भूमि (वास्तव क्षमाक 1025, एकमा 0.178 हेक्टेयर) में खड़ाकरित कर उत्तमित रखा जाएगा। इस बाबत भूमि स्थानीय क्षेत्र लापद वत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
जल आपूर्ति	मात्रा - 8 घनमीटर स्रोत - झू-प्रता	सेंट्रल ग्राउन्ड वॉटर अप्लाईटी में अनुमति प्राप्त है।
बूजारीपण कार्य	लैन लैन के 7.5 मीटर के बारी और बूजारीपण किम्बा जाना प्रस्तावित है।	
मेंटी	वी-1	आवेदित खदान को फिलाकर कुल क्षेत्रफल 6.206 हेक्टेयर है।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रत्युतीकरण की दीर्घन बताया गया कि बैसलाइन जारा कलेशन का कार्य 21 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ किया गया है।
- बाजारीय एनजीटी, वित्तिय वैय, नई दिल्ली द्वारा सार्वेत पाण्डेय विस्तृत भारत
प्रशासन, पर्यावरण, कम और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य
(ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 186 अंक 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13 / 09 / 2018
को पासित आदेश में मुख्य रूप से निम्नानुसार निर्दिष्ट किया गया है—
 - Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

सामिति द्वारा विचार किए गए उपरोक्त सर्वसम्मति से प्रकरण 'वी-1' कोटेजी का होने के
कारण भासा सरकार, पर्यावरण, कम और जलवायु परिवर्तन नियालद द्वारा अप्रैल
2015 में प्रकाशित इंष्टेट्यूट टम्ही ऑफ रिफरेंस (टीओआर) फौर हैआईए/ईएमपी
रिपोर्ट और प्रोजेक्टस/एकटीविटीज रिपोर्टरिंग इन्वायरमेंट कमीशनर अध्यक्ष हैआईए.
ए. नौटिकिवीशन, 2005 में पर्याप्त थीं 1(ए) का कैप्टेन्स टीओआर (लोक सुनवाई
समिति) नीन कोल मार्गिनिंग प्रोजेक्टस हेतु मिस्त्र अधिकारित टीओआर के साथ जारी
किये जाने की अनुशासा की गई—

- Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
- Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.

- iii. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
- iv. Project proponent shall submit top soil management plan & incorporate the details in the EIA report.
- v. Project Proponent shall submit an undertaking that the top soil & overburden would be stacked at the earmarked place and shall use the same in plantation and backfilling of the mined out area.
- vi. Project proponent shall submit the details of pollution control arrangement in crusher.
- vii. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced.
- viii. The project proponent shall submit an affidavit that he will not cut the green trees standing in the lease area without the permission of district collector.
- ix. EIA study shall be done at minimum 06 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- x. Project proponent shall submit the copy of panchnama and photographs of every monitoring station.
- xii. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xiii. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- xv. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.08.2017.
- xiv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- xvi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of plantation & maintenance for 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 90% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- xvii. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals preferably of mitravani with details of works alongwith their

estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की विशेष 27 / 09 / 2024 वाले संघर्ष 18वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नवीनी का अनुशासन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार विवर समरोह संबंधित हो सकती ही अनुशासन वाले विवर काली हुई उपरोक्तानुसार एप्रेल टम्ही और ऐप्रेल (टी.ओ.आर) (लोक सुनवाई सहित) जारी करने का निर्देश किया गया।

परियोजना प्रस्तावक को टम्ही और ऐप्रेल (टी.ओ.आर) (लोक सुनवाई सहित) जारी किया जाए।

- पैसारी रामलाल लालना (गम्भीरा विक कर्म करे काही एप्ल फिला विनी विका खाटी), डाम-गम्भीरिक, राहनील व विला-खापुर (साप्तिकालय का नवीनी अन्तिक 2001)

भारत सरकार के परिवर्तन वन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस केनोरेप्रडम दिनांक 28 / 04 / 2023 जारी किया गया है, विशेष पैस 4 में गिम्प्राक्षान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिस मेनोरेप्रडम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा विला कर्णीव परिवर्तन समाप्ति नियंत्रित प्राधिकरण से जारी वर्कवर्कीय स्वीकृति के पुनः अनुशासन (re-appraisal) हेतु एस.इ.ए.वी. घटरीसाङड के समक्ष अन्वतर्फन आवेदन किया गया है।

विषय वस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया है
अन्वतर्फन आवेदन	ई.सी. - 454530 एवं 08 / 12 / 2023	
खाद्य वा प्रकार	मिट्टी (गैरिप खणिज) खाद्य	संतुलित
क्षेत्रफल एवं शक्ति	3.856 हेक्टेयर एवं 1,400 घनमीटर ग्रोविलवे	संतुलित है।
खाद्य अन्तर्का	667	संतुलित है।
मू-व्यापिका	नियी झुमे, खाद्य अन्तर्का 667 वी लालगाड़ी के नाम पर है।	संतुलित पर अनुशुलित किया गया है।
बैठक का विवरण	533वीं बैठक दिनांक 30 / 05 / 2024	अनुशुलितकरण हेतु खाद्य दिनांक 28 / 05 / 2024
प्रक्षुलीकरण हेतु समीक्षित प्रतिनिधि		प्रक्षुलीकरण हेतु शी कमलेश अन्नन विनाना उपरिक्षित हुए। ऑफिस प्रतिनिधि का सहमति पर प्रत्युत्तम

		किया गया है।
पूर्व में जारी हुई:	खदान का प्रबल - निट्रो (गौण समिक्षा) खदान खदान छमांक - 607 शीतल - 3,896 हेक्टेएक्ट लमता - 1,400 हेक्टेएक्ट/वर्ष दिनांक - 21/02/2017 वैधता अवधि - 28/11/2040	डी.ई.आई.ए.ए. जिला-जलमुक्ति
पूर्व में जारी हुई: का पालन प्रतिवेदन	ख-प्रमाणित - श्री	निवासित कार्यालय क्षमारोपण 400 वर्ष किया गया है।
किंवा वर्षों में किये गये उत्पन्न	दिनांक - 23/02/2024 वर्ष 2017-18 में 80,600 नग वर्ष 2018-19 में 51,500 नग वर्ष 2019-20 में 2,10,000 नग वर्ष 2020-21 में 2,76,000 नग वर्ष 2021-22 में 2,60,000 नग वर्ष 2022-23 में 2,01,000 नग वर्ष 2023-24 में 90,000 नग (सितम्बर 2023 तक)	सलम्म है।
साम प्रबल एन.ओ.सी.	साम प्रबल गमहरिया दिनांक 12/01/2009	सलम्म है।
उत्पन्न कीजन्तु अनुमोदन	दिनांक 28/03/2016	सलम्म है।
600 मीटर	दिनांक 15/04/2024	खदानों की सख्त नियंत्रण है।
200 मीटर	दिनांक 15/04/2024	प्रतीक्षित क्षेत्र नियंत्रित नहीं है।
लीज श्री	लीज खदान - श्री चमलाल लक्ष्मा अवधि-27/11/2010 से 28/11/2040	सलम्म है।
कन शिवाय एन.ओ.सी.	दनमण्डलाधिकारी, जालपुर वर्गमण्डल जालपुर द्वारा जारी दिनांक 29/05/2024	इन श्रीज से दूरी - 1 किमी से अधिक 10 किमी की दूरी पर राष्ट्रीय उदान/वन्य जीव अभ्यासण वहीं है।
नालेमूर्ख संरचनाओं की दूरी	लालायी ग्राम - गमहरिया 800 मीटर कल्लूल ग्राम - गमहरिया 1.1 किमी जालपाल - जालपुर 3.4 किमी राष्ट्रीय साजमांग - 1 किमी राजदगांव - 3.25 किमी	दूरी भवी - 1.6 किमी मीसानी गाला - 205 मीटर तालांग - 250 मीटर नहर - 6.65 किमी दिज - 1.46 किमी
पारिविविकीय/ प्रौद्योगिकीय संवेदनशील क्षेत्र	5 किमी की परिधि में असरीज्जीव संग्रह, राष्ट्रीय साजान, अभ्यासण, किन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण शोर्ड ग्राम योक्ता लिटिकली पील्फुटेल गुरिया, पारिविविकीय संवेदनशील श्रीज या धोकित जैवविविरण क्षेत्र स्थित नहीं है।	सलम्म है।

	<p>संक्षेप संदर्भ – जीवन काल के मुख्य विज्ञानों – शूर्ण में जियोटीजिकल 77,120 घनमीटर माईनेश्य 70,280 घनमीटर रिक्विरेश्य 63,252 घनमीटर दृष्टिभाव में जियोटीजिकल 75,470 घनमीटर माईनेश्य 68,630 घनमीटर रिक्विरेश्य 61,602 घनमीटर प्रस्तावित गहराई 2 मीटर गेंग की गहराई 1 मीटर गेंग की गहराई 1 मीटर संभावित आयु 50 वर्ष 1 मीटर गेंगी जीवा पट्टी का क्षेत्रफल 960 वर्गमीटर फिटटी के साथ सुधारें हेतु प्रस्तावित – 30% एक लाख इंट निर्माण हेतु आवश्यक क्षेत्रफल जीवा – 16 एकड़ी </p>	कर्वियार प्रस्तावित उत्तराधिकार प्रथम 1,400 घनमीटर द्वितीय 1,400 घनमीटर तृतीय 1,400 घनमीटर चतुर्थ 1,400 घनमीटर पंचम 1,400 घनमीटर छठम 1,400 घनमीटर साप्तम 1,400 घनमीटर अष्टम 1,400 घनमीटर नवम 1,400 घनमीटर दशम 1,400 घनमीटर
सीधे होते के भीतर प्रदूषा स्थापित	ही, क्षेत्रफल – 1,700 वर्गमीटर फिल्म निर्माणी की व्यूनेश्य क्षम्याई – 35 मीटर	
तीर नाईटिंग	क्षेत्रफल – 1,700 वर्गमीटर एवं 50 वर्गमीटर, हीउ छोड़ने का कारण – उभया फिल्म एवं बोल्डेल	माईनिंग यात्रा में उल्लंघन – ही
जल आपूर्ति	गाज़ा – 7 घनमीटर एवं गेता – गोरबेल	सेन्ट्रल एनिमेस बॉटर ज्याहार्डी से एनओसी प्राप्त है।
सूखारोपण कार्य	जीज़ क्षेत्र के 1 मीटर के लाई और मुख्यारोपण – 473 नग दृष्टिभाव में वृक्षारोपण – 400 नग हीय प्रस्तावित वृक्षारोपण – 73 नग	प्रस्तावित कार्य हेतु 5 वर्ष की राशि – 14,53,325
परियोजना की संबंधित गायत्र वर्ज	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरिंद्र इन्स्ट उत्तराधिकार नियंत्रण, साधन वृक्षारोपण एवं 30 प्रतिशत पीड़ियन कार्य सुनिश्चित, छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत टोजगार, बहनीज निर्माण के तहत सीमांचल, भूमि स्थानियों को निर्धारित मुआवजा एवं शोषणार की प्राप्तिकरण, गहराई ऐल के उद्धित भव्यात्मन हेतु टिन शील का निर्माण, विद्युतान्वयन निर्माण की 2 वर्ष के भीतर प्र्यावरण वर्ज और जलवायु परिवर्तन बंद्धात्मक की अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 के परिवेष्य में आवश्यक परिवर्तन करताकर जिग-जीग	परियोजना प्रस्तावक द्वारा निम्न लिपि यात्रा (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं— 1. हमारे द्वारा उत्तराधिकार हेतु आवश्यक भूमि के नुस्खे स्थानियों के भूमि से संबंधित समस्त दिलों की ज्ञा न्यात सरकार के समस्त नियमों के अन्तर्गत यात्रा की जिमीदारी हमारी रहेगी। 2. परियोजना प्रस्तावक ने निम्न इस परियोजना/खदान से संबंधित जोई न्यायालयीन प्रकल्प देश के अंतर्गत किसी भी

	पहाड़ी में अवैधतिक प्रस्ताव किया जाने सी.इ.आर के तहत प्रस्तावित करते हुए संबंधित वाचा से जारी पूरी अवैधतिक प्रस्ताव कोटीयाल शहित जानकारी अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करने वाला, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संरक्षण आदि वाका राष्ट्रीय पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।	न्यायालय में लिखित नहीं है। ~ 3. परियोजना प्रस्तावक के लिए भारत सरकार, पर्यावरण, बन और अलगायु चरित्रीन वंशालय की अधिकारियों का.आ. 804(3), दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लिखित नहीं है। 4. भारतीय सूचीम कीट द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए विषय नियमी का ऐसे द्वारा पालन किया जानीजाता। 5. भारतीय सूचीम कीट द्वारा दिनांक 08 / 01 / 2020 की wri petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिए गए दिया नियमी का पालन किया जाएगा।
अधीक्षा	वी-२	अनुदित खदान का कुल क्षेत्रफल 3.650 हेक्टेयर है।

1. कौपरिट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावका प्राप्त सी.इ.आर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्मानित तो सर्वोच्च नियमानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
66.11	2%	1.32	Following activities at, Village- Sarudih	
			Plantation around Muktidham	1.57
			Total	1.57

सी.इ.आर के अंतर्गत आम साक्षीह नियम नुस्खालाल के बारी और द्वाम, कटहल एवं जानुन्दे 73 नग कृषकोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार गोवी के लिए राशि 7,000 रुपये, कृषिक के लिए राशि 14,000 रुपये, रावड के लिए राशि 5,250 रुपये, नियमानुसार रख-रखाव एवं अन्य आदि दो लिए राशि 30,000 रुपये इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 66,250 रुपये तथा आगामी 4 वर्षों में कुल राशि 1,01,000 रुपये हेतु घटकावान व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा आम प्रशासन साक्षीह के सहमति सुपत्रात प्रशासनीय स्थान (क्षेत्रफल 244 / 2, क्षेत्रफल 0.607 हेक्टेयर) के विषय में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

- समिति का मत है कि सीईआर एवं युआरीप्पा कार्य के नीतिविद्यित एवं कार्यक्रम हेतु कि-समीय समिति (प्रोपर्टीट्रॉटर/प्रतिभिति) द्वारा संचायत के उद्दीपकारी/प्रतिभिति एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संबंधी गम्भीर के पदाधिकारी/प्रतिभिति गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं युआरीप्पा का कार्य पूरी किये जाने के सुपरीत गठित कि-समीय समिति ने संलग्नपूर्ण कार्या जाना आवश्यक है।
- माननीय एनजीटी, जिलेवाल बैठक, नई दिल्ली द्वारा सहयोग पाण्डेय विस्तृद्वारा भारतीय सरकार, बड़ीबाज़ार, बन और जलवायी परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरियनल एजिक्येशन नं. 180 ऑफ 2010 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2010 को पारित आदेश में सुनिय रूप से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है—
 - Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार किए हुए सुपरीत सर्वेतभी नी आवेदक — गेहरी रामलाल लकड़ा (गम्भीरिया त्रिक ऊर्ध्व कर्ते कारी एवं जिला विवर सिमी विकल्प प्लाट) को धाम—गम्भीरिया, राहस्यीय व जिला—जारापुर की जारा कानूनक 687 में विचार गिर्दी उत्त्खन (गोप राजनीज) रुद्धान, कुल क्षेत्रफल—3.856 हेक्टेयर, कानून—1,400 घम्मीटर प्रतिवर्ग हेतु पर्यावरणीय स्थीरता की अनुसंधा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकल्प पर प्राधिकरण की दिनांक 27/08/2024 वो संघर्ष 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नीती का अकलीवान किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार किए हुए सुपरीत सर्वेतभी नी निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

- समिति की अनुसंधा की स्थीकार करते हुये आवेदक — गेहरी रामलाल लकड़ा (गम्भीरिया त्रिक ऊर्ध्व कर्ते कारी एवं जिला विवर सिमी विकल्प प्लाट) को निम्नानुसार अंतिरिक्त जारी के अन्तर्म पर्यावरणीय स्थीरता की करने का निर्णय लिया गया—
 - लीज जारी होने के पश्चात् 1 बीटर की सीमा पट्टी में पीछो का सेप्पन कर, पीछो का नामाकन एवं हाल्यांवन कर जियोटेंग फोटोग्राफर सहित अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ को घोषित किया जाए।
 - सीईआर के राहत तापा 1 बीटर की छोटी सीमा पट्टी में किये जाने वाले युआरीप्पा का संलग्नपूर्ण बन विचार वो स्वाम अंतिरिक्त अवधारणा बन विभाग द्वारा युआरीप्पा के संलग्नपूर्ण हेतु अधिकृत संस्थाओं (पार्ट पार्टी) से अनुमोदन कराकर अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ को घोषित किया जाए।
 - सीईआर के अंतर्म प्रयोगान के बारी और विनो जाने वाले कार्य के संलग्नपूर्ण हेतु जियोटेंग फोटोग्राफर सहित अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईए, उत्तीर्णगढ़ को घोषित किया जाए।

- v. ईट का परिवहन कम्पनी याहून से किया जाए, ताकि ईट चाहन से बाहर नहीं भिरे। ईट का परिवहन कर रहे चाहनी की समता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
- v. नीईएस एवं ग्रामीण कार्य की ओपरेटरिंग एवं पर्यावरण हेतु वि-सदस्यीय समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं दिलान इकायान या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संखाय बालू के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। जान ही नीईएस एवं ग्रामीण का कार्य शुरू किये जाने के उपरोक्त गठित वि-सदस्यीय समिति से सत्यापित कराया जाए।

जान ही लाईडी द्वारा निहित किये गए जारी का पालन सुनिश्चित नहीं किये जाने की सिफारी में विविध विवादित एवं दण्डनाक कार्यवाही की खाएँगी।

परिपोर्जना प्रकारक को जारी पर्यावरणीय रीवीडी पत्र जारी किया जाए।

2. पैलस साईटागरटीली शेष जारी, अवधा/संकेत, विकास का राहायता समूह, ग्राम पंचायत साईटागरटीली, ग्राम-साईटागरटीली, तहसील व जिला-ज़िला पुर (संकेतालय का नक्शा क्रमांक 2696)

विषय शब्द	आवेदित प्रकरण की संबंधित विवरण	समिति द्वारा नीट किया गया कि
जीनलाईन आवेदन	इ सौ.- 453387 द्वप 01 / 12 / 2023	
राजन का प्रकार	रेत (गोल खानिया) खदान	प्रस्तावित
शोषण एवं कमता	3 हेक्टेयर एवं 45,000 घनमीटर प्रतिवर्ष	संलग्न है।
विकास क्रमांक एवं नदी	खदान क्रमांक-100/1 एवं जात नहीं	संलग्न है।
वेतक का दिवरण	500ली वेतका दिनांक 20 / 04 / 2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूक्ष्मा दिनांक 27 / 05 / 2024
प्रस्तुतीकरण हेतु संपर्कित प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकरण हेतु वीक्सी नजराना कालीन (अवधा) राजमित्रा हुये।
पूर्व में जारी हुए	पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।	संलग्न है।
ग्राम पंचायत एन.डी.सी.	ग्राम पंचायत साईटागरटीली दिनांक 19 / 11 / 2022	संलग्न है।
उत्थनन योजना क्रन्तीयोदय	दिनांक 22 / 11 / 2023	संलग्न है।
विकासित/सीमाविना	दिनांक 27 / 09 / 2023	संलग्न है।
500 बीटर	दिनांक 28 / 11 / 2023	अन्य खदानों की संख्या निरक्त है।
300 बीटर	दिनांक 29 / 05 / 2024	प्रतिवर्षित बीत्र निर्मित नहीं है।
एल.ओ.आई.	एल.ओ.आई. जारक - 32936/संविद् विकास एवं राहायता समूह, ग्राम पंचायत साईटागरटीली, दिनांक - 06 / 10 / 2023 देशता अवधि - 1 वर्ष	संलग्न है।

दल विभाग सूचीकृत	उन्नामनकलापिकारी, जालपुर उन्नमनकल जालपुर छात्र जाती दिनांक 01 / 06 / 2022	कलान है।
जालपुरी खदानों की सूची	आवादी चाम—साईटायरटोली 650 मीटर स्थूल चाम—साईटायरटोली 1 कि.मी. खदानल—जालपुर 26 कि.मी. राष्ट्रीय राष्ट्रगार्ह—550 मीटर साधामारी—28 कि.मी.	तुल — 650 मीटर स्थूल फहार अन्तरित वन—2.6 कि.मी.
खदान स्थल पर नदी के पाट की बीड़ाई एवं खदान की नदी लट से सूची	खनन स्थल पर नदी के पाट की बीड़ाई— अधिकातम 324 मीटर, न्यूनतम 220 मीटर खनन स्थल की लवाई— अधिकातम — 575 मीटर, न्यूनतम 570 मीटर खनन स्थल की बीड़ाई — अधिकातम 63 मीटर, न्यूनतम 44 मीटर खदान की नदी लट के किनारे से सूची — पूर्व दिशा की तरफ अधिकातम 242 मीटर न्यूनतम 132 मीटर एवं पश्चिम दिशा की तरफ अधिकातम 40 मीटर, न्यूनतम 22 मीटर।	सार्विति द्वारा याच गया कि जिस खनन स्थल पर नदी के पाट की बीड़ाई 324 मीटर है, उस खनन स्थल पर परिवर्त दिशा की तरफ नदी लट के किनारे से सूची न्यूनतम 40 मीटर है तथा खनन स्थल पर नदी के पाट की बीड़ाई 220 मीटर है। उस खनन स्थल पर परिवर्त दिशा की तरफ नदी लट के किनारे से सूची न्यूनतम 22 मीटर है। अतः गैर साईटेटिंग क्षेत्र की आवासायकता नहीं है।
खदान स्थल पर रेत की बोटाई —	स्थल पर रेत की बहराई — 4 मीटर रेत खनन की प्रस्तावित गहराई — 2.5 मीटर खदान में साईटेट रेत की गात्रा—45,000 घणमीटर सार्विति विभाग से प्रस्तावित यानकारी अनुसार — स्थल पर गिरे गड्ढे (Pits) की संख्या—५ रेत की सामान्य औरत गहराई ३ मीटर रेत की यानकारी बहराई हेतु गंदनामा प्रस्तुत किया गया है।	
खदान क्षेत्र में रेत सातारा के स्वेच्छा	गिरे गिर्दु — ३५ मीटर तुफा २५ मीटर लेवल (Level)। दिनांक 18 / 10 / 2023 सार्विति विभाग से प्रजागीकरण उपर्युक्त क्षेत्रोंपास्ता सहित यानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये नदी है।	
पूर्णरीपण कार्य	नदी के लट पर पूर्णरीपण — १०० ग्रा किया जाना है।	प्रस्तावित रेतवे हेतु ५ ग्रा की राशि — 2,60,000 रुपये
परियोजना से संबंधित राष्ट्र पर	1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इ.एच.डी. के सहज खदान क्षेत्र के आम—पास नदी लट एवं पूर्वी गार्ड के किनारे पूर्णरीपण, पर्युक्तिव लस्ट चलार्जन नियंत्रण, सधन पूर्णरीपण एवं १० प्रतिशत जीवन स्तर सुनिश्चित, उत्तीर्णगढ़ अवधर्म पुनर्गांत्र	प्रस्तावक द्वारा निम्न राष्ट्र पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं— 1. परियोजना प्रस्तावक के गिर्द इस परियोजना/खदान के संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण

<p>नीति के तहत संज्ञार मिनरल्स कनसेशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत प्राप्ति की प्रतिकृति द्वारा संविधान का कार्य सुनिश्चित होने जाने। श्रीड्यूक्त एवं तहत प्रतिकृति कार्य एवं संबंधित शास्त्र से कार्य पूर्ण प्रतिवेदन प्रिलीटिंग फॉर्मायाक सहित जानकारी अंतर्राष्ट्रिक रिपोर्ट में समाहित करने वाले प्राकृतिक जल संदर्भों के संख्यण एवं स्थार्डन होते पर्यावरण संविधान ने दिये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं इस नाही पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जायेगा, बर्तावतु की दौरान ऐसा उल्लंघन का कार्य नहीं किया जाएगा, तभीमें द्वारा निहित किये गये शर्तों का पालन सुनिश्चित किये जाने वाले।</p> <p>2. उदान में उल्लंघन के दौरान सार्वोच्च संघ भाईनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2018 एवं इन्वेर्समेंट एवं भारिटरिंग गाइडलाइन्स और सेप्ट नाईनिंग 2020 के प्राकृतिकों का पालन किया जाएगा।</p> <p>3. इन्वेर्समेंट एवं भारिटरिंग गाइडलाइन्स और सेप्ट नाईनिंग 2020 के प्राकृतिकों का पालन किया जायेगा एवं अनुसूचित उल्लंघन संज्ञना में दिये गए भाईनेचल रिजर्व का 50 प्रतिशत रिझर्व ही उल्लंघन किया जायेगा।</p> <p>उपरोक्त शर्तों का पालन किये जाने वाले शर्त पत्र (Nonarrested Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।</p>	<p>देश के अंतर्गत किसी भी नवाचालन में लाभित नहीं है।</p> <p>2. परियोजना प्रवालायक के तिकड़ नाम संज्ञार पर्यावरण, बन और प्रदूषण परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृतना कानू. 804(अ), दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत श्री उल्लंघन का प्रकरण लक्षित नहीं है।</p> <p>3. गान्धीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिये गए दिया निर्देशों का नेरे द्वारा पालन किया जायेगा।</p> <p>4. गान्धीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08 / 01 / 2020 की writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गए दिया निर्देशों का पालन किया जाएगा।</p>
<p>श्री</p>	<p>वी-२</p>

- १ कौपरिटिव पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा नीति आर् (Corporate Environmental Responsibility) हेतु संगीति को समझ प्रिस्ताव दी बर्ची उपरांत जिम्मेदारी सह दिक्षिणा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
16.81	2%	0.33	Following activities at, Village- Saltangarh	0.35

		MuktiBharti	Total	0.35
--	--	-------------	-------	------

सीईआर के अंतर्गत इन साईटोंपरलेली विभिन्न मुक्तियाम के बारी और (आम जीवी एवं जानून) 30 नग दृष्टिरीय हेतु प्रस्तुत उत्तराव अनुसार पौधों के लिए राशि 1,500 कपड़े, फैलिंग के लिए राशि 12,000 कपड़े, ताद के लिए राशि 300 कपड़े, लिंगाई, रख-रखाव एवं अन्य आदि के लिए राशि 4,800 कपड़े इत्य प्रकार इथन वर्ष में कुल राशि 18,400 कपड़े तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 16,860 कपड़े हेतु घटकवार उत्तराव विवरण प्रस्तुत किया गया है। परिवोजना प्रस्तावक द्वारा इन पंचायत साईटोंपरलेली के सहभागी उपरान्त एकाधीय उत्तराव (तात्पत्र अन्तर्काल 116, कोअपल 0.445 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

2. समिति का मत है कि लीज क्षेत्र के भीतर ऐर माईनिंग क्षेत्र में सीधा उत्तम उत्तराव जाना आवश्यक है। लीज क्षेत्र के बारी बोनी तथा सीधा लाईन के भव्य ने लीबेट के छानी गएमा आवश्यक है ताकि लीज क्षेत्र नहीं में उपर यूटिगोयर हो सके।
3. सीईआर कारी एवं नदी टट में दृष्टिरीय तारी के नीमिटिव एवं परीक्षण हेतु विप्रवाही समिति (प्रीप्राइटर/प्राइमिटि), इन चैकावाल के पदार्थिकारी/प्रतिनिधि एवं शिल्प प्रकाशन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान अपहृत के पदार्थिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। ताथ ही सीईआर एवं नदी टट में दृष्टिरीय तारी पूर्ण विवेद जाने के उपरान्त गठित विप्रवाही समिति भी गठित कर्या जाना आवश्यक है।
4. ऐत सत्त्वानन ऐन्ड्रेल विवि से एवं भराई का कार्य लोडर द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। समिति का मत है कि लोडर जैसी एवं भारी बहन की खेती के हैं। उत भराई का कार्य ऐन्ड्रेल विवि से ही कराई जायें। भारी बाहनी के नदी में प्रवेश की अनुभाव नहीं होगी।
5. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा 2.5 गीटर की बहराई तक उत्त्वानन की अनुभाव नहीं है। अनुभावित उत्त्वानन योग्यता में उत्त्वानन किए जाये काले क्षेत्र की वासिक ऐत पुनर्जन्म संक्षेत्र उत्त्वानन कारी एवं तात्संक्षेत्र लोकहो का समावेश नहीं किया गया है। उत्त नदी छोटी नदी है तथा इसमें पर्यावरण में जागान्तर: 1 गीटर बहराई से अधिक ऐत का उत्त्वानन होने की संभावना है।

समिति द्वारा विवार विवरी उपरान्त सर्वसम्मति भी निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. परिवोजना प्रस्तावक ऐत सत्त्वानन क्षेत्र में आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत ताद अत्यधिक (Station Study) करायेगा, ताकि ऐत के पुनर्जन्म (Replenishment) वाका भी जानकारी ऐत सत्त्वानन का नदी, बटीतल, स्थानीय बनस्पति, जीव एवं सूख पौधों पर प्रभाव तथा नदी की बारी की गुणवत्ता वर ऐत सत्त्वानन की प्रभाव भी जानकारी प्राप्त हो सके।

2. लीज क्षेत्र की सत्त्वानन का बैलेलाई बाटा—

- I. ऐत सत्त्वानन प्रारंभ करने के पूर्व उपरोक्तानुसार विवारित विवि विन्दुओं पर नदी में ऐत की सत्त्वानन की स्तरी (Levels) का सर्व कर, उसके आंकड़े सत्त्वानन एसईआईएए उत्तीर्णगढ़ की प्रस्तुत किये जायें।
- II. पीलट-वानरान (अक्टूबर/नवम्बर माह में ऐत सत्त्वानन प्रारंभ करने के पूर्व) इन्ही विवि विन्दुओं में फैलिंग लीज क्षेत्र तथा लोज क्षेत्र की अपन्हीन एवं बाहनरहीन में 100 गीटर तक तथा बहन लीज के बाहर / नदी टट

- (वार्षिक और) ही 100 मीटर तक के लैंबे में नदी सतह के लेवल (Levels) का सभी पूर्व निर्धारित डिफ बिन्दुओं पर किया जाएगा।
- इसी प्रकार ऐति वायन समावृत्त मानसून के पूर्व (अई नदी के अधिम सतह/जून के प्रथम सतह) इनी डिफ बिन्दुओं पर ऐति सतह के लेवल (Levels) का मापन किया जाएगा।
 - ऐति सतह के पूर्व निर्धारित डिफ बिन्दुओं पर ऐति सतह के लेवल (Levels) का मापन का कार्य आगामी 6 वर्ष तक नियंत्रण किया जाएगा। श्री-मानसून के अंकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पोस्ट-मानसून के अंकड़े दिसंबर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियन्त्रित रूप से एसईआईए.ए. छत्तीसगढ़ को प्रस्तुत किए जायें।
 - समिति द्वारा विचार विनाई समावृत्त सर्वसम्मति ही गेहरी साईटागरटीली सेप्ट कारी, अप्पा/सचिव, विकास का सहायता समूह, प्राम पंचायत साईटागरटीली को शाम-साईटागरटीली, लहसील व जिला-पश्चिम छत्तीसगढ़ का 100/1, बुल लौज क्षेत्रकर्त-3 हेक्टेयर के कुल 60 ब्रिगेज लॉक्कर्स में ही ऐति वायन समिक्षन अधिकारी 1. मीटर की गहराई तक नीरिषित रखते हुए कुल 18,000 घनमीटर प्रतिवर्ष ऐति वायन से उत्तु वर्षावर्तीय स्थीकृति छनन पट्टे के विचादन की तारीख से पांच वर्ष तक की अवधि हेतु दिये जाने वाली अनुसूचा की गई। ऐति की खुदाई भूमिका हाता (Manually) ही जाएगी। विचार बेठ (Review Bed) में आरो लाहनों का प्रयोग प्रतिवर्षित रहेगा। सीज लैंबे में स्थित ऐति खुदाई गहरे (Excavation pits) से लोडिंग प्लाईट तक ऐति का परिवहन ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
 - सहर्टेनेवल सेप्ट माईनिंग ऐमेजमेंट गाइडलाइन्स 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं इन्फोर्मेंट एवं नीरिषितिंग साईट्साईन्स की संघ माईनिंग 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) की अनुसार कार्याई ही वायन सुनिश्चित किया जाए।

प्राथिकरण द्वारा बैठक में विचार – समावृत्त प्रकरण पर प्राथिकरण की दिनांक 27/09/2024 को संपन्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राथिकरण द्वारा नवीनी का अपलोडन किया गया। प्राथिकरण द्वारा विनाई समावृत्त साईटागरटीली सुनिश्चित किया गया।

- समिति की अनुसूचा को लौटाकर करते हुये जायेंक – गेहरी साईटागरटीली सेप्ट कारी, अप्पा/सचिव, विकास का सहायता समूह, प्राम पंचायत साईटागरटीली को निम्ननुसार अंतिमिति गती के अंदर पर्यावरणीय स्थीकृति जारी करने का निर्णय लिया गया—
 - सीईआर के तहत दूष नदी के सट पर आसकीय भूमि में दिये जाने वाले युक्तारोपण वा सत्यापन वा विभाग की तहम अधिकारी अधिका वा विभाग द्वारा युक्तारोपण के तात्पार्य हेतु असीकूत सम्बन्धित (पहले पाटी) से अनुसूचित कानून अवधारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईए.ए. छत्तीसगढ़ की प्रेषित किया जाए।
 - सीईआर के अलगते मुक्तिवाप्त के बारी और दिये जाने वाले कार्य का सत्यापन हेतु जिकोटीग कोटीयाप्त सहित अवधारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईए.ए. छत्तीसगढ़ द्वारे द्वितीय किया जाए।

- iii. सुनिज नाम परिवहन कार्यक्रम कारन से बिला जाए, ताकि सुनिज कारन से बाहर नहीं गिरे। सुनिज नाम परिवहन कारन सहे जाहनों को जानता है अधिक नहीं भला जाना सुनिश्चित किया जाए।
- iv. सीईआर कार्य एवं नदी तट में गृहानीपण कारब के मॉनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु वि-जीय समिति (प्रोफराइटर/प्रतिनिधि) द्वारा पंचायत की पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन कारबल की पदाधिकारी/प्रतिनिधि) नियुक्त किया जाए। साथ ही सीईआर एवं नदी तट में गृहानीपण का कार्य पूर्ण रूप से जाने के उपरांत गठित वि-जीय समिति से सत्यापित कराया जाए।

समिति द्वारा निर्धारित गती के अलावा नियुक्त किये जाये गती का पालन सुनिश्चित किया जाए। पालन नहीं किये जाने की स्थिति में विविधत कार्यकारी की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक की जाती पर्यावरणीय स्वीकृति एवं जारी किया जाए।

4. ऐसारी वित्ती दिवाला (पर्यावरण लाईन रुपैयन नं.- श्री अनिल अडवाल), द्वारा प्रस्तावक तहसील-पाठन, जिला-दुर्ग (संविधानसभा का नस्ती कानूनक 2064)

विवरण वस्तु	अवैदित उकारण से जुड़े विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ओनलाईन आवेदन	टीओआर - 455679 एवं 24/01/2024	
खदान का प्रकार	मूना पल्घार (गीर्वां खड़ी) खदान	संकेतित
हीचफल एवं जागता	1.97 हेक्टेयर एवं 10,380 टन प्रतिवर्ष	संलग्न है।
खारा जानकारी	पट्ट और खारा जानकारी 429	संलग्न है।

वैठकों का विवरण -

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 22/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(अ) समिति की 515वीं बैठक दिनांक 27/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु बोई नी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 27/02/2024 के बायाम से गृहना ही गयी है कि अपरिहार्य कारबों से आप बैठक में प्रस्तुतीकरण किया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभव प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा लक्षण्य सर्वेक्षणी से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक को पूरी में गृही रहे बायित जानकारी एवं समस्त गुणांक जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 22/03/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/03/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु सुनिश्चित प्रतिनिधि		प्रस्तुतीकरण हेतु श्री संजय अडवाल, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुये। अधिकृत प्रतिनिधि का सहमति पत्र
---------------------------------------	--	--

		प्रस्तुत किया गया है।
मू—समिति	लालता क्रमांक 429 (फटे) वी अग्रिम अधिकार (आवेदक) की नाम जब है।	मू—समिति एसडीएज संलग्न है।
पूर्व में जारी हुई।	खदान का प्रकार — शून्य फलवर (लैच व्हाइट) खदान लालता क्रमांक — 429 (फटे) शोबकल — 1.97 हेक्टेयर कमता — 19,380 टन प्रतिवर्ष दिनांक — 21 / 11 / 2016	ही इ.आई.ए.ए. जिला—तुरंग पर्यावरणीय स्थीरता की दिनांक 10 / 10 / 2031 है।
पूर्व में जारी हुई। का पालन प्रतिवेदन	सर—प्रभागित — ही	नियोजित अर्हानुसार तृकारीपण— नहीं। पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की दिनांक के अनुसार तृकारीपण का (पौधी) में संतुष्टीकरण (Satisfaction) एवं नामी कोटीदापत्र सहित छाम पंचायत से प्राप्त कर प्रभागित पालकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
दिनांक वर्षी में किये गये उत्तरानन	दिनांक 01 / 01 / 2024 वर्ष 2016—17 में लिए वर्ष 2017—18 में 9,300 टन वर्ष 2018—19 में 9,800 टन वर्ष 2019—20 में 8,900.69 टन वर्ष 2020—21 में 9,305 टन वर्ष 2021—22 में 9,800 टन वर्ष 2022—23 में 8,000 टन	
ग्राम पंचायत एन.ओ.सी.	ग्राम पंचायत पर्सीरा दिनांक 15 / 09 / 2001	महार की व्यापना के संबंध में ग्राम पंचायत का अनुचरित प्रमाण पत्र (कार्यवाही के तहक एवं दिनांक सहित) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
उत्तरानन गोजना जनुमोदन	दिनांक 02 / 03 / 2022	संलग्न है।
300 मीटर	दिनांक 01 / 01 / 2024	65 खदाने तक 145.473 हेक्टेयर
200 मीटर	दिनांक 01 / 01 / 2024	प्रतिवर्षित होने विभिन्न नहीं
तीव्र दीव	लैज धारक — मिलास मिनरल्स, प्रो.— वी अग्रिम अधिकार अवधि — दिनांक 17 / 10 / 2001 से 16 / 10 / 2031 तक।	संलग्न है।
कन विकास एन.ओ.सी.	मनमपठलाडिकारी, दुर्ग विधायक दुर्ग द्वारा जारी दिनांक 17 / 02 / 2024	कन द्वारा से दूरी — 25.5 कि.मी।
महावपूर्ण संरक्षणको की दूरी	आवादी ग्राम — मुद्रापात्र 500 मीटर एवं पर्सीरा 1 कि.मी। स्कूल ग्राम — सेलूर 2.5 कि.मी। असपाताल — सेलूर 2.6 कि.मी। समृद्धि राजमार्ग — 10 कि.मी। कल्याणमार्ग — 1.2 कि.मी।	आवास नदी—10 कि.मी। तालाब—600 मीटर बाघ—100 मीटर

पार्शिस्वतिकीय / जैवविविधता संवर्द्धनशील होता	6 किमी की विस्तृत में अंतर्राष्ट्रीय रीवा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयानस्थ, कॉन्फ्रीय उद्यान विवरण बोहे द्वारा घोषित किटिकली पौल्युट्रो एवं पार्शिस्वतिकीय संवर्द्धनशील होता या घोषित जैवविविधता होता सिवाय नहीं है।	संतुष्ट है।
खाना संपर्क एवं खाना का प्रबल्प	उत्तराखण्ड किंवि - ओपन कार्स्ट संभी माईनाईज़र द्विसिंग एवं ब्लाचिंग - ही रिजर्व - वियोलीजिकल 4,28,000 टन माईनेशल 1,23,000 टन प्रिक्व्हेशल 1,16,850 टन प्रस्तावित गहराई 26 मीटर वैध की ऊंचाई 15 मीटर वैध की ऊंचाई 1.5 मीटर कंभियित आयु 7 वर्ष स्पारिंग ड्राइव - ही क्लेकल - 2,000 कर्मचार	उत्तराखण्ड प्रस्तावित उत्तराखण्ड प्रबल्प 2,020 टन द्विसिंग 19,380 टन माईनिंग 19,098 टन प्रिक्व्हेशल 19,311 टन प्रस्तावित 19,311 टन
उत्तराखण्ड के दिए प्रतिवित होता	हीज के 7.5 मीटर का क्लेकल - 2,950 कर्मचार	उत्तराखण्ड - ही माईनिंग प्लान में उत्तराखण्ड - नहीं।
जपरी मिट्टी/ओखर बहुत प्रकाशन जाना	मोटाई - 2 मीटर मात्रा - 7,200 घनमीटर	जपरी मिट्टी प्रकाशन योजना प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
जल जारूरि	मात्रा - 5 घनमीटर प्रतिदिन	परिवेशना हेतु आवश्यक जल की जारूरती के नीति एवं अनुचिती संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
पूरकोपन कार्य	लोअर होता के 7.5 मीटर के गारो और गृहांशेष - 1,316 नम	प्रस्तावित कार्य हेतु 5 वर्ष की राशि - 12,00,100 कर्पर्य
क्षेत्री	दी-१	आवश्यित रुक्यान को मिलाकर कुल क्लेकल 147,443 हेक्टेयर है।

- लोअर होता के गारो और 7.5 मीटर की लोअर पट्टी में उत्तराखण्ड बगड़े किया गया है। प्रतिवित 7.5 मीटर गैरी की सीमा पट्टी में उत्तराखण्ड किया जाना पर्यावरणीय सहीकृति की रूपी द्वारा उत्तराखण्ड है। अतः जौध उपरात निवानुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। साथ ही उक्त उत्तराखण्ड होता को पुनर्जारय किये जाने हेतु ऐस्टोरेशन प्लान एवं उत्तराखण्ड भाग को आमिल करते हुए अद्यान विकली अनुसार रियर्स की मार्गना कर जानीदित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- उत्तराखण्टीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण बन एवं जलवायु परिवर्तन नियंत्रण नई दिल्ली द्वारा नीन लोअर माईनिंग प्रोजेक्ट्स हेतु मानक पर्यावरणीय नीति जारी की गई है। नीति व्यापक प्लान के अनुसार-

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

लकड़ी नामक जमीन के अनुसार माईन लीज होम के अंदर 7.5 मीटर बीमा सेपटी जोन में द्रुगढ़ीयन हिया जाना आवश्यक है।

- iii. माननीय एन.सी.टी., विभिन्नत देश, नई दिल्ली द्वारा सत्येद पास्क्यूय विस्तृत भवत संशोधन, पर्यावरण, जल और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य (अंतरिक्षात् एप्लिकेशन नं. 186 ओफ 2016 एवं अन्य) में दिनोंका 13/09/2016 को पारित भारत में भूमध्य क्षय से निमानुसार निर्दिशित हिस्सा गया है:-

- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

सीमित द्वारा विभाग विभाग उपराज राजसभानी से प्रकाशन "बी1" कोटेश्वरी का होने के कारण भवत सरकार, पर्यावरण, जल और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 2015 में प्रकाशित स्टैण्डर्ड टर्म्स ऑफ रिफरेंस (टीओआर) परीक्षा इंस्टीट्यूट / इंस्पेक्टरी, रिपोर्ट पौर धोपेहरा / एक्टोडिलीज विकासीय द्रुगढ़ीयसेट वलीयरेस अम्बर इंडिया ए नोटिफिकेशन, 2006 में विभिन्न खंडी 1(ए) का स्टैण्डर्ड टीओआर (खेत कुनवाई नहिंत) नीन कोल भव्वीनिंग धोपेहरा हेतु जिन अंतिरिक्ष ट्रांसोर्ट को साथ जारी किये जाने की अनुमति गी गई:-

- i. Project proponent shall inform SEIAA & S.E.A.C. Chhattisgarh before commencement of Baseline Data Generation and start of monitoring work for preparation of EIA Study Report.
- ii. Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
- iii. Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
- iv. Project proponent shall submit the NOC from concern department for Crusher establishment and details of pollution control arrangement in crusher.
- v. Project proponent shall submit top soil management plan.
- vi. Project proponent shall submit the compliance of plantation according the conditions of previous EC and do numbering in trees planted and submit the report along with photographs.
- vii. Project proponent shall submit source of water requirement and its NOC for usage of water from competent authority.
- viii. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.

- ix. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced with chain link.
- x. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- xi. EIA study shall be done at minimum 10 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- xii. Project proponent shall submit the copy of panchnama and photographs of every monitoring station.
- xiii. Project proponent shall submit the species wise detail, list of trees standing in lease area.
- xiv. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xv. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.08.2017.
- xvi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xvii. Project proponent shall submit layout map earmarking 7.5 meter of mine lease periphery & previously mined out area in safety zone, calculation of mined out area submit DPR of restoration plan and do remedial measures for development of greenbelt in 7.5 meter wide all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. Project proponent shall incorporate the remedial measures for mining activity carried out in the past in safety zone.
- xviii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) & complete the restoration of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- xix. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 06 feet height and shall maintain minimum 90% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- xx. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — प्रथमीकरण इकाइ पर प्राधिकरण की दिनांक 27 / 09 / 2024 की संघन्न 101वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार किमती उपचार सर्वेशम्भवी और समिति की अनुसंधान को स्थीकार करते हुए उपरोक्तानुसार स्टैनबर्ज टम्सी औफ रेफरेन्स (टी.ओ.आर.) (लीक सुनवाई नहिं) पारी करने का निर्णय लिया गया।

परियोजना प्रस्तावक को टम्सी औफ रेफरेन्स (टी.ओ.आर.) (लीक सुनवाई नहिं) जारी किया गया।

5. **मैकारी इन्डिया विनरल्स (प्री.— श्रीमती लिपदेव बौद्ध चावला, लो एंड लाईंग कटीन बर्मरी), याम—शानीजरीद, राहसील—मिनगा, जिला—कालीदाशजार—भाटापाश (समिकालय का नस्ती क्रमांक 2491)**

ऑनलाइन आवेदन — प्रथमीकरण नम्बर — एसआईए/ सीजी/ एमआईएन/ 431532/ 2023, दिनांक 30 / 06 / 2023 द्वारा टी.ओ.आर. हेतु आवेदन जिला गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संबंधित हुना पहचार (भीण खनिज) खदान है। खदान याम—शानीजरीद, राहसील—मिनगा, जिला—कालीदाशजार—भाटापाश विचार क्रमांक 17, 29 / 1 एवं 471 / 2, छुत सीबफल—1.172 हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित प्रत्यानन क्रमांक—13,919.01 टन प्रतिवर्ष है।

लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईएसी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 24 / 07 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुनित किया गया।

बैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 478वीं बैठक दिनांक 27 / 07 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के एह दिनांक 27 / 07 / 2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के समक्ष बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल शार्विकान्वय से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में आही गई वांछित जानकारी एवं वाचक सुसंगत जानकारी / इस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईएसी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06 / 12 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुनित किया गया।

(ब) समिति की 502वीं बैठक दिनांक 13 / 12 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जननीत जिंग बाकला, अविहृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। उनके द्वारा बताया गया था कि प्रस्तुतीकरण हेतु वांछित जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के समक्ष बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल शार्विकान्वय से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में आही गई वांछित जानकारी एवं वाचक सुसंगत जानकारी / इस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के लापत दिनांक 23/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(c) समिति की 818वीं बैठक दिनांक 28/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी अलिंगित उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 28/02/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण से समिति को सम्भाल बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु संपर्कित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा सत्त्वाग्रह समिति को निर्णय दिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में यही गई वाहित जानकारी एवं सम्भाल सुनांगना जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के लापत दिनांक 21/05/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(d) समिति की 833वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी अलिंगित उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 30/05/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण से समिति को सम्भाल बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा विचार कर मिम्म नियमि पाई गई—

1. परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 4 अवसर प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बार-बार वाहित जानकारी अपूर्ण होने का लेख बनाये हुये समय दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे समिति का जानकार्यक समय नष्ट हो जा सकता है।
2. समिति ने बैठक दिनांक 27/07/2023 में लिए गये निर्णय अनुसार वाहित जानकारी आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्व में समिति की अनुसंधान के द्वारा पर प्राधिकरण की 140वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में लिये गये निर्णय अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक दो बार प्रस्तुतीकरण हेतु अनुपस्थित रहींगे तबको तीसरी बार वही बैठक में उपस्थित नहीं होने की किफ़्ति में परियोजना प्रस्तावक के अधिकारीन आवेदन को पोर्टफोली डि-लिस्ट/निरस्त करने का निर्णय एसईएसी, छत्तीसगढ़ द्वारा लिया जायेगा” है।

समिति द्वारा विचार विभांग समस्त समितियों से सम्बोधित तथ्यों के परिवेद्य में आवेदित प्रकारण को डि-लिस्ट/निरस्त किये जाने की अनुशंसा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकारण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/09/2024 की संख्या 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अवसीकरण किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार उपरोक्त समिति से समिति की अनुसंधान को नवीकार करते हुये आवेदन को डि-लिस्ट / निरस्त करने का निर्णय लिया गया। शायद ही परियोजना प्रस्तावक को वह सुझाव दिया जाता है कि वह बास्त भारकार परिवरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवित्व पर पारी इंडिए बैंडिसूचना, 2006 (यथा संशोधित) एवं समय-समय पर पारी गाइडलाइन्स के अनुसार आवेदन प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

६. मेसारी नानीजारीद लाईन स्टोर कर्मचारी प्रोजेक्ट (प्रौ.-सौ जसप्रीत चिंह भाटिया),
ग्राम-नानीजारीद, ताहसील-सिंधगा, जिला-वालीदाबाबाद-माटापारा (स्थितिकालक्रम का
नम्बरी छानांक 2488)

लॉन्चलाईन आवेदन - प्रयोजन नम्बर - एसआईए/ सीली/ एनआईएन/ 431503/
2023, दिनांक 30/05/2023 हारा दी.ओ.आर. हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूरी से संबंधित घटना पालर (भीज खण्डित) लालाम है।
स्थान ग्राम-नानीजारीद, ताहसील-सिंधगा, जिला-वालीदाबाबाद-माटापारा जिले
खाना छानांक 471/2, कुल क्षेत्रफल-1,000 हेक्टेयर में है। खाना की आवेदित
उत्पादन शम्भा-31,548.40 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक
24/07/2023 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण -

(अ) समिति की 479वीं बैठक दिनांक 28/07/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र
दिनांक 28/07/2023 हारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण
से समिति के सभ्यक बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना समय नहीं है। अतः
आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हारा उत्तमय सर्वेताम्भिति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक
को पूर्वी ने जाही नई याचिन जानकारी एवं समस्त सुविधाएं जानकारी / दस्तावेज
सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक
06/12/2023 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 502वीं बैठक दिनांक 13/12/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री जसप्रीत चिंह भाटिया, प्रीवेटइंटर उपस्थित हुए। उनके हारा
बताया गया था कि प्रस्तुतीकरण हेतु याचिन जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति
के सभ्यक बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना समय नहीं है। अतः आगामी आयोजित
बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हारा उत्तमय सर्वेताम्भिति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक
को पूर्वी ने जाही नई याचिन जानकारी एवं समस्त सुविधाएं जानकारी / दस्तावेज
सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक
23/02/2024 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 510वीं बैठक दिनांक 28/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र
दिनांक 28/02/2024 हारा सूचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने
के कारण से समिति के सभ्यक बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना समय नहीं
है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वेशम्भु को निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में बाही गई वाहित जानकारी एवं समाप्त सुनांगत जानकारी / दस्तावेज वाहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, इलीशारद के ज्ञापन दिनांक 21/06/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु निर्धारित किया गया।

(d) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/06/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी वाहिनियि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक को पत्र दिनांक 30/06/2024 द्वारा सुचना दी गयी है कि जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण से समिति की सम्पूर्ण बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। जहाँ समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा विचार कर निम्न निष्पत्ति पाई गई—

1. परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 4 अवसर प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बाही-बाही वाहित जानकारी अपूर्ण होने का लेख बहली हड्डी समय दिये जाने का अनुरोध किया गया रहा है। जिससे समिति का अनावश्यक समय नष्ट हो रहा है।
2. समिति की बैठक दिनांक 28/07/2023 में लिए गये निर्णय अनुसार वाहित जानकारी आप दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्व में समिति की अनुसंधा के आधार पर प्रायिकरण की 140वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में लिये गये निर्णय अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक दो बार प्रस्तुतीकरण हेतु अनुप्रियता सही उत्तरी लीकारी बार की बैठक में उपस्थित नहीं होने की निष्पत्ति में वारियोजना प्रस्तावक के औनलाईन आवेदन की पोर्टल से डि-लिस्ट/निरस्त करने का निर्णय एसईएसी, इलीशारद द्वारा लिया जायेगा” है। समिति द्वारा विचार विभांग उपरांत सर्वेशम्भु से उपरोक्त लक्ष्यों के परिषेक से आवेदित प्रकरण को डि-लिस्ट/निरस्त किये जाने की अनुसंधा की गई।

प्रायिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकरण पर प्रायिकरण की दिनांक 27/09/2024 को सम्पन्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्रायिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अवलोकन किया गया। प्रायिकरण द्वारा विभांग उपरांत सर्वेशम्भु से समिति की अनुसंधा को लीकार करते हुये आवेदन की डि-लिस्ट/निरस्त करने का निर्णय हिया गया। यह ही परियोजना प्रस्तावक को यह गुजार दिया जाता है कि यह भारत सरकार, पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन नेत्रालय द्वारा जारी ईआईए अदिसूचना, 2006 (यथा संशोधित) एवं समय-समय पर जारी नाईकलाईन के अनुसार आवेदन प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक की तदानुसार निर्धारित किया जाए।

7. ऐसांसी जामाकोनी साईन सटीन क्षारी नाईनिंग (प्री.— श्री यगदती प्रसाद रमी), छात्र-जामाकोनी, लहसील-सिम्या, जिला-बलीदाबाजार-भट्टापाना (सचिवालय का नस्ती दिनांक 2100)

विषय वस्तु	आवेदित प्रकरण की समिति विषय	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ओनलाईन आवेदन	टी.आर.—79638 एवं 04/07/2022	नाईनिंग ईआईए लिस्ट
आवेदन	ई.सी.—451811 एवं 08/11/2023	
खदान का प्रकरण	मूल गल्फर (लीग अनिल) खदान	संचालित

शीर्षक संवाद कामता	1,373 हेक्टेयर एवं 31,290 टन प्रतिवर्ष	
संबंधित कानूनोंका वैठक का दिनांक	पार्ट लौफ संसद लम्हा 280 507वीं बैठक दिनांक 10/01/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 03/01/2024
		लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 03/01/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 437वीं बैठक दिनांक 10/01/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी अमरवती प्रसाद वर्मा, ड्रोपराइटर उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक की पञ्च दिनांक 10/01/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्तम सार्वजनिकी से निर्वय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में याही गई वाचित जानकारी एवं समस्त सुलगात जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 07/03/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 519वीं बैठक दिनांक 12/03/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक की पञ्च दिनांक 12/03/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्तम सार्वजनिकी से निर्वय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में याही गई वाचित जानकारी एवं समस्त सुलगात जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 21/05/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक की पञ्च दिनांक 30/05/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी / दस्तावेज अपूर्ण होने के कारण समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा जिसार कर निम्न निष्ठाति पाई गई –

- परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 3 अवसार प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बास-बार वाचित जानकारी अपूर्ण होने का लेख करते हुए समय दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे समिति का अनोयहका समय नहीं हो रहा है।
- समिति की बैठक दिनांक 10/01/2024 से लिए गये निर्णय अनुसार वाचित जानकारी जारी दिनांक तक प्रस्तुत नहीं हो गई है।

पूर्व में समिति की अनुसंधा की आवार पर प्राधिकरण की 146वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में किये गये निर्णय अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक दो बार प्रस्तुतीकरण होता अनुपस्थित रहेंगे उसकी लौसारी बार की बैठक में उपस्थित नहीं होने की विधि में परियोजना प्रस्तावक को औनलाईन आवेदन को पोर्टल से कि-सिस्ट / निरस्त करने का निर्णय एसईएसी, एस्टीसाइड हुआ लिया जावेगा” है।

समिति द्वारा विचार किए उपर्युक्त संवेदनमयी से संपर्क करते हों के संभेद्य में आवैदित प्रकरण को कि-सिस्ट / निरस्त किये जाने की अनुसंधा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार - उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/09/2024 की संघर्ष 101वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज को अदातोक्त किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार किए उपर्युक्त संवेदनमयी से समिति की अनुसंधा को स्वीकार करते हुये आवेदन को कि-सिस्ट / निरस्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही परियोजना प्रस्तावक को यह सुझाव दिया जाता है कि यह भारत सरकार, पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन वैज्ञानिक द्वारा जारी होआईए ऑफशॉर, 2006 (यथा संशोधित) एवं राज्य-राज्य पर जारी गाईउत्तराहिन्दा की अनुसार आवेदन प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।



B. मेसासी कुम्हारी द्विक ऊर्ध्व वर्षे एवं फिल विननी प्लाट (प्रौ.- शीमली ज्योति कुमला), घाम-कुम्हारी, तहसील व ज़िला-रायपुर

औनलाईन आवेदन - प्रयोजन नम्बर - एसआईए /सीजी /एगआईएन / 285002 / 2022, दिनांक 31/03/2022। श्री हरीष कुमला, घाम-कुम्हारी (पिंडली), तहसील-घरसीका, ज़िला-रायपुर को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की मेसासी कुम्हारी द्विक ऊर्ध्व वर्षे एवं फिल विननी प्लाट (प्रौ.- शीमली ज्योति कुमला), घाम-कुम्हारी, तहसील व ज़िला-रायपुर के नाम पर नामांतरित (Transfer) किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण -

- यह खदान घाम-कुम्हारी (पिंडली), तहसील-घरसीका, ज़िला-रायपुर के रासना ग्रामीण 138/1 एवं 139/1, कुल जीव लोक 0.566 हेक्टेयर, विट्टी चलखनन खदान (गोपनीय सुनिश्चित) क्षमता-1,000 प्रमीटर (इंट चलखान इकाई 5,00,000 नग) प्रतिवर्षीय होती है।
- पूर्व में राज्य सरकार पर्यावरण बनायाए विवरण प्राधिकरण एस्टीसाइड के द्वायम दिनांक 29/04/2014 द्वारा उपरा क्षमता हेतु श्री हरीष कुमला की नाम से पर्यावरणीय स्वीकृति जारी गई है।
- कार्यालय कलेक्टर (खानिज शाखा), ज़िला-रायपुर को आदेश क्रमांक 1148/सा.पि./सीन-४/स.प. 17/2014, दिनांक 20/01/2021 द्वारा “शीमली ज्योति कुमला, पति-स्त्र. श्री हरीष कुमला” को नाम पर चलखननपट्टर की अवधि 30 वर्ष (दिनांक 13/01/2004 से 13/01/2034 तक) का पूरक अनुक्रम किया गया है।
- माईनिंग प्लान का हस्तांतरण मेसासी कुम्हारी द्विक ऊर्ध्व वर्षे एवं फिल विननी प्लाट (प्रौ.- शीमली ज्योति कुमला) के नाम पर किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – सुपरीकरण प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 08/04/2022 की हंपना 120वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नक्ती/दस्तावेज का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया –

1. गैरवी जुमलारी डिक अर्थ के सुष्ठु पिण्ड विमानी प्लाट (दो – शीर्षी खड़ी खड़ी शुकला) द्वारा प्रस्तुत शब्द पर एवं पर्यावरण के जारी विवरणी एवं जारी का पालन किये जाने का उल्लेख किया गया है।
2. उल्लेखन के प्रकारणों हेतु एस.ओ.पी. के संघर्ष में भासत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवानीय, नई दिल्ली के बाह्यन क्षेत्रों एवं एन. 22-21/2020-आई.ए./III [ई138849], दिनांक 28/01/2022 द्वारा जारी ऑफिस कैमोरेक्टम का अवलोकन किया गया। उक्त ऑफिस कैमोरेक्टम के तहस तथ्यों के चुंचि हेतु परिवेशमा प्रस्तावक द्वारा विगत वर्षों में किए गए सुलझनन की वास्तविक भाजा की जानकारी खानिज किभाग से प्राप्तिकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. भासत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंजालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 को जारी अधिसूचना में ईट बद्दा हेतु जारी दिना-विवेदा के परिपेक्ष में परिवेश विभाग जाना आवश्यक है।
4. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में अधिसूचित जारी के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी ओटीपाप्त सहित जानकारी लिया जाना आवश्यक है।

प्राधिकरण द्वारा विचार विमानी सुरक्षामंडि से निर्णय किया गया कि आवेदित प्रकरण पर सुपरीकरण तथ्यों पूर्व दस्तावेजों के आधार पर परीक्षण सुपरीकरण अनुसार किये जाने हेतु प्रकरण को शलड़े दी, छत्तीसगढ़ के राज्य पुरा प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 405वीं बैठक दिनांक 28/04/2022:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर विष लियति की गई।

1. विगत वर्ष में किए गए सुलझन की वास्तविक भाजा की जानकारी खानिज किभाग से प्राप्तिकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में अधिसूचित जारी के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी ओटीपाप्त सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्तरान्वय सुरक्षामंडि से गिर्मानुसार निर्णय किया गया था –

1. विगत वर्ष में किए गए सुलझन की वास्तविक भाजा की जानकारी खानिज किभाग से प्राप्तिकर प्रस्तुत किया जाए।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में अधिसूचित जारी के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी ओटीपाप्त सहित प्रस्तुत किया जाए।
3. भासत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंजालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 को जारी अधिसूचना अनुसार जिग-जैग गद्दियों का ईट बद्दा क्षायित किये जाने का शब्द पर विभाग जाए।

उत्तरीका समस्त पूर्ण जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपर्युक्त आवासी कार्रवाई की जाएगी।

गोदानुसार एस.ई.ए.सी. खालीलगढ़ की 405वीं बैठक दिनांक 28/04/2022 के परिवेष्ट में परियोजना दस्तावेज द्वारा दिनांक 28/03/2022 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(३) जामिति की 470वीं बैठक दिनांक 14/06/2023:

जामिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं विश्लेषण जूने पर निम्न लिप्ति द्वारा दर्शाया गया—

१. कार्यालय कलेक्टर (खानिज जागी), जिला-सचिवपुर की आपन द्वारा 206/खानिज/मिट्टी/नक्का-R00/2022-23 सचिवपुर दिनांक 31/01/2023 द्वारा जारी प्रगाण पत्र अनुसार विभिन्न वर्षों में किये गये उत्थान की जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	उत्थान (ग्राम)
2018-19	4,22,600
2019-20	3,76,700
2020-21	3,33,900
2021-22	4,27,100
2022-23 (माह अक्टूबर 2022 तक)	1,77,100

जामिति का भल है कि माह अक्टूबर 2023 से किये गये उत्थान की अद्यान जानकारी जामिति किमांग से इमारित करावार प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में अधिरोपित जारी के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी प्रोटोकॉल सहित प्रस्तुत किया गया है।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 की जारी अधिसूचना अनुसार जिन-जोग पट्टी का ईट भट्टा क्षमति किये जाने वाले शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। जामिति का भल है कि उक्त ईट शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाने के साथ-साथ भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 का पूर्ण पालन सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

जामिति द्वारा तत्काल जारीकरण से निम्नानुसार निर्णय किया गया था—

- अक्टूबर 2022 से किये गये उत्थान की अद्यान जानकारी खानिज किमांग से प्रमार्पित करावार प्रस्तुत किया जाए।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22/02/2022 की जारी अधिसूचना अनुसार जिन-जोग पट्टी का ईट भट्टा क्षमति किये जाने वाले शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाए।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 22/02/2022 का पूर्ण पालन सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्ता पांचिल जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने उपरोक्त ज्ञानार्थी कार्यवाही की जाएगी।

हमानुसार एसईएसी, भरतीयसंगठ के ज्ञापन दिनांक 28/08/2023 के परिणेत्र में परिवृत्तज्ञा प्रस्तावक द्वारा दिनांक 01/02/2024 को जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(१) जनिति की ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०६/२०२४:

जनिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धी पाइ गई:-

१. परिवृत्तज्ञा प्रस्तावक द्वारा कलेक्टर, जिला-सायपुर की अरीसार्ट और शीघ्रती हेतु प्रेषित यत्र की जानी अधिकारी, जिला-सायपुर द्वारा अनुमोदित कराकर प्रस्तुत किया गया है, जिसकी अनुसार अक्टूबर २०२२ से किसी गये उत्पादन की अव्याय जानकारी निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है:-

माहकार	ईट सत्पादन (नग)
अगस्तकार २०२२	निरन्तर
सप्तम्बर २०२२	
दिसम्बर २०२२	
जनवरी २०२३	९४,३००
फरवरी २०२३	८७,५००
मार्च २०२३	९३,२००

२. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक २२/०२/२०२२ को जारी अधिसूचना अनुसार जिन-जींग पट्टिका का ईट भट्टा स्थापित किसी जानी बाबत जाप्त यत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

३. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक २२/०२/२०२२ का पूरीत बालन सुनिश्चित किसे जाने बाबत जाप्त यत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

जनिति द्वारा दियार विवरी उपरोक्त सर्वेसम्भवि से भी उत्तीर्ण गुप्तला, दान-कुम्हारी (पिंडिली), लहसील-धरसील, जिला-सायपुर की एसईआईए.ए. भरतीयसंगठ के ज्ञापन नम्बर १८८, दिनांक २९/०४/२०१४ द्वारा जारी पर्यावरणीय स्वीकृति से ऐसी कुम्हारी दिया गया था (जो- बीमती ज्योति गुप्तला), प्राम-कुम्हारी, लहसील व जिला-सायपुर के नाम पर उत्पादकरिता (Transfer) किसी जाने की अनुशंसा की गई।

प्रायिकारण द्वारा बैठक में दिया - उपरोक्त प्रकल्प पर प्रायिकारण की दिनांक २७/०९/२०२४ को संघर्ष १०१वीं बैठक में दियार किया गया। प्रायिकारण द्वारा नस्ती/दस्तावेज़ का अवलोकन किया गया। उपरोक्त तथ्यों एवं दस्तावेज़ के आधार पर प्रायिकारण द्वारा दियार विवरी उपरोक्त सर्वेसम्भवि से भी उत्तीर्ण गुप्तला, दान-कुम्हारी (पिंडिली), लहसील-धरसील, जिला-सायपुर की एसईआईए.ए. भरतीयसंगठ के ज्ञापन नम्बर १८८, दिनांक २९/०४/२०१४ द्वारा जारी पर्यावरणीय स्वीकृति से ऐसी कुम्हारी दिया गया था (जो- बीमती

जपानी सुवाल), याम-कुमारी, तहसील व जिला-चायपुर के नाम पर छापांतरित (Transfer) किये जाने का निर्णय लिया गया।

परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरणीय स्वीकृति में नाम अंशिकान बदला दब्र जारी किया गया।

१. गैरवी चिनाथल-२ और वारी (संधिय/संसर्वेष, याम पंचायत गदानली), याम-चिनाथल, तहसील-मैरमगढ़, जिला-बीजापुर (संधिकालीय का नमौक छापांक 2516)

कीमताई आवेदन — प्रपोजल नमौक — एसडॉटए/ सीजी/ एमडॉटएन/ 432947 /2023, दिनांक 14 /06 /2023 हासा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया।

प्रस्ताव का विवरण — यह प्रस्तावित रैत उत्तरानन (गौण खनिज) खदान है। खदान याम-चिनाथल, तहसील-बीमनड़, जिला-बीजापुर लिखत पाई और खदान क्रमांक 36, कुल क्षेत्रफल-3.4 हेक्टेकर में प्रस्तावित है। उत्तरानन चिनाथल नदी से किया जाना प्रस्तावित है। खदान की आवेदित लागत लापता— 34,000 घनमीटर प्रतीकर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसडॉटएसी, उत्तीर्णगढ़ के द्वारा दिनांक 18 /06 /2023 हासा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

- (अ) समिति की 482वीं बैठक दिनांक 23 /06 /2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री विजय कुमारिय, तथा संसदीय, याम पंचायत गदानली उपसंचालक हैं। समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं वरीषण करने पर निम्न लिखित पाई गई—

- सूची वे जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संकेती विवरण— इस खदान की सूची वे पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।
- याम पंचायत का अनापवित्र प्रभाग पत्र — ऐसा उत्तरानन के संबंध में याम पंचायत का अनापवित्र प्रभाग पत्र उपस्थित नहीं किया गया है। समिति का मत है कि ऐसा उत्तरानन के संबंध में याम पंचायत का अनापवित्र प्रभाग पत्र (वैठक का कार्यवाही विवरण एवं दिनांक सहित) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- विन्हाकित/ सीमांकित — कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा से प्राप्त प्रभाग पत्र अनुसार यह खदान विन्हाकित/ सीमांकित पार प्रोत्तित है।
- उत्तरानन योजना — कलारी पत्रान प्रस्तुत किया गया है, जो उप संचालक (उ.प.), जिला-उत्तरान बरसान कांकिय के द्वारा दानांक 1009/खनिज/उत्तर यो.उन् /रेत/ 2023-24 उ.व. कांकिय, दिनांक 29 /06 /2023 हासा अनुमोदित है।
- 600 ग्रीटर की परियि में लिखा खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-बीजापुर के द्वारा दानांक 234/कलै./खनिज/2023 बीजापुर, दिनांक 18 /04 /2023 के अनुसार आवेदित खदान से 600 ग्रीटर की भीतर जन्म रेत खदानों की संख्या लिखे हैं।
- 300 ग्रीटर की परियि में लिखा जारीनिक लेत/ संरक्षणाद — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-बीजापुर के द्वारा दानांक 232/कलै./खनिज/2023

बीजापुर, दिनांक 18/04/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार इस संदर्भ के 200 मीटर की घैसि में कोई भी सार्वजनिक होते जैसे चालौय राजमार्ग, राजमार्ग, पुल, बांध, स्कूल, अस्पताल, बैंगन, मकान, गुरुद्वारा, ग्रामपाल एवं इनीशट आदि प्रतिवर्षित होते नहीं हैं।

7. एलओआई का विवरण – एलओआई सर्विस/सार्वजनिक प्राम पंचायत ग्रामपाली के नाम पर है, जो कार्यालय बैंगनटर (बैंगन ग्राम), जिला-बीजापुर के ज्ञापन इमार्क 144/कलै./खणिज/रे.का./2023 बीजापुर, दिनांक 15/03/2023 द्वारा जारी की गई, जिसकी अवधि 1 वर्ष है तथा यह एलओआई में 'छर्टीसगढ़' और 'खणिज साधारण' रेत का उत्थानम एवं बवसाय (अनुसूचित होते हैं) नियम 2023 नियम 7 के तहत आवेदित भूमि में जीव खणिज साधारण रेत हैं तथा उत्थानन पट्टा डिलेख के पंजीयन दिनांक से 5 वर्ष की अवधि के लिए उत्थानन पट्टा स्थीकृति के लिए निम्नलिखित लाई की पूर्ति है तथा आवाय पत्र (LOI) जारी किया जा रहा है।' का उल्लेख है।
8. बन लिमांग का अन्तर्वाली प्रमाण पत्र – कार्यालय उनमन्डलायिकारी, बीजापुर उनमन्डल, जिला-बीजापुर के ज्ञापन इमार्क/ट.का./3838 बीजापुर, दिनांक 28/09/2019 से जारी अन्तर्वाली प्रमाण पत्र अनुसार प्रस्तावित होते थेमन्डल अभ्यासपद से 8 कि.मी. की दूरी पर है।
9. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत नहीं है।
10. गहत्याकृत संरक्षणात्मकी की दूरी – निकटतम आकाशी प्राम-निगमाल 1.8 कि.मी. एवं स्कूल ग्राम-ग्रामपाली 3.2 कि.मी. तथा अस्पताल बीजापुर 17 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 2.7 कि.मी. दूर है। स्थीकृत रेत स्थान की 1 कि.मी. की दूरी तक पुल/एनीशट स्थित नहीं है।
11. खनन स्थल पर नदी के पाट की खोकाई एवं स्थान की नदी छट से दूरी – आवेदन अनुसार खनन स्थल पर नदी के पाट की खोकाई – अधिकातम 242 मीटर, न्यूनतम 180 मीटर तथा खनन स्थल की खोकाई लंबाई – 395 मीटर एवं खनन स्थल की खोकाई – अधिकातम 118 मीटर, न्यूनतम 45 मीटर दर्शाई गई है। स्थान की नदी छट के किनारे से दूरी अधिकातम एवं न्यूनतम दूरी के संबंध में जानकारी प्रस्तुत नहीं किया गया है।
12. स्थान क्षेत्र पर रेत की गोटाई – आवेदन अनुसार क्षेत्र पर रेत की गोटाई – 3 मीटर तथा रेत खनन की प्रस्तावित गोटाई – 1 मीटर दर्शाई गई है। अनुमोदित गोटाई यांत्रिक यांत्रिक अनुसार स्थान में नाईनीबल रेत की मात्रा – 34,000 घनमीटर है। रेत उत्थानन हैं तथा प्रस्तावित स्थल पर वर्तमान में उपलब्ध रेत स्थल की गोटाई जानने के लिए, प्रस्तावित स्थल पर 4 गढ़ (Plot) स्थोदकर सरकारी कास्तीयक गहराई का गायन कर, खणिज विभाग दी प्रस्तावित जानकारी प्रस्तुत की गई है। इसके अनुसार रेत की सापेक्ष औरत स्थान गोटाई 3 मीटर है। रेत की प्राकृतिक गोटाई है तथा परमाणुमा प्रस्तुत किया गया है।
13. स्थान होते में रेत सतह के लेवल्स – रेत उत्थानन हैं तथा प्रस्तावित स्थल में 25 मीटर गुणा 25 मीटर की डिफ विन्डोज़ी पर दिनांक 01/04/2023 की रेत सतह के वर्तमान लेवल्स (Levels) सेकर फोटोग्राफ़िक लाइट प्रस्तुत किया गया है।

14. कॉर्पोरेट एंवरायनलीय रिपोर्ट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्बद्ध विस्तार से यथा उपरोक्त निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
Following activities at nearby Village- Mingachal				
4	2%	0.80	Plantation in Periphery of Government School & 5 years AMC	4.13
			Total	4.13

सीईआर के अंतर्गत निकाय को इस अंतर्गत लासरा ज़मीन 11 हेक्टेक्टर 12 किलोमीटर दूरी के लासरा और नीचे फीफल, बाहरांग, जामुन, बरवाद, अमलताला, करंज, झर्जुन आदि) कृषाणीपन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 100 नग पीढ़ी के लिए राशि 7,880 रुपये, फोरिंग के लिए राशि 31,500 रुपये, खाद के लिए राशि 780 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव आदि के लिए राशि 82,000 रुपये, इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 1,22,360 रुपयी तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 2,91,704 रुपये हेतु घटकवार खाद का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

15. सीईआर के लहर प्रस्तावित व्यक्ति के प्राचार्य (Principal) का सहमति पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

16. कृषाणीपन कार्य – नदी तट पर कृषाणीपन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव की जगता में जुटि है। अब याचिति का बहुत है कि नदी तट पर कृषाणीपन प्रजाति (जैसे जामुन, करंज, झर्जुन एवं जाम आदि) के कृषाणीपन (30 प्रतिशत की पीढ़ीवन वर से) हेतु पीढ़ी, फोरिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 6 वर्षों का घटकवार एवं समवाचार खाद का विवरण की जगता में जुटि सुधार का प्रस्तुत प्रस्ताव राखिं जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्तम प्रबंधनित सीईआर निर्भय लिया गया था—

1. ऐसा उत्कृष्टन के संबंध में दायर विवरण का अनुचित प्रमाण पत्र (फैलक का कार्यवाही विवरण एवं दिनांक सहित) प्रस्तुत किया जाए।
2. खदान की नदी तट के लिनारे से दूरी अधिकतम एवं न्यूनतम दूरी के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. सीईआर के लहर प्रस्तावित व्यक्ति के प्राचार्य (Principal) का सहमति पर प्रस्तुत किया जाए।
4. नदी तट पर कृषाणीपन प्रजाति (जैसे जामुन, करंज, झर्जुन एवं जाम आदि) के कृषाणीपन (30 प्रतिशत की पीढ़ीवन वर से) हेतु पीढ़ी, फोरिंग, खाद एवं सिंचाई

लक्ष्य-संवाद-संचार के लिए ५ दर्ती का घटकानाम एवं सम्पर्क स्थिति के विवरण की मानना में त्रुटि सूझार कर दिल्ली प्रसाद चाहिए उत्तराधीश प्रस्तुत किया जाए। उपरोक्त वासित जानकारी/दस्तावेज़ द्वारा हीमे उपरोक्त आवाजी बताई गई ही जाएगी।

उदाहरणार्थ एस ई एसी, भवीतीसाइड की आपन दिनांक ३०/११/२०२३ के परियोजना में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक २२/०२/२०२४ की जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया गया।

(ब) चाहिए वी ५३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलीकन एवं परीक्षण करने पर यह लिखित याई गई—

१. ऐत उत्तराधीन के संबंध में आम पंचायत गदायती का दिनांक ०२/१०/२०२२ का अनापलित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
२. उदान की नदी तट के किनारे से अधिकातम दूरी ६० मीटर एवं नूनतम दूरी ३० मीटर है।
३. शीर्षकार के उद्यम प्रकल्पित रक्तुल के प्राचार्य (Principal) का बाह्यति पत्र प्रस्तुत किये जाने की संबंध में परियोजना प्रस्तावक का कथन है कि शीर्षकार के अतिरिक्त निकाय को उल्लंघित रक्तुल के बाहरी किनारों में गुआरीपन किये जाने का उत्तराध प्रस्तुत किये जाने की बाबत आम पंचायत गदायती का अनापलित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा आम पंचायत गदायती के बाह्यति उपरोक्त गुआरीपन कथान (खासक ग्रन्थांक ११, क्षेत्रकल ४८० बर्गमीटर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।
४. नदी तट पर स्थानीय प्रजाती (जैसे जागून, करंज, अर्जुन एवं आदि) के गुआरीपन (३० प्रतिशत की जीवन दर की) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार १०० नग पौसों के लिए राशि १५,०४८ रुपये, पौसिंग के लिए राशि ८८,४०० रुपये, खाद के लिए राशि १,५०० रुपये, सिंधाई एवं रस-रसाय आदि के लिए राशि ८२,००० रुपये तथा अन्य कार्य के लिए राशि १०,००० रुपये, इस प्रकार प्रत्यन कर्ता में गुल राशि १६७,९४८ रुपये तथा आवाजी ४ दर्ता में कुल राशि २,९४,७४० रुपये उन्नु घटकानार आप का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
५. समिति द्वारा नोट किया गया कि बायोट्य कलेक्टर (खानिज गायत्री), जिला-कोजापुर द्वारा दिनांक १५/०३/२०२३ की जारी एलओआई की फैला १ वर्ष से भुग्ता रही है। समिति का मत है कि एलओआई की फैला गुदि के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
६. समिति का मत है कि लीज क्लैज के भीतर गैर मार्गिनिंग क्लैज में सीधा सभ्य लगाया जाना आवश्यक है। लीज क्लैज के बाहर कोनो तका सीधा लाईन के मध्य में सीमिट के बाहर गड़ाना आवश्यक है, ताकि लीज क्लैज नदी में स्वच्छ दृष्टिशील हो सके।
७. शीर्षकार कार्य एवं नदी तट में गुआरीपन कार्य की भौमिकाएं हेतु शीर्षकार की भौमिकाएं (श्रीपराईटर/प्राइवेटर/दाम पंचायत के पदकारीजारी/प्रतिनिधि एवं जिला उत्तराधीन या उत्तरीसाइड पर्यावरण संस्थान नगहल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गतिल किया जाना आवश्यक है। याच ही शीर्षकार कार्य

नदी नर्स वै सूक्ष्मांश्चय का कार्य पूर्ण हिते जाएं की सुपरीत शिल्पि-क्षमीय समिति से उत्तमाधिक उत्तराया जाना उत्तमशक्ति है।

६. ऐति उत्तरानन मैन्याल लिखि से ऐति भवाई का कार्य लोकर द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। उत्तरायि का भवा है कि लोकर और यंत्र भवी वाहन की भेदी के हैं; अतः भवाई का कार्य मैन्याल लिखि से ही उत्तराई जाएं। भवी वाहनों के नदी में उत्तरायि की अनुभावि नहीं होगी।
७. परियोजना प्रस्तावक द्वारा १. बीटर की गहराई तक उत्तरानन की अनुभावि नामी है। अनुभावित उत्तरानन योजना में उत्तरानन लिए जाने वाले क्षेत्र की उत्तरायि ऐति पूनर्जरण संबंधी उत्तरायन उत्तराई एवं तत्त्वांकी आकड़ी का समावेश नहीं किया जाता है। मिगाडल नदी छोटी नदी है तथा इसमें वर्षाकाल में रामायत। बीटर गहराई से अधिक ऐति का पुनर्जरण होने की विवादना है।

उत्तरायि द्वारा विभाव विमर्श सम्पर्क सम्बन्धि से निम्नलिखित विवर लिया गया—

१. परियोजना प्रस्तावक ऐति उदान क्षेत्र में आगामी १.५ वर्ष में विस्तृत गाद उत्तरायन (Infiltration Study) करायेगा, जिसके ऐति तो पुनर्जरण (Regeneration) वाले जहाँ आकड़े, ऐति उत्तरानन का नदी, नदीसाल, उत्तरानीय वनस्पति, जीव एवं वृक्ष जीवों पर प्रभाव लगा नदी की यानी की गुणवत्ता पर ऐति उत्तरानन की प्रभाव की जहाँ वानकाली द्वारा हो सके।
२. जीव जीव की सातह का वैसालाई जाता—
 १. ऐति उत्तरानन द्वारा करने के पूर्व उपरोक्तानुसार निर्वासित शिल्प विन्दुओं पर नदी में ऐति की सातह के स्तरों (Levels) का सौं कर, उसके आकड़े उत्तराल एवं आई-एप्, उत्तीर्णाल को प्रस्तुत किये जाएं।
 २. पीटर-गानसून (अक्टोबर/नवम्बर महा में ऐति उत्तरानन द्वारा करने के पूर्व) इन्हीं शिल्प विन्दुओं में नाईनिय लीज जीव तथा लीज जीव के अपार्टीम एवं द्वादशाल्टीम में १०० बीटर तक तथा सानन लीज के बाहर / नदी लट (दोनों ओर) से १०० बीटर तक के जीव में नदी सातह के स्तरों (Levels) का सौं पूर्व निर्वासित शिल्प विन्दुओं पर किया जाएगा।
 ३. इन्हीं प्रकार ऐति सानन उपरोक्त गानसून के पूर्व (भई महा के अंतिम सप्ताह/जून के प्रथम लाप्ताह) इन्हीं शिल्प विन्दुओं पर ऐति सातह के लेवल्स (Levels) का मापन किया जाएगा।
 ४. ऐति सातह के पूर्व निर्वासित शिल्प विन्दुओं पर ऐति सातह के लेवल्स (Levels) के मापन का कार्य आगामी ८ वर्ष तथा निरंतर किया जाएगा। पी-गानसून के आकड़े अगस्त २०२४, २०२५, २०२६, २०२७, २०२८, २०२९ एवं पीटर-गानसून के आकड़े दिसम्बर २०२४, २०२५, २०२६, २०२७, २०२८, २०२९ तक अनिवार्य काम से एसईआईएप्, उत्तीर्णाल की प्रस्तुत किए जायेंगे।
३. उत्तरायि द्वारा विभाव विमर्श सम्पर्क सम्बन्धि से वैसाली मिगाडल-२ सेप्टेम्बर कारी (सिविय/सरपंच, साम विवाद सम्बन्धी) की प्राम-मिगाडल, तड़सील-मिगाडल, मिला-कीजापुर, पाटर जीवक जगता जन्मांक ३६, जून लीज जीवकल-३४ हेक्टेयर के कुल ८० ड्रिटियाल जीवकल ने ही ऐति उत्तरानन उत्तिकल, १. बीटर की गहराई तक जीवित रखते हुए, कुल २०,४०० घनमीटर ड्रिटियर ऐति उत्तरानन ऐति पर्यावरणीय स्थिरता, उनन पट्टे के निवादन की तारीख से यांत्र वर्ष तक की अख्यि हेतु दिये जाने की अनुशंसा की गई। ऐति की खुदाई अग्रिमी द्वारा

(Manusatty) की जाएगी। प्रियंक बेद (Priyank Bed) में चारी कहनी का प्रबोच प्रतिवर्धित रहेगा। लीज थोर में स्थित रेत खुदाई घट्टों (Excavation pits) से लोडिंग वाईट तक रेत का परिवहन ट्रॉलर ट्रॉली हात किया जाएगा।

4. सास्टेनेबल सेप्ट गाईनिंग मिनिंगमेंट गाईडलाइन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016) एवं ईन्फोर्मेंट एण्ड मॉनिटरिंग गाईडलाइन्स पर्स गेप्ट गाईनिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कार्याई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
5. नदी टट पर किये जाने वाले युक्तारोपण हेतु प्राम पंचायत के सामनी उपरान्त यथायोग्य स्थान (वासना क्षमता एवं क्षेत्रफल सहित) की संख्या में जानकारी को एसईआईएए उत्तीर्णगढ़ में आवायक संघ से प्रस्तुत करने की जाती है।
6. एसईआईएए की विकास ट्रूटि के संघ में जानकारी को एसईआईएए उत्तीर्णगढ़ में आवायक संघ से प्रस्तुत करने की जाती है। अधीन पर्यावरणीय स्वीकृति की साती अनुसंधा की जाती है।

प्राविकरण हारा बैठक में निचार – उपरोक्त प्रकार पर प्राविकरण की दिनांक 27 / 09 / 2024 को संघन्न 185वीं बैठक में निचार किया गया। प्राविकरण हारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्राविकरण हारा नोट किया गया कि परियोजना प्रस्तावका हारा दिनांक 23 / 09 / 2024 को गावाय से जाया गया कि नीडीआर के तहत रासायनिक प्राप्यमिक शाला, निवायल में युक्तारोपण किये जाने पर स्कूल के छात्रों के खेलने की जगह ने कानी होता संभवित है। राष्ट्र ही उक्त स्कूल एवं स्कूल के समीप पूर्व से ही युत लाने हुए हैं। अतः परियोजना प्रस्तावका हारा नीडीआर के तहत रासायनिक प्राप्यमिक शाला, निवायल में युक्तारोपण के अलावा अन्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
4	2%	0.80	Following activities at Nearby Government Primary School, Mingachal	
			Potable Drinking Water Facility with 5 year AMC	0.45
			Running Water Facility for Toilet along with their maintenance	0.33
			Environment related educational books	0.28
			Book Shelf (Almirah)	0.12
			Total	1.18

समरोक्त सीईआर के प्रस्ताव को प्राधिकरण द्वारा मान्य करते हुये निम्न उपर्युक्त संकेताभ्यांसि से निम्नानुसार निर्णय लिया गया:-

1. समिति की छनुकाता को संविकार करते हुये आदेश - मैसारी मिंगचाल-३ सेष्ट बधानी (नाथिया/सास्पेच, डान बंद्यापन बद्धामती) को निम्नानुसार अंतिरिक्त जारी की अवैध पर्यावरणीय सीईआर से जारी करने का निर्णय लिया गया-
 - i. लौज द्वीप के नदी के ठट पर जानकीय भूमि में किये जाने वाले खुआरीपान का संख्यापन या न विभाग के संबंध अधिकारी अथवा वह विभाग द्वारा दृष्टारोपण के संख्यापन हेतु अधिकृत संस्थानी (पर्क इटी) दो अनुमोदन करकर अधिवासिक रिपोर्ट में सामाजिक करते हुये एसईआरए, छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।
 - ii. एसईआर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रस्तावित पर्यावरणीय सीईआर सत्र जनाक २५ की स्थान पर निम्न संशोधन किया गया है-

सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर जारी पर्यावरण प्रबलन द्वारा जारी की अंतर्गत किया जाए:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
4	2%	0.08	Following activities at Nearby Government Primary School, Mingachal	
			Potable Drinking Water Facility with 5 year AMC	0.45
			Running Water Facility for Toilet along with their maintenance	0.33
			Environment related educational books	0.28
			Book Shelf (Almina)	0.12
			Total	1.18

- iii. एसईआर, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रस्तावित पर्यावरणीय सीईआर सत्र जनाक २५ की विस्तृपित करते हुये निम्न संशोधन किया गया-
“सीईआर को अंतर्गत जानकीय जमूल में किये जाने वाले बहर के संख्यापन हेतु जियोटेंग फोटोडायन कालित अधिवासिक रिपोर्ट में सामाजिक करते हुये एसईआरए, छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।”
- iv. स्थानिक जाति परिवहन कक्षते यात्रा से किया जाए, ताकि स्थानिक यात्रा से बाहर नहीं गिरे। स्थानिक का परिवहन करने वालों ने जाता ही अधिक नहीं भवा जाना सुनिश्चित किया जाए।

- v. श्रीडॉअर कर्तवी एवं नदी तट में कृषीजीवन रमर्य को बॉमिटरिंग एवं चर्कोलम से हैतु वि—पर्याय समिति (ओपलईटर/प्रतिभिति) द्वारा जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यायज्ञन संस्थान मण्डल के प्रधानिकारी/प्रतिभिति) द्वारा जिला जारी। साथ ही श्रीडॉअर एवं नदी तट में कृषीजीवन का कार्य पूर्ण किये जाने को उत्तरांत गठित वि—पर्याय समिति से सत्यापित कराया जाए।
- समिति द्वारा निर्दिष्ट नदी के अंतर्गत निहित किये गये नदी का पालन सुनिश्चित किया जाए। पालन नहीं किये जाये वै नियमि में विविध कार्यकारी की जाएगी।
2. नदी तट एवं किये जाने वाले कृषीजीवन हैतु ग्राम पंचायत की सहभागी प्रस्तावक एवं ग्राम (खानका इम बोर्डल समिति) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किये जाने को सप्ताह परियोजना प्रस्तावक को सशात् पर्यावरणीय सीमांति पात्र जारी किया जाए।
 3. एलओआर की देखता वुडि के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किये जाने को सप्ताह परियोजना प्रस्तावक को सशात् पर्यावरणीय सीमांति पात्र जारी किया जाए। परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सुनित किया जाए।
10. गेलही घरमजियगढ़ सोलह माईन (प्रो— श्री अकिन खानाल), चाम—घरमजियगढ़, राहगील—घरमजियगढ़, जिला—सारगढ़ (समिक्षालय का नमी क्रमांक 2027)
- ऑनलाईन आवेदन — द्रापोजल नम्बर — एमआईए/ सीजी/ एमआईए/ 250026 / 2022, दिनांक 18/05/2022 द्वारा पर्यावरणीय सीमांति हैतु आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कागियाँ होने से ज्ञान दिनांक 25/05/2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हैतु निर्दिष्ट किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा वाठित जानकारी दिनांक 11/07/2022 को श्रीगताईन प्रस्तुत की गई।
- प्रस्ताव का विवरण — यह प्रस्तावित रेत खादन (ग्रीन चॉमिज) है। यह खादन ग्राम—घरमजियगढ़, राहगील—घरमजियगढ़, जिला—सारगढ़ जिला सारगढ़ इमारिक 1277 / 1, कुल बोर्डल—4.96 हेक्टेगर में प्रस्तावित है। उत्तरांत मांड नदी से किया जाना प्रस्तावित है। खादन वी आवेदित रेत उत्तरांत मांड — 90.930 चनमीटर प्रतिवर्ष है।
- तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञान दिनांक 09/11/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हैतु सुनित किया गया।
- वैठकी का विवरण —
- (अ) समिति की 432वीं बैठक दिनांक 18/11/2022
- प्रस्तुतीकरण हैतु बोर्ड वी प्रतिभिति उपसंस्था नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक को पर दिनांक 18/11/2022 द्वारा सुधना दी गयी है कि अवधिकारी कारणों से अज्ञ बैठक में प्रस्तुतीकरण किया जाना बाध्य नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हैतु अनुशेष किया गया है।
- समिति द्वारा सत्तान्य सर्वेक्षणीय से निर्णय लिया गया वा कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही गई वाठित जानकारी एवं समस्त सुविधात जानकारी / दस्तावेज़ वाठित प्रस्तुतीकरण किये जाने हैतु निर्दिष्ट किया जाए।

तात्पुत्रार परिवेशन का प्रस्तावक जो एसईए नीं अलौसगढ़ के नाम से दिनांक 09/01/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(५) समिति की 447वीं बैठक दिनांक 13/01/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी लॉकिट अधिकार, ओपरेटर्स उपलब्ध है। समिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अक्षमीकरण एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठाएँ पाई गईं—

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—इस खदान की पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।
- नगर पंचायत का अनापरित प्रभाग पर — ऐसे सत्सनन के संबंध में नगर पंचायत इसके प्रभाग का दिनांक 21/01/2021 का अनापरित प्रभाग पर प्रस्तुत किया गया है।
- विनाकित/सीमांकित — कार्यालय कलेक्टर (खानि जाला) की प्राप्त प्रभाग पर अनुसार यह खदान विनाकित/सीमांकित कर दी गयी है।
- सत्सनन योजना — कारी प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खानि अधिकारी, जिला-सायगढ़ के ज्ञापन अमांक 265/खालि-3/रेत/2022 सायगढ़, दिनांक 01/02/2022 द्वारा अनुमोदित है।
- 500 फीटर की परिमि में विषय खदान — कार्यालय कलेक्टर (खानि जाला), जिला-सायगढ़ के ज्ञापन अमांक 269/खालि-3/रेत/2022 सायगढ़, दिनांक 01/02/2022 के अनुसार आवेदित खदान से 500 फीटर के भीतर अवैधत अन्य ऐसे खदानों की संख्या निम्नक है।
- 200 फीटर की परिमि में विषय सार्वजनिक शौच/वार्षिकाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खानि जाला), जिला-सायगढ़ के ज्ञापन अमांक 267/खालि-3/रेत/2022 सायगढ़, दिनांक 01/02/2022 द्वारा जारी प्रभाग पर अनुसार उक्त खदान के 200 फीटर की परिमि में कोई भी सार्वजनिक शौच शैली सार्वजनिक राजमार्ग, सार्वजनिक गृह, बांध, कक्ष, अस्पताल, मंदिर, नसिजर, गुलझारा, मरुघट एवं इनीकट आदि प्रतिवर्षित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
- एलओआई का विवरण — एलओआई भी लॉकिट अधिकार के नाम पर है, जो कार्यालय कलेक्टर (खानिज जाला), जिला-सायगढ़ के ज्ञापन अमांक 22/खालि-3/रेत नीलामी/2021 सायगढ़, दिनांक 04/01/2022 द्वारा जारी की गई, जिसकी अवधि 6 वर्ष है तथा किया गया है। एलओआई की विवाह गुण संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- बन डिक्ट वार्ते रिपोर्ट — वर्ते 2019 की डिस्ट्रीक्ट वार्ते रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
- महत्वपूर्ण कार्यगारों की दूरी — निकटसम्म आवादी ग्राम-धरमजयगढ़ 500 फीटर, कक्षुल ग्राम-धरमजयगढ़ 1 किमी, एवं अस्पताल धरमजयगढ़ 1.4 किमी की दूरी पर स्थित है। सार्वजनिक राजमार्ग 50 किमी, एवं सार्वजनिक 750 फीटर दूर है। स्थीकृत ऐसे खदान के 1 किमी की दूरी तक एनीकट/पुल निर्मित नहीं है।

11. पारिसंरक्षणीय/जीवविविधता की दृष्टिकोण से शेत्र - परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी की विभिन्नता में अतिरुचियाँ जीव विविधता, जातीय समाज, अन्यायपूर्ण उद्योग नियंत्रण शेषी द्वारा प्रभावित जिल्हियों पौराणिक संरियों की दृष्टि में होना प्रतिक्रियित किया है।
12. स्थल स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई एवं खदान की नदी तट से दूरी - आवेदन अनुसार स्थल स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई - अधिकातम 182 मीटर, न्यूनतम 75 मीटर तथा स्थल स्थल की चौड़ाई 425 मीटर एवं स्थल स्थल की चौड़ाई - अधिकातम 199 मीटर, न्यूनतम 66 मीटर दरवाई नहीं है। खदान की नदी तट के किनारे से दूरी अधिकातम 10 मीटर, न्यूनतम 10 मीटर है, जबकि नदी के पाट की चौड़ाई का 10 प्रतिशत होना चाहिए।
13. खदान स्थल पर रेत की गहराई - आवेदन अनुसार स्थल पर रेत की गहराई 3 मीटर तथा रेत स्थल की प्रस्तावित गहराई 2 मीटर दरवाई नहीं है। अनुसूचित नाईंविंग प्लान अनुसार खदान में नाईंवेल स्थल रेत की भाओं 90,930 घनमीटर है। रेत स्थल स्थल हेतु प्रस्तावित स्थल पर बोर्डमैन में उपलब्ध रेत सतह की गोटाई जानने के लिए प्रस्तावित स्थल पर 5 गढ़े (मूल्य) खोदकर वस्तुकी वास्तविक गहराई का जापन करने वाले दिया गया प्रस्तावित जानकारी प्रस्तुत की गई है। इसके अनुसार रेत की उपलब्ध औसत गहराई 3 मीटर है। रेत की वास्तविक गहराई हेतु पंचनामा प्रस्तुत किया गया है।
14. खदान शेत्र में रेत सतह के लेवल्स - रेत परखनन हेतु प्रस्तावित स्थल एवं प्रस्तावित स्थल के बारे तक 25 मीटर गुणा 25 मीटर के लिए विन्दुओं पर दिनांक 08/03/2023 को रेत सतह के बोर्डमैन लेवल्स (Levels) लेकर, उन्हें समिति दिया गया प्रस्तावित उपरांत फौटोग्राफर सहित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाये हैं।
15. गैर बाईंग शेत्र - नदी के पाट की चौड़ाई अधिकातम 182 मीटर, न्यूनतम 75 मीटर है, जबकि खदान की नदी तट के किनारे से दूरी अधिकातम 10 मीटर, न्यूनतम 10 मीटर है। यह दिया नियंत्रण के अनुसार नदी तट से न्यूनतम 75 मीटर अवश्य नदी के पाट की चौड़ाई का 10 प्रतिशत दूरी (जो भी अधिक हो) को शेत्र में स्थल नदी किया जा सकता। बाईंग प्लान के अनुसार नदी तट के किनारे से स्थल शेत्र की दूरी नदी के पाट की चौड़ाई का 10 प्रतिशत औद्योगिक उत्पादन किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें 4,435 वर्गमीटर शेत्र को गैर बाईंग शेत्र बता गया है। अतः रेत स्थल स्थल का कार्य खदान के अन्तर्गत 4.5465 हेक्टेयर शेत्र में किया जाना प्रस्तावित है।
16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा शीईआर (Corporate Environmental Responsibility) के तहत सुधारोचना किये जाने हेतु 3 वर्षीय को लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में समिति का मत है कि प्राप्त पर्यावरण के सहमति उपरांत योग्यताएँ स्थल (स्थानान्तर विवरण सहित) में सुधारोचना हेतु वीको, चैम्पिंग, लाइट एवं सिलाई तथा रुक-रखाव के लिए 5 वर्षीय का शटक्रांत व्यव जा विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव बहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
17. समिति का नत है कि नदी के पाट में सुधारोचना किये जाने की दृष्टि में बाढ़ की शीता (Flooding Level) को ध्यान में रखते हुये नदी के किनारे, घटुण मार्ग के दौनी और या यथायोग्य स्थान (स्थानान्तर विवरण सहित) में सुधारोचना हेतु पीछों

पॉलिंग, खाद्य एवं सिंचाई तथा रसो-रसायन के लिए 5 वर्षी का घटकात्मक व्यव का विवरण दिनानुसार प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना चाहताहै।

समिति द्वारा उत्पाद्य संबंधित से मिन्नानुसार निर्णय दिया जाता था—

1. एलओआई, जी नेटवर्क गृहि संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
2. नदी के पाट में बूजारोपण किये जाने की दाता में बाढ़ की सीमा (lood level) को ध्यान में रखते हुये नदी के किनारे, पहुंच मार्ग के दोनों ओर या यथायोग्य स्थान (सासारायार विवरण सहित) में बूजारोपण हेतु यीको पॉलिंग, खाद्य एवं सिंचाई तथा रसो-रसायन के लिए 5 वर्षी का घटकात्मक व्यव का विवरण दिनानुसार प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
3. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत सहभागी प्राप्त यथायोग्य स्थान (सासारायार विवरण सहित) में बूजारोपण हेतु पीड़ा, पॉलिंग, खाद्य एवं सिंचाई तथा रसो-रसायन के लिए 5 वर्षी का घटकात्मक एवं सामरकार व्यव का विवरण दिनानुसार प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
4. नदी तट एवं चारों मार्ग के दोनों तरफ में साधन बूजारोपण किये जाने पर सीपिए यीको का सार्वाईपल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला गाफा एवं (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
5. अमरीकाना आदानी पुनर्जीवन नीति के तहत स्थानीय स्त्रीयों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
6. परियोजना प्रवालयक द्वारा अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके विकल्प भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भौजात्य की अनिसूचना करता, 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उत्पादन का प्रकरण लकिता नहीं है।
7. परियोजना प्रवालयक द्वारा अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके विकल्प भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भौजात्य की अनिसूचना करता, 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उत्पादन का प्रकरण लकिता नहीं है।

उपरोक्त वाइक्स जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।

तदानुसार एसईएसी, छलठाणाड के हापन दिनांक 27/03/2023 के परिणेत्र में परियोजना प्रवालयक द्वारा दिनांक 02/04/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(३) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

समिति द्वारा नदी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्पत्ति पत्र गई—

1. एलओआई, जी नेटवर्क गृहि वाक्त यद्यकालय संचालक भौगोलिकी तथा खणिकर्म नदा रायपुर अटल नगर के पुनरीक्षण प्रकरण इनांक 13/2023 द्वारा जारी पारित आदेत दिनांक 22/12/2023 की छति प्रस्तुत थी गई है, जिसके अनुसार “उपरोक्त विवेचन को आदान पर पुनरीक्षण प्रकरण कीकार करती हुये, छलठाणाड गौण खणिक साधारण रेत (उत्तरानन एवं अवस्था) नियम, 2019 के लियम 7(4) परंतुक के तहत उक्त प्रकरण में पर्यावरण वरीकृति प्राप्त करने पर सत्त्वानन पद्धता सीकृति की कार्यवाही सूने करने हेतु अतिरिक्त समयावधि प्रदान करते हुए

प्रकाश रसेटर, जिला रायगढ़ की प्रत्याखित किया जाता है। होना चाहा गया है।

2. नदी के पाट में बूजारोपण किये जाने की दस्ता वे बाढ़ की भीग (Flood wave) की स्थान में रखी हुये नदी के डिनारे, घटुच गांव के दोनों छोर (दोनों जामन, कर्णज, अनुश एवं जाम झाड़ि) के बूजारोपण (30 प्रतिशत जी जीवन दर से) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुमति 400 नग लोधों के लिए राशि 45,000 रुपये, फैसिंग के लिए राशि 5,36,220 रुपये, खाद के लिए राशि 6,000 रुपये, सिंचाई तथा रस्ते-रस्ताव आदि के लिए राशि 72,000 रुपये, इस प्रकार प्रधान गर्म में कुल राशि 6,58,220 रुपये जाम आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 3,30,000 रुपये हेतु पटकवार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
4. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु मिलानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
40	2%	0.80	Following activities at, Village- Dharamjalgam	
			Plantation	4.91
			Total	4.91

5. सीईआर के अंतर्गत प्राप्त धरणजयगढ़ के सासकीय भूमि में (जाम, गटाहल एवं जामन) 400 नग बूजारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुमति दीयों के लिए राशि 33,780 रुपये, फैसिंग के लिए राशि 76,320 रुपये, खाद के लिए राशि 4,500 रुपये, सिंचाई तथा रस्ते-रस्ताव आदि के लिए राशि 88,000 रुपये इस प्रकार प्रधान गर्म में कुल राशि 1,63,570 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 3,07,500 रुपये हेतु पटकवार व्यव जा किया प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा सुनम धनायत धरणजयगढ़ के साहमति सुपरियोग्य भवान (संसद ग्रन्थालय 1090/1/3/1, लोअरकल 21505 हैडिंगर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।
3. नदी टट एवं पहुंच गर्म के दोनों तरफ में स्थान बूजारोपण किये जाने एवं रोपित दीयों का सारणाइकल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत त्रुनिशित किये जाने वाला लाभ यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
4. एकत्रीसागढ़ जायर्स पुर्वीना नीति के तहत स्थानीय लोकों को रोपागार दिये जाने हेतु लाभ यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लाभ यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाया है कि उनके विकास इस परियोजना/सहायता से संभिल कोई न्यूनतात्त्वीय प्रक्रमण देख के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लाभ यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विकास भवति सारकार, यज्ञ और जलगाम परिवर्तन नियंत्रण जी अधिकारियों काला 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।

7. परियोजना द्वारा उत्तराधीन के निर्देशन हेतु नियमित जल फिल्टर किये जाने वाले साप्तर्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. माननीय सूचीम बोर्ड द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किये जाने वाले साप्तर्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. माननीय सूचीम बोर्ड द्वारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) C.W.I. No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का पालन किये जाने वाले साप्तर्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवश्यक साप्तर्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि खदान में लगा रहने के दौरान सामर्टेनेक्सल रोड बाहुनिन गाइडलाइन 2016 एवं इन्वेस्टिमेंट एन्ड ऑपरेटिंग गाइडलाइन्स फौर बीच 2020 के प्राकारणी का पालन किया जाएगा।
11. सीईआर के तहत निर्धारित कार्यों को पूर्ण करने के साथसाथ संबंधित ज्ञान प्राप्तीयात से कार्य पूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर लियोरेट (Geotag) कोटीशापत्र सहित अवैधार्थिक रिपोर्ट में समाहित करने हुये प्रस्तुत किये जाने वाले साप्तर्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. समिति का मत है कि लीज क्षेत्र के भीतर ऐर बाहुनिन क्षेत्र में भीभा जलमय लगाना आवश्यक है। लीज क्षेत्र के इसी क्षेत्री सभा लाइन की मात्र में सीमेट के जामने गड़ाना आवश्यक है ताकि लीज क्षेत्र नदी में रेट ट्रूटिंगोवर हो सके।
13. सीईआर कार्य एवं नदी रेट में युक्तारोपण कार्य के ऑपरेटिंग एवं पर्यावरण हेतु क्रि-पक्षीय समिति (प्रोप्राइटर/प्रतिवेदिय, यात्रा वंचायत की पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन वा उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन बोर्ड की पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं नदी रेट में युक्तारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के सुधारात् गठित क्रि-पक्षीय समिति से सहयोगिता करना आवश्यक है।
14. ऐसे उत्तराधीन मैन्युफ्ल लियो से एवं भरती का कार्य लोहर गुआ केराया जाना प्रस्तुतित है। समिति का मत है कि लोहर दीसे देश भारी बाहन की ओरी की है। अतः भरती का कार्य मैन्युफ्ल लियो से ही कराई जावे। भारी बाहनों के नदी में प्रवृत्त की अनुमति नहीं होनी।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 2 औटर की गहराई तक उत्तराधीन की अनुमति नामी है। ऊन्यौदित उत्तराधीन लोजन में उत्तराधीन लिए जाने वाले क्षेत्र की वार्षिक रेत पुनर्भरण राशियों अवधारण कार्य एवं उत्तराधीन ग्रामियों का सम्बोधन नहीं किया गया है। याहू नदी छोटी नदी है तथा इसमें वाटीकाल में सामान्यतः 1 औटर बहाराई से अधिक रेत का पुनर्भरण होने वाला संभव नहीं।

समिति द्वारा विचार विनाश संकरात् सार्वाधारणि से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. परियोजना प्रस्तावक रेत खदान क्षेत्र में आगामी 1.5 वर्ष में विस्तृत गाँद अध्ययन (Siltation Study) करायेगा। ताकि रेत के पुनर्भरण (Replenishment) वाले सभी अविद्यु रेत उत्तराधीन का नदी भवितव्य, सर्वाधारणि वर्षावधि, जीव एवं सूक्ष्म जीवों पर प्रभाव तथा नदी के पानी की गुणवत्ता पर रेत उत्तराधीन की प्रभाव की जाही जानकारी प्राप्त हो सके।

२. लीज होर की सतह का बेसलाईन जाता -

- i. ऐसे उत्थानन प्राप्त करने के पूर्व उपरीकालानुसार नियंत्रित शिख विन्दुओं पर नदी में ऐसे की सतह के स्तरों (Levels) का सबै कर उसके आकृति तकनीक एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ की प्रस्तुत किये जाते।
 - ii. पोर्ट-मानसून (आवटर/नदीधर यहाँ में ऐसे उत्थानन ज्ञात करने के पूर्व) इन्हीं शिख विन्दुओं में माईमिंग लीज होर तथा लीज होर के अपस्ट्रीन एवं डाउनस्ट्रीन में 100 मीटर तक तथा ताजनन लीज की बाहर / नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक की क्षेत्र में नदी सतह के स्तरों (Levels) का सबै पूर्व नियंत्रित शिख विन्दुओं पर किया जाएगा।
 - iii. इसी प्रकार ऐसे ताजनन सम्पर्क मानसून के पूर्व (मई माह के अंतिम सप्ताह/जून के प्रथम सप्ताह) इन्हीं शिख विन्दुओं पर ऐसे सतह के लेवल्स (Levels) का मापन किया जाएगा।
 - iv. ऐसे सतह के पूर्व नियंत्रित शिख विन्दुओं पर ऐसे सतह के लेवल्स (Levels) का मापन का कार्य आगामी ८ वर्ष तक नियंत्रण किया जाएगा। प्री-मानसून के आकृति अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पोर्ट-मानसून के आकृति दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अग्रिमरूप से एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ की प्रस्तुत शिए जाएंगे।
३. नमिति द्वारा विचार विभागी संपर्क संरचनाओं से मेहरी अवश्यकतागत सीख मार्फत (प्री- और अधिकतम अपराध) को द्वारा-दरमज्जगद, डिस्ट्रीक्शन-दरमज्जगद, जिला-दायगद, ज़िलाया ज़िलाया १२७७/१, कुल लीज होरफल-५०० हेक्टेयर के कल ८० इकाइयों होरफल में ही ऐसे उत्थानन अधिकातम १ मीटर की व्यासाई तक शीघ्रता रखती हुए, कुल २९,९४० घनमीटर द्वितीय ऐसे सल्खानन हेतु पर्यावरणीय नदीजूली, ताजनन पट्टी के नियादन की सारीयत से धोय दी जाकी अवधि हेतु दिये जाने वाली अनुसंधान की गई। ऐसे की द्वुदाई नमिति द्वारा (Manusality) की जाएगी। रिवर बेड (River Bed) में पारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। लीज होर में विद्युत ऐसे द्वुदाई गड्ढे (Excavation pits) से लोडिंग चाईट तक ऐसे का वरिष्ठन ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
४. सास्टेनेबल संग्रह माईमिंग मैनेजमेंट गाईडलाईन्स, २०१६ (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं इन्फोर्मेंट एवं नोटिफिकेशन गाईडलाईन्स फौर दीप्त मार्फत नामिति, २०२० (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कहाँसे से पालन नुभितित किया जाए।
 ५. नदी तट पर किसी जाने वाले कृषिरोपण हेतु दाढ़ पंचायत की सहायति संपर्क संघायोग स्थान (द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा सहित) को जांचें तैयारी की एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ में जागरूकता की रूप से प्रस्तुत करने की जाती की अधीन पर्यावरणीय नदीजूली की सारी अनुसंधान की जाती है।

प्राधिकरण द्वारा वैष्णव वे विचार — उपरीका प्रकारप्र पर प्राधिकरण की दिनांक २७/०९/२०२४ की संपर्क १८१ीं वैष्णव में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती २८वलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार विभागी संपर्क संरचनाओं से विभानुसार निर्णय लिया गया—

१. नमिति की अनुसंधान की स्थीकात करती हुये आवेदक — मेहरी अवश्यकतागत सीख मार्फत (प्री- और अधिकतम अपराध) की निभानुसार अलिंगित जाती के अधीन पर्यावरणीय कृषिकृति जारी करने का निर्णय लिया गया—

- i. सीईआर के तहत एवं नदी के तट पर सासकीय भूमि में किये जाने वाले कृषाणीपथ का सत्यापन दन विभाग के सहम अधिकारी अथवा उन विभाग द्वारा कृषाणीपथ का सत्यापन हेतु अधिकृत संस्थाओं (दर्दी पाटी) से अनुग्रहन करावन अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईएए, उत्तीर्णगढ़ को प्रेषित किया जाए।
 - ii. सीईआर के अंतर्गत सासकीय राशुल में चारों ओर किये जाने वाले कृषाणीपथ कार्य के सत्यापन हेतु विकोट्टग फोटोड्राफस सहित अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसईआईएए, उत्तीर्णगढ़ को प्रेषित किया जाए।
 - iii. खनिज का परिवहन चलाकू वाहन से किया जाए, ताकि खनिज वाहन से बाहर नहीं निरे। खनिज का परिवहन कर रहे वाहनों को जगता से अग्रिम नहीं चल जाना चुनिविधत किया जाए।
 - iv. सीईआर कार्य एवं नदी तट में कृषाणीपथ कार्य के बीनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण हेतु वि-पक्षीय समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि, द्वारा पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण विभाग के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं नदी तट में कृषाणीपथ का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरोक्त विभिन्न वि-पक्षीय समिति से सत्यापित कराया जाए।
- समिति द्वारा निर्धारित जर्ती के अंतर्गत निहित किये गये शर्तों का पालन चुनिविधत किया जाए। यात्रा नहीं किये जाने की स्थिति में विधिवत् जारीबाही की जाएगी।
2. नदी तट पर किये जाने वाले कृषाणीपथ हेतु द्वारा पंचायत के भागमति वापरात पर्यावरण स्थान (खासगत एवं क्षेत्रफल सहित) के संबंध में जागरूकी प्रस्तुत किये जाने के उपरोक्त परिवोजना प्रस्तावक की सहत पर्यावरणीय स्थीकृति बत जाई किया जाए।
- परिवोजना प्रस्तावक को सदानुसार सूचित किया जाए।

11. गैरकी मनवा विभाग कर्ता ज्ञानी नाईन (प्रो.— श्री हीमदंद भारव), ग्राम—मनवा, गहसील—गल्लुरी, जिला—विलाशपुर (विभिन्नात्मक का नमस्ती छन्मात्र 2677)
- मात्रा नामकार के पार्श्ववर्त, बन एवं जलवायु संभासय, नहुं दिल्ली द्वारा अधिक्षम ऐक्सीरेप्टम दिनांक 28/04/2023 ज्ञानी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न प्राकृतम है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAs shall be reappraised through SEAC/SEIAAs in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त अंकित मेंशीरपट्टन की तहत जीवीजनों प्रस्तावक द्वारा किला यतीय चर्किला समाप्ति नियोग प्रक्रिया क्रम से जारी यतीय चर्किला समाप्ति के पुनः अनुसंधा (re-appraisal) हेतु एसडॉएसी, छलीसाहड के सभ्य अनिलाईन आवेदन किया गया है।

विषय वस्तु	जीवीरित प्रक्रम से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नीट किया गया कि
अनिलाईन आवेदन	ई.सी. - 445818 एवं 24 / 09 / 2023 ई.सी.एस. जारी दिनांक - 05 / 10 / 2023 जानकारी प्राप्ति दिनांक - 27 / 10 / 2023	
खाद्यन का प्रकार	ग्रिटी (गोल खनिया) खाद्यन	संचालित
लोअरफल एवं कामता	1.599 हेक्टेयर एवं 2,664 घनमीटर प्रतिवर्ष	
खाद्यन क्रमांक	736 / 1, 736 / 2 एवं 781	
चू-स्थानित	निची भूमि खासरा इनांक 736 / 1 - श्री छोटेलाल, श्री धीखुम, श्री धीलम, श्री शेखनासायण, सुखी गिरजाबाई, सुखी लालिकी बाई, सुखी तिरियाबाई एवं सुखी हीरमती खासरा इनांक 736 / 3 - श्री छोटेलाल, श्री धीखुम, श्री धीलम, श्री शेखनासायण एवं सुखी सरोजबाई खासरा इनांक 781 - श्री गोकेलाल	सहनीति पत्र प्राप्त
ई.सी. का विवरण	503वीं वैठक दिनांक 20 / 12 / 2023	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 15 / 12 / 2023
प्रस्तुतीकरण केरु उत्पादित प्रतिविति		श्री हेमदद भारद, प्रैवर्कर प्रतिविति हुये। श्री इंद्राईश, गिल-बिलासपुर यतीय चर्किला समाप्ति की योग्यता दिनांक 27 / 02 / 2042 तक है।
पूर्व में जारी ई.सी. का पालन प्रतिवेदन	खाद्यन का प्रकार - ग्रिटी खाद्यन इनांक - 736 / 1, 736 / 2 एवं 781 लोअरफल - 1.599 हेक्टेयर कामता - 2,664 घनमीटर/वर्ष दिनांक - 03 / 03 / 2017	प्रतिवित जातानुसार वृक्षांकण - 200 नम
पूर्व में जारी ई.सी. का पालन प्रतिवेदन	स्व-प्रभागित - ही	प्रतिवित जातानुसार वृक्षांकण - 200 नम
विषय वस्तु में किये गये उल्लंघन	दिनांक - 22 / 06 / 2023 वर्ष 2018-19 में 1,200 घनमीटर वर्ष 2019-20 में 1,150 घनमीटर वर्ष 2020-21 में 980 घनमीटर वर्ष 2021-22 में 800 घनमीटर वर्ष 2022-23 में 620 घनमीटर	
जान पंचायत एन.को.सी.	जान पंचायत कमान दिनांक 12 / 12 / 2023	जारी पंचायत अनुमोदन पत्र जाकड़ क्रमांक एवं दिनांक नहीं प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
उल्लंघन योजना अनुमोदन		अन्य अवैधित खाद्यन - निरेक प्रतिविति के नहीं नहीं।
200 ग्रील	दिनांक 22 / 06 / 2023	
300 ग्रील	दिनांक 22 / 06 / 2023	

		सिवाय नंदी - 150 मीटर
लौज कीव	लौज कारक - श्री हेमचंद गांगड़ जन्मति-28/02/2012 से 27/02/2042	
बन लिमांग एन.ओ.सी.	दमनकल्पातिकाली, बिलासपुर दमनकल्प बिलासपुर द्वारा प्राप्ति दिनांक 10/10/2023	बन क्षेत्र से दूरी - 11.37 किमी
महात्मगुण संरक्षणकी की दूरी	आदाई प्राप्त - मनका 300 मीटर कम्पुल प्राप्त - मनका 500 मीटर अस्त्राल - बहीदारापार 1.6 किमी दाढ़ीय राजमार्ग - 12.55 किमी राजमार्ग - 16.20 किमी	सिवाय नंदी - 150 मीटर लालाब - 300 मीटर महार - 1.6 किमी माला - 1.75 किमी रिवायर - 3.6 किमी
पारिसेवातिकीय/ जीवविजिता संयोगशील कीव	6 किमी की परियि में अंतर्राजीय सीमा, दाढ़ीय राजमार्ग, अगारारम्ब, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण थोर द्वारा प्राप्ति तिटिकती पील्युट्रिड परिया, पारिसेवातिकीय संयोगशील कीव या प्राप्ति जीवविजिता को ज नियम नहीं है।	
खनन संपदा एवं खनन या विवरण	खनन विधि - औपन कामट ग्रन्तकल पूर्व में रिवर्जन प्रियोलीजिकल 27,848 घनमीटर नाईनेचल 25,938 घनमीटर रिकाहरेचल 24,641 घनमीटर कर्तव्यान वे रिवर्जन - प्रियोलीजिकल 22,595 घनमीटर नाईनेचल 20,887 घनमीटर रिकाहरेचल 19,843 घनमीटर प्रकल्पित गहराई 2 मीटर देव की छोड़ाई 1 मीटर देव की छोड़ाई 1 मीटर संभालित आयु 10 वर्ष जिल्ही के साथ उपयोग हेतु प्रत्यई ऐसा का प्रतिशत - 25%	पर्यावर प्रस्तावित उत्खनन प्रथम 2,421.6 घनमीटर द्वितीय 2,439.2 घनमीटर तृतीय 2,478.4 घनमीटर चतुर्थ 2,507.2 घनमीटर पंचम 2,522.4 घनमीटर षष्ठम 2,534.4 घनमीटर साप्तम 2,550.0 घनमीटर अष्टम 2,569.0 घनमीटर नवम 2,597.0 घनमीटर दशम 2,664.0 घनमीटर
उत्खनन के लिए प्रतिबंधित कीव	लौज के 1 मीटर दूरी कीमा पट्टी का कोरकल - 555 कर्मचार	उत्खनित - नहीं
लौज कीव के भीतर भव्यता स्थापित	लौज कीव के भीतर भव्यता स्थापित किया जाना प्रकल्पित नहीं है।	
जल आपूर्ति	मावा - 6 घनमीटर स्वीत - पुराजल	सेन्ट्रल चारपांडी बीटर अपौरिणी से प्राप्त।
पूर्णारोपण कार्य	लौज कीव के 1 मीटर के बासी ओर पूर्णारोपण - 279 नग पर्यावर पूर्णारोपण - 200 नग सेव प्रकल्पित पूर्णारोपण - 79 नग	प्रकल्पित कार्य हेतु 6 बर्न की ताकि - 11,12,275 कर्मचार
परियोजना के संबंधित राष्ट्रीय पत्र	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्युजितिव लक्ष उत्सर्जन नियन्त्रण, साधन पूर्णारोपण एवं	परियोजना प्रस्तावक द्वारा निम्न राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking)

	90 घटियात वैधन सत्र सुनिश्चित भूमि संवादियों को निर्धारित सुआवाज सर्व संज्ञान की प्राप्तिकरता सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्य एवं संबंधित सारणी से कार्य पर्याप्त प्रतिवेदन जिओटैक फोटोग्राफ सीईए जानकारी अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करने, उत्तीर्णांक गतिशील युनिवर्स नीति के तहत संगगार उचित नियमों के तहत संगीकरण प्राकृतिक जल संधीयों के संबंध एवं संवर्धन हेतु भूमि संवादियों के भूमि से संबंधित समस्त रितों की खा पत्ताई ऐसे की उद्दिष्ट अप्लाई हेतु दिन सीढ़ का निर्माण आदि आवश्यक गतिशील प्रस्तुत किया गया है।	प्रस्तुत किये गये हैं— 1. हमारे हाथा भासत सरकार के पर्यावरण, या एक जलवायु परिवर्तन बंजालय, नई दिल्ली हाथा दिनांक 28/04/2023 को जारी आफिल कैरोबैग्ज में दिये गये नियमों का बिन्दुवार यातन किया जायेगा। 2. परियोजना प्रस्तावक के विषय हम परियोजना/तादान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लिपित नहीं है। 3. परियोजना प्रस्तावक के विषय भासत जलकर, पर्यावरण, या और पर्यावरण परिवर्तन बंजालय की उपरिलिपन का आ 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई प्रत्यावरण का प्रकरण लिपित नहीं है। 4. भारतीय सुझीम कोर्ट हाथा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause vs. Union of India With Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए दिला नियमों का भी हाथा पालन किया जायेगा। 5. भारतीय सुझीम कोर्ट हाथा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114/2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गए दिला नियमों का पालन किया जाएगा। 6. विद्यमान विनानी किलन की भारत जलकर, पर्यावरण या एवं जलवायु परिवर्तन बंजालय के अधिरूपना दिनांक 22/02/2022 के परिवेत में आवश्यक परिवर्तन कर दिया दीया गया का उपयोग करने हेतु इट निर्माण किया जाएगा।
खण्डी	वी-२	आवेदित संग्रहन का क्षेत्रफल 1,595 हेक्टेयर है।

1. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक हाथा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) की तहत ग्राम-कूकुरीकोर की भासत जन्मांक 713 में विधित सालाह को आकर और इकायोवन किये जाने हेतु प्रस्ताव

प्रस्तुत किया गया है। समिति द्वारा की एक उत्तर में दैखाने पर याचा गया कि उत्तर लालाब की आरों और पूर्व से ही यह अवधिकृत है। इसे सीईआर (Corporate Environment Responsibility) द्वारा उत्तराखण्ड प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्तराखण्ड सार्वजनिक सेवा निम्नलिखित द्वारा निर्भय किया गया था—

1. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) द्वारा उत्तराखण्ड प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
2. आवैदित लालाब की कैवल काले ईट ही टीकार किये जायेंगे। इन काले ईटों को उपयोग सायक परिवर्तन करने (गर्म किया जाकर पक्के ईटों का बनाया) हेतु बहु-बहु, फिल—फिल भट्टी में उपयोग किया जाएगा जब उन भट्टी की पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त है अथवा नहीं? यदि पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त है तो पर्यावरणीय स्थिरता की प्रति प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त खातिर जानकारी/इसायेज द्वारा हीने उपरोक्त आगामी कार्यक्रमों की जाएगी।

तदानुसार एसडीएसी, भरतीयगढ़ के द्वायन दिनांक 28/02/2024 के परिषेष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 03/04/2024 को जानकारी/इसायेज प्रस्तुत किया गया।

(४) समिति की ८३३वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

समिति द्वारा नवीनी प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्पत्ति पाई गई—

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) द्वारा निर्भय किया गया है।

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
12	2%	0.24	Following activities at, Village- Manva	
			Plantation around pond	0.66
			Total	0.66

सीईआर के अन्तर्गत याम गमना विभिन्न लालाब की आरों और (आम, कटहल एवं जामुन) 30 नग कूआंसेयण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव नवीन योगी के लिए राशि 3,000 रुपये, छोटिंग के लिए राशि 6,000 रुपयी, खाद के लिए राशि 2,250 रुपये, जिमाई के लिए राशि 3,600 रुपयी, नख-सखाव के लिए राशि 3,000 रुपयी एवं अन्य अधिक के लिए राशि 5,000 रुपये हस्त प्रकार प्राप्त वर्ष में कुल राशि 22,250 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 33,000 रुपये हेतु घटकवार वाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम वंचायत

मनका के सहमति उपरांत क्षयायोग्य रखान (संख्या क्रमांक 460, छात्रकल 0.405 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

2. काशी जान अनुमोदन पत्र जाकर छात्रक एवं दिनांक सहित प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार काशी जान एलांग विधि काशी बलोजर जान विधि इन्वेस्टिमेंट ऐनेजमेंट जान उप संचालक (एप्रका), जिला-बिलासपुर के ज्ञापन क्रमांक 162/खनि/मिट्टी/एचडी/2016 बिलासपुर, दिनांक 21/04/2016 द्वारा अनुमोदित किया गया है।
3. आवेदित जान के बनावे जाने वाले काले ईट को भी नद बुमार नदुकर पिला स्थ. की गुजराती नदुकर की धान-बुमुदीथोरा, सहसील-मस्तुरी जिला-बिलासपुर ख.ग. के संख्या न 917/2, 917/3, 942, 943, 944, 945, 946, 947/2, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 85/1, 965/2, एवं 966 राजमा 2.15 हैं दोनों में संचालित जान ने रक्षापिता पिलानी गढ़वा में पकाया जाते हैं, उनके जान को पत्र क्र./793/एसईआईएप्र. ख.ग. /गाईन/ 1640, जान जायपुर ईट नगर, दिनांक 28/06/2021 के आधार से नाय बतार पर्यावरण सम्बन्धीत नियांरण प्राधिकरण, छतीसगढ़ द्वारा पर्यावरण सीमिति प्राप्त की गई है। काले ईट को पकाने को लिए भी नद बुमार नदुकर की सहमति पत्र प्राप्त की गई है।
4. समिति का गत है कि सीईआर एवं बुकारेवन कार्य के मानिटरिंग एवं पर्यावरण ईट वि-पक्षीय समिति (ट्रॉपराईटर/प्रतिनिधि, धान विधायत एवं पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं विधि प्राधारण या इत्तीर्णगढ़ पर्यावरण सम्बन्ध के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) नहिं किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं बुकारेवन का काले धूरे किये जाने के उपरांत समिति वि-पक्षीय समिति से सत्यापित कार्या जाना आवश्यक है।
5. आनन्दीय एवं खींची, शिरोखर बैठ, नह दिल्ली द्वारा जारीएवं पर्यावरण पिलान भारत सरकार, पर्यावरण, दन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नह दिल्ली एवं जन्य (ओरिजनल एफिल्म्सन में 166 अप्रैल 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में मुख्य स्वय से निम्नानुसार मिट्टिका किया गया है—
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार कियी उपरांत सर्वेक्षणति से आवेदक – मेसर्स मनजा विचार अर्थ करे काशी गाईन (प्रौ.- भी ईमधं आर्गें) की धान-मनवा, सहसील-मस्तुरी, जिला-बिलासपुर के संख्या जानक 736/1, 736/2 एवं 781 में स्थित मिट्टी कारखन (पीप खनिय) जान, धूल बोराना-1.598 हेक्टेयर, जाना-2.664 एकड़ीटर प्रतिहरि हिंग पर्यावरणीय सीमिति दिए जाने की अनुमति की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/09/2024 को संघर्ष 185वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नसी का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार किया है उपरांत सर्वेक्षणति से निम्नानुसार मिट्टिका किया गया—

- सामिति की अनुसंधा की कठोरता करते हुये आवेदक – वैशाली मण्डा डिक्टा अर्थ के लिए जारी नाइन (प्रौ.- श्री हेमचंद भार्गव) द्वारा जिम्मानुसार अतिरिक्त छही के अद्वीन पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने का निर्णय दिया गया।
 - लौज जारी होने के पश्चात् 1. गीटर की लीना पट्टी में फैदी का दोष कर पैदी का नामांकन एवं संस्थापन कर जिकोटेंग पौटीदापन सहित अर्थार्थिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसडॉआईएए उत्तीर्णगढ़ को प्रेसित किया गया।
 - सीईआर के बाहर तथा 1. गीटर की लीना पट्टी में किंवदं जाने वाले बृक्षारोपण का सत्यापन वन विभाग के समन अधिकारी अवश्य वन विभाग द्वारा बृक्षारोपण के सत्यापन हेतु अधिकृत संस्थाओं (बहु फार्म) से अनुमोदन कराकर अर्थार्थिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसडॉआईएए उत्तीर्णगढ़ की घोषित किया गया।
 - सीईआर के अंतर्गत लालाब के बाही और किये जाने वाले बृक्षारोपण कार्य के सत्यापन हेतु जिकोटेंग पौटीदापन सहित अर्थार्थिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एसडॉआईएए उत्तीर्णगढ़ को प्रेसित किया गया।
 - इट का परिवहन कलही वाहन से किया जाए, ताकि इट वाहन से बाहर नहीं निके। इट का परिवहन कर रहे वाहनी की शास्ता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
 - सीईआर एवं बृक्षारोपण कार्य के नीनिटिंग एवं पर्यावरण हेतु डि-सदस्यीय समिति (प्रोफेशनल/प्रतिनिधि, शाम पंथायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण नियन्त्रण विभाग के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। जारी ही सीईआर एवं बृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित डि-सदस्यीय समिति ही सत्यापित कराया जाए।

सभा ही समिति द्वारा निहित किये गये राती का पालन सुनिश्चित नहीं किये जाने की विविधता विविध वैयाकीय एवं वन्दनात्मक कार्यवाही की जाएगी। परिवहन व्यवस्था को सारी पर्यावरणीय स्वीकृति यज जारी किया जाए।

- मेसर्स लौधना डिक्टा अर्थ के कठोरी एच फिक्स (वीएसबीए) डिक्टा प्लॉट (प्रौ. - श्री विजय प्रसाद गुरुता), छान-लौधन, तहसील-कुनूरी, जिला-जाशपुर (अधिकारीकाय का नम्बर अमांक 2734)

मारत जनकार के पर्यावरण वन एवं जलवायन विभाग, नई दिल्ली द्वारा डीफिक्स मेसर्सेप्टम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है, यिसके द्वारा 4 में निम्न द्रष्टव्यान हैं:-

The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEWAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer

all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM.”

सुना आधिकारी गैरोरेप्यूग के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिला संसदीय पर्यावरण समिति नियोजित प्राधिकरण से यारी पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनः अनुहान (re-approval) हेतु एस.ई.ए.सी. उत्तीर्णगढ़ के सम्मा ऑनलाइन आवेदन किया गया है।

प्रिय बस्तु	आवेदित प्रकाश की संबंधित विवरण	समिली द्वारा नीट किया गया कि
ऑनलाइन आवेदन	ई.सी. - 450683 एवं 30 / 10 / 2023	
खाद्यान का प्रकाश	मिट्टी (गोल खनिज) खाद्यान	संचालित
होउफल एवं जामता	2.59 हेक्टेयर एवं 2,000 परमीटर (इट जामता 10.00,000 नग) प्रतिवर्ष	
खाद्या कमांड	903 / 3, 5, 6, 982, 986 / 1, 981 / 2 एवं 925 / 2	
मू—संवर्गित	खाद्या कमांड 982 की विवरण की गुणवत्ता, भी सुखायें, भी देवखरण, खाद्या कमांड 981 / 2 एवं 986 / 1 की गुरियों, खाद्या कमांड 925 / 2 भी छाकर देवनंदन एवं खाद्या कमांड 983 / 3,5,6 आवेदक के नाम पर है।	खाद्यनन हेतु मू—संवर्गित का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
बैठक का विवरण	504वीं बैठक दिनांक 21 / 12 / 2023	प्रस्तुतीकरण हेतु मूल्यान दिनांक 15 / 12 / 2023
प्रस्तुतीकरण हेतु उपरियोग नीतिगति		भी प्रिय प्रसाद गुप्ता, प्रौपर्शीटर उपरियोग हुये।
पूर्व में जारी ई.सी.	खाद्यान का प्रकाश – मिट्टी जामता कमांड – 983 / 3,5,6, 982, 986 / 1, 981 / 2 एवं 925 / 2 होउफल – 2.59 हेक्टेयर जामता – 2,000 परमीटर/एवं एवं 10.00,000 नग/वर्ष दिनांक – 03 / 01 / 2019	मी.ई.आई.ए.ए. जिला-जलनुन पर्यावरणीय स्वीकृति की वैज्ञानिक दिनांक 02 / 01 / 2049 तक है।
पूर्व में जारी ई.सी. का पालन प्रतीक्षेपन	वर्ष-प्रमाणित – हाँ	प्रतीक्षित जलानुसार घुआरीया – 600 नग
विभाग याची में किये गये उत्तरानन	दिनांक – 14 / 08 / 2023 वर्ष 2019–20 में 1,50,000 नग वर्ष 2020–21 में 1,20,000 नग वर्ष 2021–22 में 2,10,000 नग वर्ष 2022–23 में 2,80,000 नग वर्ष 2023–24 (पुलाई 2023 तक) में निरंका	अगस्त 2023 से किये गये उत्तरानन की वास्तविक याची की उत्तरानन जामतानी खनिज विभाग से प्रमाणित संचालन प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
शाम पंचायत एन्डोर्सी	शाम पंचायत लोधपा दिनांक 20 / 09 / 2017	
उत्तरानन योजना अनुमोदन	दिनांक 17 / 10 / 2023	
500 मीटर	दिनांक 20 / 10 / 2023	अन्य खाद्यानों की संख्या निर्दित है।
200 मीटर	दिनांक 20 / 10 / 2023	प्रतिवर्षीय गोल विभिन्न नहीं है।

सीधे शीर्ष	लैंज यारक - जी विजय ब्रह्मदत्त नुभा अवधि-19/02/2019 से 12/02/2049	
बन किसाग एन.डी.वी.	बनकामगठताधिकारी, जहानपुर बनकामगठ, जहानपुर द्वारा जारी दिनांक 12/02/2018 आधेदेश शीर्ष से बन शीर्ष की दूरी का अल्लेक्च नहीं है।	आधेदेश शीर्ष की निकटतम बन क्षेत्र से दूरी का अल्लेक्च करने से हुए कार्यालय बनकामगठाधिकारी से जारी अन्यायित प्रकाश घर की दूरी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
महत्वपूर्ण संवेदनशील की दूरी	आवाही - लोकमा 1.5 कि.मी. कच्छल - लोकमा 1.5 कि.मी. अन्यपताल - कुनकुरी 6 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग - 10 कि.मी. राज्यसार्व - 19 कि.मी.	फिल्डोंस नाला - 2.6 कि.मी.
पारिविवरीकीय/ पौराणिक संवेदनशील शीर्ष	5 कि.मी. की परिसीम में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय राजमार्ग, अन्यारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण शोर्ड द्वारा घोषित फ़िल्डिङली पील्युटेक एथिया, पारिविवरीकीय संवेदनशील शीर्ष या घोषित पौराणिक शीर्ष सिवत नहीं है।	
खुलन संघर्ष से खुलन का विवरण	खुलन लिपि - ओपन कलस्ट मैनुफॉर्मिंग रिजर्व - पियोलीफिल्म 50,250 घनमीटर स्टाइनेचल 33,584 घनमीटर रिकार्डरेल 31,885 घनमीटर प्रस्तावित गड्ढलहड़ 2 मीटर दैर्घ की ऊँचाई 1 मीटर दैर्घ की ऊँचाई 1 मीटर संभावित ऊमु 33.56 वर्ष निपटी के साथ उपयोग हेतु फलाह ऐसा का प्रतिशत - 80% एक लाख ईट निर्माण हेतु आगरका प्रयोगला की मात्रा - 10 से 12 टन	पर्यावर प्रस्तावित खुलन प्रथम 10,00,000 नग द्वितीय 10,00,000 नग तृतीय 10,00,000 नग चतुर्थ 10,00,000 नग पंचम 10,00,000 नग
खुलनन के लिए प्रतिक्रिया शीर्ष	लैंज के 1 मीटर ऊँची शीर्ष पट्टी का क्षेत्रफल - 1,160 वर्गमीटर	
सीधे शीर्ष के भीतर मद्दता सम्भालित	शीर्षफल - 1,000 वर्गमीटर	फिरस विकली की ऊँचाई के संबंध में आवाहारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
खल आवृत्ति	खल - 6.04 घनमीटर रखीत - टैक्स	खाम प्रवायल का अन्यायित प्रकाश प्रस्तुत किया गया है।
सुझारीपथ कार्य	लैंज शीर्ष के 1 मीटर के बाते ओर सुझारीपथ - 1,162 नग नग किया जाना है। वर्तमान में सुझारीपथ - 800 नग शीर्ष प्रस्तावित सुझारीपथ - 568 नग	प्रस्तावित कार्य हेतु 6 वर्ष की सारा - 3,27,160 कर्पोर

१. कौपीरिट पर्सनलीय राशिल (C.E.R.) – पर्सियोजना प्रसारक द्वारा समिति के सम्बन्ध में जब्ती उपर्युक्त निष्पानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
४०	२%	०.८०	Following activities at, Village- Lodhma	
			Plantation at Village pond	२.८२
			Total	२.८२

सीईआर के अंतर्गत लाताब पर (भीन आम, बजुन, सीसम, कटहल आदि) बूजानीयन हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार १०० नग पौधों के लिए राशि २,००० रुपये, फैसिंग के लिए राशि ३०,००० रुपये, साढ़े के लिए राशि ३,२०० रुपये, सिंचाई तथा रक्त-रक्ताब आदि के लिए राशि ४८,००० रुपये, इस प्रकार प्रस्ताव वर्ष में कुल राशि ८३,२०० रुपये तथा आगामी ४ वर्ष में कुल राशि १६६,४०० रुपये हेतु घटकावार व्यवह का विवरण प्रस्तुत किया गया है। पर्सियोजना प्रस्तावक द्वारा जानवरों समेत सामाजिक सहमति प्रस्तुत किया गया है। समिति का नता है कि सीईआर के अंतर्गत लाताब पर बूजानीयन किये जाने वाले लकड़ा छमाल एवं शीतकाल का उल्लेख करते हुए जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा लाताब सम्बन्धित सीष्पानुसार विविध लिया गया यह—

१. उत्तमन डेट्रू गू-स्थानियों का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाए।
२. अगस्त २०२३ से किये गये कुल्हनन की वास्तविक गाजा की आवान जानकारी सुनिज लिभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
३. प्रति १० लाख ईट लियोन हेतु कोयारों की गाजा की जानकारी प्रस्तुत किया जाए। इस बाबत संपत्ति पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
४. आवेदित शीत की निकटतान वग शीत से दूरी का उल्लेख करते हुए कार्यालय उनमन्दालायिकारी से जारी उनापरित प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
५. लिक्स यिक्सी की ऊर्ध्वांश की संकेत में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
६. सीईआर के अंतर्गत लाताब पर बूजानीयन किये जाने वाले लकड़ा छमाल एवं शीतकाल का उल्लेख करते हुए जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत प्रस्तुत किया जाए।
७. मावत सारकार की वायावरण, यन एवं उत्तमामुंगालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक २८/०४/२०२३ को जारी अधिकार मेमोरेंडम में दिये गये विवेक का किन्दुवार पत्रन किये जाने वाले सम्बन्ध पत्र (Notarized undertaking) किया जाए।
८. उल्लीलाल आदर्श युवतीस नीति के तहत स्थानीय लोगों की शीघ्रतात दिये जाने वाले संपत्ति पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

9. मार्गिनिंग लीज ईज के अंदर सबसे यूकारोपण किए जाने एवं शेषित बीची कल समर्थाईरल रेट (Survival rate) बाज से उन्हें ८० प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 10. पश्युप्रिण्डिक छात्र यूकारीन की विदेशी ईमेल मिप्रिन्डिक जल डिफ़्रेक्ट विदेशी जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा विस्तीर्णी भी प्रकार का दृष्टिकोण का द्वारा हालात प्राकृतिक जल स्तरों, जलाशय, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संबंध में किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 12. सीईआर के लहर तथा की गई राशि का संबोधन गति के द्वारा दी गई घूमी में फैसिल कराकर यूकारोपण किए जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 13. ईट विनाश हेतु ८० प्रतिशत चलाई ईज का संबोधन किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 14. ईट विनाश हेतु जिग-डीव संबोधन का संबोधन किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 15. ईट विनाश से निकलने वाले रिजेक्ट डिक्ट वा उपर्योग पट्टेय गार्ड की रक्षा-दखाव एवं बढ़ विनाश में किये जाने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 16. परियोजना प्रस्तावक के विकल्प द्वारा परियोजना/खाद्यानुसारीन संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देख के अंतर्गत विस्तीर्णी भी न्यायालय में लघित नहीं होने वाला शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए तो उसकी विकल्प भाग सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन संबंधीय की अधिकृत्यना वा आ. ८०४(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।
- उपरोक्त वाहिनी जानकारी/दस्तावेज द्वापर द्वारे उपरोक्त आगामी कार्यकारी की जाएगी।
- उपर्युक्तार एस.ई.ए.सी., उत्तीर्णागढ़ के आधार दिनांक २३/०२/२०२४ के परिणेत्र में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक ०८/०४/२०२४ वा जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।
- (अ) वाहिनी की ६३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४
- समिति द्वारा गरी, प्रस्तुत जानकारी का अदलीकन एवं परीक्षण करने पर विनाशित पट्टी गई।—
1. उत्तराखण्ड हेतु मूः-स्वामियी का सहमति वत्र प्रस्तुत किया गया है।
 2. कार्यालय कलेक्टर (खनिज जाली), लिला-जलामुर के आधार दिनांक ३०७/खनि. शा./२०२४ जलामुर दिनांक २९/०२/२०२४ द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार विनाश दर्ती में किये गये उत्तराखण्ड की जानकारी निम्नलिखित है।
- | नाम | उत्तराखण्ड (खनिजिटर) |
|---------------|----------------------|
| अगस्त २०२३ | |
| सिताम्बर २०२३ | प्रियक |

अक्टूबर 2023
नवम्बर 2023
दिसंबर 2023
जनवरी 2024

3. प्रति 10 लाख ईट निर्माण हेतु 120 टन कोयले की बाजा का सुपरियोग किया जाता है। इस बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
4. कार्यालय बनावाहनालिकारी, खजापुर बनमंडल, जिला-खजापुर के आपन अधिकारी/मालिक / 2024 / 1580 खजापुर, दिनांक 02 / 04 / 2024 से जारी अनापरिवर्ती प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित कोड फिकाराम दन हीत ती सीमा से 2 किमी. की दूरी पर है।
5. बीएसबीके फिकारा किमी की दूरी 16 बीटर है।
6. सीईआर के अंतर्गत तालाब पर बृक्षारोपण किये जाने बाबत खजापुर काम्यक 321 एवं सोलहवाह 0.802 हेक्टेयर के भौमिक में जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
7. खासा सरकार के पर्यावरण दन एवं जलवायु बोरालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28 / 04 / 2023 को जारी ऑफिस मेंटोरेट्डम में दिये गये निर्देश का बिन्दुवार पालन किये जाने बाबत सुपथ पत्र (Notarized undertaking) किया गया है।
8. चलीशागढ़ झारकोंडा गोपी के ताहत तालानीय लोकों को सोलगढ़ दिये जाने बाबत सुपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. याईनिंग लीज़ हीट के अंदर सधन बृक्षारोपण किये जाने एवं संभित लीची का सारकाईवाल हीट (Survival rate) कम से कम 80 प्रतिशत युनिविशल किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. प्रपुलिटिंग डस्ट उत्तराञ्जन के नियंत्रण हेतु नियमित जल फिकाराम किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना प्रकारावक द्वारा किसी भी इकाव का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संलग्न किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. सीईआर के ताहत तद की नई राशि वाल सुपरियोग गोपी की द्वारा दी गई भूमि में फैसिल करावाल बृक्षारोपण किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. ईट निर्माण हेतु 50 प्रतीकात पलाई ऐसा का सुपरियोग किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. ईट निर्माण हेतु जिंग-जिंग ताकनीक का सुपरियोग किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. ईट निर्माण से निकलने वाले रिजेक्ट फ्रिक्स का सुपरियोग पहुंच गार्ने की रक्षा-रखाव के बीच निर्माण में किये जाने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. परियोजना प्रस्तावक के विषय इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण दोष के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं होने बाबत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

17. परियोजना प्रसारण का द्वारा ग्रामीण पक्ष (Motarized undertaking) द्वारा उत्तुत किया गया है कि दूसरे के विकल्प भारतीय संवर्धन, बन और जलवाया परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना वाचा. 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अन्तर्गत कोई संलग्नपत्र का प्रकरण लंबित नहीं है।

18. समिति का गहरा है कि सीईआर एवं बृक्षारोपण कर्त्त्व के भौमिकाद्विग्रह एवं पर्यावरण हेतु विभागीय समिति (प्रौद्योगिकी/प्रौद्योगिकी, याम, पश्चायत के प्रशासिकारी/प्रौद्योगिकी) एवं जिला प्रशासन या इलायिसनड़ पर्यावरण संस्थान ग्रामीण के प्रशासिकारी/प्रौद्योगिकी) नहिं किया जाना अवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं बृक्षारोपण का कर्त्त्व पूर्ण किये जाने के उपरांत जिभित विभागीय समिति से संत्यापिता कारबा जाना आवश्यक है।

19. यानवीय एन.सी.टी., ड्रिसिप्शन बैच, नई दिल्ली द्वारा सर्वोच्च पापड़ा विकल्प भारत संवर्धन, पर्यावरण, बन और जलवाया परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य विभागीय संस्थानोंमें (188 औफ 2016 एवं अब्ज) में दिनांक 12/09/2010 को पारित आईजा में मुख्य रूप से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है—

- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 6 to 25 ha, falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विभाग विभावी उपरांत सर्वसम्मति से आवेदक — मैसारी लोधना विकास करने कर्त्त्वी एवं फिल्म (वीएसडीकी) विभावी विकास प्लॉट (प्री- - सी विलय प्रसार गुप्ता) की याम-लोधन, लाहसौल-बुन्देल्हुती, विलय-जलापुर ती खासरा ज़माना 980/3, 5, 6, 982, 988/1, 981/2 एवं 925/2 में विभावी विलय विलयन (प्रीम खनिज) खदान, बुजुल क्षेत्रफल-2.50 हेक्टेयर, जगता- 2,000 घनमीटर (हेक्ट खस्तादन ज़मरा 10,00,000 नव) प्रतीकर्षी हेतु वायविलगीय रवीकृति विए जाने की अनुसंदेश की गई।

प्रतीकर्षण द्वारा बैठक में विभाव — उपरांत प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/06/2024 को संवन्धन 185वीं बैठक में विभाव किया गया; प्रतीकर्षण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्रतीकर्षण द्वारा विभाव विभावी उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

- समिति की अनुसंदेश को स्वीकार करते हुये आवेदक — मैसारी लोधना विकास अवे करने कर्त्त्वी एवं फिल्म (वीएसडीकी) विभावी विकास प्लॉट (प्री- - सी विलय प्रसार गुप्ता) को निम्नानुसार अविविक्त रूपी के अधीन पर्यावरणीय रवीकृति जारी करने का निर्णय लिया गया—
 - लौज जारी होने की पश्चात : मीटर की सीमा पट्टी में बीची वर्ष रोपन गार, पीछी का नामांकन एवं सीधारोकन कर जिल्हेटीग फौटोशाप्स सहित अंतर्विक लिंगोट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए. इलायिसगढ़ को छेदित किया जाए।
 - सीईआर के तहत तथा 1 मीटर की बीची सीमा पट्टी में किये जाने वाले बृक्षारोपण का संत्यापन का विभाग के नाम प्राधिकारी अध्यक्ष बन विभाव द्वारा बृक्षारोपण का संत्यापन हेतु अधिकृत संस्थाजी (बड़ी पाटी) से अनुसूदेश कारबन अंतर्विक लिंगोट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए. इलायिसगढ़ को छेदित किया जाए।

- v. सीईआर के अंतर्गत लालन की जारी और किये जाने वाले वृक्षारोपण कार्य के सत्यापन हेतु जिल्होंटेंग पोर्टफोलियोस महित अधिकारीय रिपोर्ट वे समाहित करते हुए एसडीआईएए. छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
- vi. ईट का परिवहन कारबॉड बहन से किया जाए, ताकि ईट बाहर से बाहर नहीं आए। ईट का परिवहन कर रहे वाहनों को शमला से अविक नहीं भए जाए तथा सुनिश्चित किया जाए।
- vii. सीईआर एवं वृक्षारोपण कार्य के गोपनीयता द्वारा विभागीय समिति (प्रोफराइटर/प्रलीनियि, राम वंशायत की पदाधिकारी/प्रलीनियि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान के पदाधिकारी/प्रलीनियि) बहित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के समर्थन गठित विभागीय समिति से संतुष्टिकारक जाए।

साथ ही समिति द्वारा निहित किये गये जारी का फालन सुनिश्चित नहीं किये जाने की सिफारिश में विधिवत् कैफायित एवं दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक की सहारी पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र जारी किया जाए।

12. नेलस चुम्बियारपाना आर्डिनेशी रटीन क्यारी (प्रो.— श्रीमती बीना सिंह), राम—चुम्बियारपाना, तहसील—मनेन्द्रगढ़, जिला—कोरिया (वर्तमान में जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिही—भरतपुर) (सक्रियालय का नम्रता अमांक 1993)

कौनसाईन कारेन — प्रफौजल नम्बर — एसआईए/ श्रीजी/ एसआईए/ 2008802 / 2022 दिनांक 20/04/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति द्वारा कारेन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व संवालित साक्षरण पत्रक (शीण खनिज) स्वाक्षर है। खादान राम—चुम्बियारपाना, तहसील—मनेन्द्रगढ़, जिला—कोरिया रिहाई खसरा अमांक — 2/1, घुस लोअफल — 2023 हेक्टेयर में है। खादान की आवेदित साक्षात्तरण पत्रक संख्यानम् जापता — 12,089 टन प्रतिवर्ष है।

परियोजना प्रस्तावक की एसडीएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 03/08/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुनिया किया गया।

वैष्णवी का विवरण —

(अ) समिति की 41वीं बैठक दिनांक 06/08/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु वी गोपाल सिंह, अधिकृत प्रलीनियि उपसिद्धि हुए। समिति द्वारा नम्रती प्रस्तुता ज्ञापनकारी का अवलोकन एवं परिष्कार करने पर निम्न सिद्धिति जारी गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में साक्षात्तरण पत्रक स्वाक्षर खादान खसरा अमांक 2/1, घुस लोअफल — 2023 हेक्टेयर शम्भा — 12,074 टन (4,471.85 अन्तीटर) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला सारीय पर्यावरण सम्बाद सिद्धांश प्रलीनिय, जिला—कोरिया द्वारा दिनांक 10/01/2017 को जारी की गई। यह स्वीकृति दिनांक से 5 वर्ष तक की अवधि हेतु जारी की गई थी।
- ii. भास्त सरकार, पर्यावरण, राज और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 16/01/2021 अनुसार—

"B4. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की विवर जारी दिनांक
वे दिनांक 09/01/2023 तक हैं होंगी।

- iii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के तरीं के प्रस्तावन में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है। समीक्षा का बहुत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत बरकार, पर्यावरण, द्वन् एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का प्रस्ताव प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iv. नियमित रूपानुसार 500 नग क्षेत्रोंपर किया गया है।
- v. कार्यालय कलेक्टर (स्थानी शास्त्री), जिला-कोरिया के ज्ञापन उमांक/1048/खानिज/स.प./2021 कोरिया बैकुण्ठपुर, दिनांक 14/07/2021 द्वारा दिग्दं वार्ता में किये गये संस्थानन की जानकारी दिनांकानुसार है—

वर्ष	संस्थान (प्रनमीटर)
2016	निरक्ष
2017	632
2018	447
2019	390
2020	542

समीक्षा का बहुत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक वर्ष 2020 से आज दिनांक तक किये गये संस्थानन की जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. शाम पंचायत का अनापति प्रमाण पत्र — संस्थानन के साथ में शाम पंचायत मुद्रितकरपारा का दिनांक 20/10/2010 का अनापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। समीक्षा का बहुत है कि ग्राहर वी संस्थानन हेतु शाम पंचायत का अनापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. संस्थानन स्वीकार — नॉडिफाईड काली पलान एलाइ विध लोडेंसिल ज्यादी कलेक्टर पलान विध इन्डियनोट निमेजमेट पलान प्रस्तुत किया गया है, जो खणिज अधिकारी, जिला-कोरिया के ज्ञापन उमांक/2186/खानिज/संस्था वी अनु/2021, कोरिया बैकुण्ठपुर, दिनांक 09/03/2021 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 बीटर वी संस्थित में जिला खाद्यान— कार्यालय कलेक्टर (स्थानी शास्त्री), जिला-कोरिया के ज्ञापन उमांक/1050/खानिज/स.प./2021/कोरिया बैकुण्ठपुर, दिनांक 14/07/2021 अन्वेषित खाद्यान से 500 बीटर वी भीतर अवलिप्त अन्य खाद्यानों की संख्या निर्दित है।

5. 200 मीटर की परिधि में सिवा सार्वजनिक शेष/संरचनाएँ – कार्यालय कालेजटर (जनिज संग्रह), जिला-कोरिडोर के इलापन नम्बर/1049/संग्रह/द.प. 2021, कोरिडोर वैकुण्ठगुरु, दिनांक 14/07/2021 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उसका स्थान भी 200 मीटर की परिधि में बोर्ड भी सार्वजनिक शेष तौर परिवर्तन कर्तव्य, गर्भाघात, अस्पताल, स्कूल, युवा, लैनीकट एवं बायो-आर्टिस्टिक शोर सिवा नहीं है।
6. भूमि एवं लौज का विवरण – यह आसानीय भूमि है। लौज श्रीमती बीना सिंह के नाम पर है। लौज की 05 वर्ष अवधि दिनांक 05/01/2012 से 04/01/2017 तक की अवधि हेतु दी गई। तत्पश्चात् लौज की 25 वर्ष अवधि दिनांक 05/01/2017 से दिनांक 04/01/2042 तक की अवधि हेतु नियमिती की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सौर रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सौर रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रतीक्षा प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय दन्तपात्रकारी (ए.) दन्तपात्रक, बनेन्द्रगढ़ के इलापन नम्बर/नामि/2009/398 वैकुण्ठगुरु, दिनांक 22/08/2009 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आधिकारित क्षेत्र बन की शीघ्रता से 200 मीटर की दूरी पर है। इस संकेत में समिति का गत है कि लौज क्षेत्र में बन क्षेत्र की सीमा की तरफ 50 मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र छोड़कर उत्तरनन क्षेत्र किया जाना अवश्यक है एवं आगामी बारी की वर्षियाएँ उत्तरनन क्षेत्र हेतु तैयार किये जाने वाले माईनिंग क्षेत्र में 50 मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र छोड़कर अनुगमित कराया जाना आवश्यक है।
9. भाग्यपूरी संरक्षनात्मकी की दूरी – निकटतम आवादी राम-मुखियापाना 500 मीटर, राघुनंदनपूर्णी की दूरी – निकटतम आवादी राम-मुखियापाना 500 मीटर, राघुनंदनपूर्णी की दूरी 7 किमी की दूरी पर स्थित है। राघुनंदनपूर्णी 1 किमी एवं राघुनंदनपूर्णी 4.8 किमी दूर है। हस्तेय नदी 130 मीटर दूर है।
10. पारिवहनिकीय/जैवविविधता संरक्षनात्मक क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी की परिधि में अतिरिक्तीय सीमा, वायुयांत्रिक उत्तरनन, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित किए गए पौल्युटोड एवं पारिवहनिकीय संरक्षनात्मक क्षेत्र या पौर्विक जैवविविधता क्षेत्र सिवा नहीं होना प्रतिक्रियित किया गया है।
11. स्थान वर्गीकरण एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिपोर्ट 0.39.481 टन, नाईट्रोजन रिपोर्ट 5.13.643 टन एवं रिकवरेशन रिपोर्ट 4.87.961 टन है। लौज की 7.5 मीटर ऊँची सीमा पट्टी (उत्तरनन के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 4,890 वर्गमीटर है। औपर यास्ट सेमी गेकोनाईफ्स पिंडी से उत्तरनन किया जाता है। उत्तरनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 22 मीटर है, जिसमें से 18 मीटर पहलाई क्षेत्र है। लौज क्षेत्र में जलपानी घट्टटी की गहराई 0.5 मीटर है जबकि कुल मोक्ष 3.325 घनमीटर है। बैच की गहराई 1.5 मीटर एवं गोदाई 1.5 मीटर है। खदान डी रोमाइट जागे 42 दर्जे हैं। लौज क्षेत्र में जलावाही स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिसका क्षेत्रफल 1,000 वर्गमीटर होगा। यौका हिंगर ही फ्रिलिंग एवं कांट्रोल ब्लास्टिंग किया जाता है। खदान में जागे प्रदूषण नियंत्रण हेतु एवं जल का विकलान किया जाता है। गर्भाघात प्रस्तावित उत्तरनन का विवरण निम्नानुसार है—

वर्ष	प्रस्तुतीयता उत्तराधिनन् (टर)
पूर्वम्	12,073
द्वितीय	12,069
तृतीय	12,069
चतुर्थ	12,069
पंचम	12,069

12. जल आनुष्ठानि – परियोजना हेतु आवायक जल की मात्रा 4 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आनुष्ठानि ग्राम पंचायत के मालियम से किया जाता है। इस बाबत ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाणण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. कृषारोपण कार्य – लीज शेत्र की सीमा में बारी और 7.5 मीटर की पट्टी में 1,000 नग कृषारोपण किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार खेतों के लिए तकि 50,000 रुपये, पौधिंग के लिए राशि 1,41,450 रुपये, चार के लिए राशि 10,000 रुपये, रस्ते-रसायन आदि के लिए राशि 38,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 2,37,450 रुपये प्रबन्धन वर्ते हेतु एवं कुल राशि 1,44,000 रुपये आगामी चार वर्षों हेतु खटकवाह व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
14. घटावान की 7.5 मीटर की खीड़ी सीमा पट्टी में उत्तराधिनन् – लीज शेत्र की बारी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्तराधिनन् करवे नहीं किया गया है।
15. लीज शेत्र में ऊपरी मिट्टी की भूमध्य 0.5 मीटर है तथा कुल मात्रा 3,325 घनमीटर है। ऊपरी मिट्टी की सीमा पट्टी (7.5 मीटर) में 1 मीटर ऊंचाई तक खटकवाह कृषारोपण कार्य सफलता होता ऊपरी मिट्टी का ऊपरी ईट निर्माण के लिए किया जाना जाता रहा। इस रासेन में समिति का नह है कि ऊपरी मिट्टी का ऊपरी ईट निर्माण हेतु नहीं किया जाएगा। अतः ऊपरी मिट्टी के रस्ते-रसायन की संवेदन में उपयुक्त आनकाशी प्रस्तुत किया जाना अवश्यक है।
16. कौरीरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सोइआर (Corporate Environmental Responsibility) का सम्बुद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा उत्तराधिन रावैसमाजि सो निम्नानुसार निर्णय किया गया था कि—

- एकीकृत शोधीय कर्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण एवं जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रपुर से पूर्व में यारी पर्यावरणीय सोइकूलि का पालन प्रानीदेवन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- विषय वर्ष 2020 से जब तक किये गये उत्तराधिन की वार्तायिक मात्रा की जानकारी खानिक विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
- समान गीर स्थापना हेतु ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाणण पत्र प्रस्तुत की जाए।
- लीज शेत्र में यह हीज की सीमा की तारफ 50 मीटर गेर मार्डिंग शेत्र छोड़कर उत्तराधिन लारी किया जाए तथा आगामी वर्षी की वर्षीयार उत्तराधिन योजना हेतु दैवत किये जाने वाले मार्डिंग लारीम में 50 मीटर गेर मार्डिंग शेत्र छोड़कर अनुमोदित कराकर जाने वाले उत्तराधिन पत्र (Accordant) प्रस्तुत किया जाए।
- ऊपरी मिट्टी की रस्ते-रसायन हेतु प्रबन्धन प्रोजेक्ट प्रस्तुत की जाए।

6. श्रीड्वारा के तहत युक्तारोपण हेतु दीपों का सौफण, कुरुका हेतु फौसिंग, खाद् एवं सिंचाई तथा रक्ष-रक्षण के लिए 5 बच्चों का जटानवाम व्यव का विकल्प सहित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
7. कंट्रोल ब्लास्टिंग का वार्षिक लिस्टोटक लाइसेंस वाहक (Explosive License Holder) द्वारा बनायी जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना से जिन रथलों से पश्चिमित्र उपर सत्त्वार्थी होंगा, उन रथलों पर नियमित जल विकलाव भी व्यवस्था दिये जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. मार्गनिंग लैंप लैंप के अंदर एवं बाहर जलने वृक्षारोपण किये जाने एवं रीफिल दीपों का सरकारी रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित दिये जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गिरावत का नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बाहुण्डी विलासी द्वारा भीनाकन्द का उपर सुनिश्चित किये जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उत्तर, पौत्र, नहर नहीं, नाला एवं अन्य जल निकायों के संरक्षण एवं संरक्षण हेतु प्रस्ताव 1 गाह के बीतर प्रस्तुत किये जाने वाला राष्ट्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का वर्णन पत्र प्रस्तुत किया जाए कि उनकी विलम्ब इस परियोजना/सदानन से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का नीटी ही सत्यापित सम्बन्ध पत्र प्रस्तुत किया जाए कि उसके विलम्ब भारत भारत, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना क्र.अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।

उपरोक्त जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने समर्थ आगामी कार्यवाही की जाएगी।

ठाननुसार एसडीएसी, उत्तरीसागढ़ के ज्ञापन दिनांक 14/09/2022 के परिवेद्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 30/11/2022 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(७) समिति की 445वीं बैठक दिनांक 11/01/2023:

समिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठा पाई गई—

1. एकीकृत संरक्षण कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्यपुर से पूर्ति में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस संबंध में पूर्ति में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त किये जाने हेतु एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्यपुर की दिनांक 28/12/2022 की आवेदन किया गया है।

2. दिनांक वर्ष 2020 से अब तक जिसी बाये उत्तरानन की वास्तविक मात्रा की ज्ञानकारी खुमिज विभाग से प्रभागित करावान प्रस्तुत नहीं किया गया है।
3. उपर की स्थापना हेतु याम पंचायत मुक्तिकारकार का दिनांक 17/03/2022 का अनुचित प्रभाग पर प्रस्तुत किया गया है।
4. लीज क्षेत्र में यह क्षेत्र की सीमा की तरफ 50 मीटर गैर भाईनिंग क्षेत्र उत्तरानन उत्तरानन कर्तव्य किये जाने तथा आगामी बर्षों की बर्तावार उत्तरानन जारी रखने के लिए याम पंचायत मुक्तिकारकार में 50 मीटर गैर भाईनिंग क्षेत्र उत्तरानन अनुचित करते हुए जाने जाना आपय पत्र (Notarized Affidavit) प्रस्तुत किया गया है।
5. लीज क्षेत्र ने तमां निटटी की लोटाई 0.5 नोटर है तथा कुल मात्रा 3.325 चम्बीटर है। यसी निटटी की 25° का स्लोप रखते हुए लीज की 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी 4,800 चम्बीटर बोव (उत्तरानन के लिए प्रतिशेषित) में फैलकर दूसारोंपाँच किया जाएगा।
6. सीईआर की तहत दूसारोंपाँच का विस्तृत प्रस्ताव जिसी भूमि के लिये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है। इनिहि का ना है कि सीईआर की तहत याम पंचायत से सहमति द्वाया भूमि में दूसारोंपाँच हेतु पौधों का सेवन, सूखा हेतु छेंसिंग, खाद एवं शिखर्ड तथा स्व-संखाय के लिए 5 बर्षों का घटकानार आय का विवरण सहित विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
7. कट्टोल ब्लॉकिंग का कार्य विस्तोटक लाइसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा करते हुए जाने आवत् आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से बदुजिटिव रूट उत्तरार्ध होगा, उन स्थलों पर नियमित जात विश्वास की व्यवस्था किये जाने आवत् आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. भाईनिंग लीज क्षेत्र के अंदर एवं बाहर साथ सूखारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरवाईवल रेट (Survival rate) 50 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने आवत् आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कनसेशन नियम (Minerals Concession Rules) के तहत बालभूमि प्रिस्लर्स द्वारा सीमावर्तन का कार्य सुनिश्चित किये जाने आवत् आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा तात्पर, पौधर, नदी, नदी एवं अन्य जात विकारों की संखाय एवं संवर्द्धन हेतु इस्ताव 1 माह के बीतर प्रस्तुत किये जाने आवत् आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विरुद्ध इस परियोजना/सदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लकित नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवाय का नोटरी से संतापित आपय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंधालय की अधिकृतवाद कान्ना का.आ. 804(36), दिनांक 14/03/2017 की अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लकित नहीं है।

सुनिश्चित द्वारा उत्तरानन संवैधानिकी से निमानुसार नियम किया गया एवं-

1. एकलीकृत कीचीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीचीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया।
2. विषय वर्ष 2020 से अब तक निम्नों गये उत्सवों की वास्तविक मात्रा की जानकारी खालिज विभाग से प्रभागित कराकर प्रस्तुत किया गया।
3. शीर्षआट को राज्य पाल पंचायती से सहमति प्राप्त भूमि में नुसारोंवय हेतु जीवों का रोपण, सुखा हेतु फौंसिंग, खाद्य एवं लिंथाई तथा रक्षा-रक्षण के लिए 5 वर्षों का चारकालान वर्ष का विवरण सहित विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

मुफरीदत जानकारी/वरतावेज प्राप्त होने उपरात आगामी कार्यवाही की जाएगी।

लकड़गुसार एसईएसी, एकलीकृत के लाभ दिनांक 27/02/2023 के वरिष्ठेव में परिवोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 18/04/2023 वाली जानकारी/वरतावेज प्रस्तुत किया गया।

(स) समिति की 464वीं बैठक दिनांक 11/06/2023

समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं चर्चण करने पर निम्न विषय पर्याप्त गई—

1. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीचीकृति का पालन प्रतिवेदन हेतु एकलीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में दिनांक 30/01/2023 को लिये गये ज्ञावेदन की प्रति प्रस्तुत की गई है। भारत सरकार, पर्यावरण बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिकारी समीकरणका दिनांक 08/08/2022 के अनुसार

At the time of issuance of expansion TOR, the MS of EAC/SEAC shall endorse a copy of the ToR to the concerned IRO of MoEF&CC. Based on the same, project proponent shall approach the concerned IRO of MoEF&CC to issue CCR. Such request shall be expeditiously considered and disposed of by the concerned IRO within a time frame of three months from the date of application of project proponent. In case, the CCR is not issued within three months, the project proponent shall approach concerned Regional Offices of Central Pollution Control Board (CPCB) or MS of respective State Pollution Control Boards (SPCB) or State Pollution Control Committees (SPCCs) for the same. है। इस संबंध में समिति का गत ही कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय कीचीकृति का पालन प्रतिवेदन हेतु एकलीकृत पर्यावरण संस्थान मंडल, नवा रायपुर अटल नगर से बंगाडा जाना आवश्यक है।

2. कार्यालय नगरेकरण (खालिज द्वारा), जिला-मनेन्द्रगढ़-सिनमिती-भवतगुर के ज्ञापन दिनांक /22/समिति/वर्ष/2023 एमसीवी, दिनांक 12/04/2023 द्वारा जारी प्रसाप वडा भवतगुर विषय वर्षों में लिये गये उत्सवों की जानकारी विस्तारित है—

वर्ष	उत्सव (घणवीट)
2020-21	730
2021-22	590
2022-23	280
कुल	1,500

सामिली का मत है कि उक्त प्रभाग यह सीधे नहीं हो रहा है कि परियोजना प्रस्तावका द्वारा विभाग दिनांक 09/01/2023 के उपरांत चलाया जाएं किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में खानिज विभाग से प्रमाणित कराकर जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

3. सीईआर के लहर घाम पंचायत से जाहगति ग्राम भूमि में (जामुन, नीम एवं जाम) बुद्धारौपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 800 नग पौधों के लिए राशि 25,000 रुपये, जीवशिंग के लिए राशि 46,000 रुपये, खाद के लिए राशि 5,000 रुपये, शिथार्ह तथा रख-संरक्षण जाहिं के लिए राशि 90,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 1,81,000 रुपये के अधी का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सामिली का मत है कि 6 वर्षी हेतु मृधक-मृधक घटकावर विवरण प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

सामिली द्वारा जारीनव संवर्तनमिति से विभागनुसार विवरण दिया गया था—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन हेतु उल्लीकरण फॉर्म जारीकरण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर की विवादित थाएँ।
2. परियोजना प्रस्तावका द्वारा विभाग दिनांक 09/01/2023 के उपरांत चलाया जाएं किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में खानिज विभाग से प्रमाणित कराकर जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. सीईआर के लहर घाम पंचायत से जाहगति ग्राम भूमि में (जामुन, नीम एवं जाम) बुद्धारौपण हेतु 5 वर्षी के लिए मृधक-मृधक घटकावर विवरण प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त जारीत जानकारी/प्रस्तावेज इन्होंने उपरांत जारीनी कार्यालयी की जाएँगी।

तदानुसार एसडीएसी, उल्लीकरण नगर के जापन दिनांक 23/08/2023 के परिवेद्य में परियोजना प्रस्तावका द्वारा द्वारा दिनांक 01/09/2023 की जानकारी/प्रस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(d) सामिली की 400वीं बैठक दिनांक 27/09/2023:

सामिली द्वारा नसी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न विवरण जारी गए—

1. उल्लीकरण फॉर्म जारीकरण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर को ज्ञापन दिनांक 3854, दिनांक 23/08/2023 द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रेषित किया गया है, जिसकी अनुसार पूर्ण शर्तों का पालन किया जाना बताया गया है।
2. कल्यालय कलेक्टर (खानिज शास्त्र), नगैन्द्रगढ़ जिला-मैन्द्रगढ़-खानिजी-भरतपुर के ज्ञापन दिनांक/175/खानिज/एग./2023 एम.वी.वी. मैन्द्रगढ़, दिनांक 03/07/2023 अनुसार जनवरी 2023 से मई 2023 तक ने उपरुचन कार्य निरूपित किया है।
3. परियोजना प्रस्तावका द्वारा सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
38	2%	0.76	Following activities at Village- Muktiyarpur	
			Plantation	1.06
			Total	1.06

सीईआर के तहत यूक्तारोपण (वीम, आम, जापुन आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 500 नग परियों के लिए राशि 25,000 रुपये, पौसिन के लिए राशि 20,000 रुपये, छाद एवं सिंधार के लिए राशि 23,000 रुपये तथा बहु-स्तरीय के लिए राशि 10,000 रुपये इस प्रकार प्रबन्ध कर्म में कुल राशि 78,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 80,000 रुपये हेतु घटकदार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोग्यता उपरान्त द्वाते प्राप्त पंचायत मुख्यमानपात्र के सहभागि उपरान्त व्यायोग्य नदान (अन्तर क्रमांक 174/11, हेत्तकल 0.4 हेक्टेयर) के विशेष में जानकारी प्रस्तुत दी गई है।

4. समिति का भए है कि सीईआर एवं यूक्तारोपण कार्य के नीनिटरिंग एवं परियोग्यता हेतु वि-साहस्रीय समिति (प्रोपर्टीटर/प्रशिनिति) प्राप्त पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला व्रजासन का छत्तीसगढ़ वर्कर्डरण संस्थान के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं यूक्तारोपण का कार्य पूर्ण रूप से जाने के उपरान्त गठित वि-साहस्रीय समिति से सम्बाधित कराया जाना आवश्यक है।
5. माननीय एन.जी.टी. डिजिटल द्वारा सार्वेत पार्श्वकान्त विकल्प भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 186 ऑफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में सुलझ कर्य सी मिम्मानुसार निर्दिष्ट किया गया है:-

 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार किए हुए उपरान्त सर्वसम्मति से मिम्मानुसार निर्णय लिया गया:-

1. कर्यालय कार्टेक्टर (जननीज ताला), जिला-कोरिया के द्वारा क्रमांक / 1050 / जननीज / दाप / 2021 / कोरिया फैसुल्हपुर, दिनांक 14/07/2021 अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की ओर अवृत्तिका अन्य खदानी की संभवता निरंक है। आवेदित खदान (आम-मुख्यमानपात्र) का हेत्तकल 2.023 हेक्टेयर है। खदान की लीमा से 500 मीटर की परिधि में एकीकृत/संभालित खदानी का कुल हेत्तकल 5 हेक्टेयर का उदासी कम होने को कामय मह खदान वी-2 थोड़ी की बाती गयी।

2. समिति द्वारा लिखान लिमटी उपराता सर्वेसमिति से आवेदक - बैसली मुखियापारपारा आदिनरी स्टोन ल्यारी (प्रो- सीमा कीना सिंह) को प्राम-मुखियापारपारा लालसील-मनेन्डगढ़ जिला-जलेश्वर (जलेश्वर में जिला-मनेन्डगढ़-चिरमिही-भरतपुर) की खसरा छामोंड २/१ में लिखा साथारण पत्रक (गीव खनिज) खादार, कूल होमफल्स-२०२३ टैकटेकर, कमला-१२,०६० टन इतिवें हेतु पर्यावरणीय सीमिति दिए जाने की अनुशासा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में लिखार - उपरीकत प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक ०९/०१/२०२४ को संघर्ष ५१वीं बैठक में लिखा गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट लिखा गया कि जारीदित क्षेत्र वन क्षेत्र की सीमा से 200 मीटर की दूरी पर है। लौज क्षेत्र में वन क्षेत्र की सीमा की तरफ ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन उत्तरानन कार्य किये जाने तथा आगामी वर्षी की वर्षियार उत्तरानन योजना हेतु उत्तरानन कार्य किये जाने वाले माईनिंग स्कीम में ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन संशोधित अनुसूचित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

प्राधिकरण द्वारा लिखार लिखार लिखार सर्वेसमिति से उपरीकत लालों के परिषेष में परीकाण उपराता उपराता अनुशासा किये जाने हेतु प्रकरण को एसईएसी-जलसीसगढ़ के नमस्त प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

(५) समिति की ५११वीं बैठक दिनांक ३१/०१/२०२४

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत प्रानकारी का अवलोकन एवं परीकाण कर, उत्तरानन सर्वेसमिति से निर्णय लिया गया था कि जारीदित क्षेत्र वन क्षेत्र की सीमा से 200 मीटर की दूरी पर है। लौज क्षेत्र में वन क्षेत्र की सीमा की तरफ ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन उत्तरानन कार्य किये जाने तथा आगामी वर्षी की वर्षियार उत्तरानन योजना हेतु उत्तरानन कार्य किये जाने वाले माईनिंग स्कीम में ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन संशोधित अनुसूचित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किये जाने उपराता आगामी कार्यवाही की जाएगी।

उदानुसार एसईएसी-जलसीसगढ़ के प्राप्त दिनांक १९/०३/२०२४ के परिषेष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक १९/०४/२०२४ को जानकारी/इस्तमाज प्रस्तुत किया गया।

(६) समिति की ६३३वीं बैठक दिनांक ३०/०५/२०२४

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत प्रानकारी का अवलोकन एवं परीकाण जारने पर लालों गया कि जारीदित क्षेत्र वन क्षेत्र की सीमा से 200 मीटर की दूरी पर है। लौज क्षेत्र में वन क्षेत्र की सीमा की तरफ ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन उत्तरानन कार्य किये जाने तथा आगामी वर्षी की वर्षियार उत्तरानन योजना हेतु उत्तरानन कार्य किये जाने वाले माईनिंग स्कीम में ५० मीटर गैर माईनिंग क्षेत्र प्रोडक्शन संशोधित अनुसूचित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, जिला-मनेन्डगढ़-चिरमिही-भरतपुर द्वारा दिनांक १५/०४/२०२४ के माध्यम से अनुसूचित किया गया है। प्रस्तुत नीतिकार्यक लालों प्लान एलांग विध इन्हायरेंट गैनजॉर्ट प्लान विध औरोडिव लालों कलोजर प्लान अनुसार जियोलोजिकल रिजर्व ७,२९,४३१ टन, माईनिंगल विलर्व ३,०१,३०९ टन एवं निकलहोबल रिजर्व २,८८,२४३ टन है। लौज क्षेत्र में वन क्षेत्र की सीमा की तरफ ५० मीटर दूरी छोड़े जाने हेतु ४,७५० वर्गमीटर क्षेत्र की गैर माईनिंग क्षेत्र रखा गया है।

उपरोक्त तथ्यों की अवार पर समिति द्वारा विचार किए उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व में समिति की 490वीं बैठक दिनांक 27 / 09 / 2023 में पर्यावरणीय सीमित जारी किये जाने की अनुशंसा की गई थी एवं दून अनुशंसा की जारी है। पूर्व में निहित की गई जारी विधिवत् रहीगी।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकल्प पर प्राधिकरण की दिनांक 27 / 09 / 2024 की संपन्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा भरती का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार किए उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

१. समिति की अनुशंसा की सीमाव करती हुये आदेश — गैससे गृहितयारपाता आविनी स्टोन जारी (प्रौ.- वीभाती बीना सिंह) की निम्नानुसार अलिंगित जारी की अदीन पर्यावरणीय सीमित जारी करने का निर्णय लिया गया—
 १. संबोधित अनुग्रहित गाँड़ीगंग इलान अनुसार माईनेश्वर रिपोर्ट 3,01,300 टन एवं रिफल्टरेश्वर रिपोर्ट 2,86,243 टन से अधिक गुरजादग नहीं किया जाए।
 २. लौख जारी होने के पासात् 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में तीन पलियांगों ने खींची का दैरण कर पौधों का नामांकन एवं संचालन कर जियोटेच फॉटोयास्स सहित अवैशिष्ट रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
 ३. सीईआर के लहर तथा 7.5 मीटर की खींची सीमा पट्टी में किये जाने वाले गृहानुपय का सत्पापन बन किमान के रासाय अधिकारी अवजा बन किमान द्वारा गृहानुपय की सामाप्ति डेटु अधिकृत संस्थाओं (पर्वत पाटी) से अनुमोदन कराकर अवैशिष्ट रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
 ४. सीईआर के लहर तथा 7.5 मीटर की खींची सीमा पट्टी में किये जाने वाले गृहानुपय कार्य की सत्पापन डेटु जियोटेच फॉटोयास्स सहित अवैशिष्ट रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
 ५. गृहित का परिवहन उपर्युक्त बाहन से किया जाए, ताकि समिति बाहन से बाहर नहीं गिरे। गृहित का परिवहन कर रहे वाहनों को शमता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
 ६. सीईआर एवं गृहानुपय कार्य के भौमिकालिंग एवं पर्यावरण डेटु डि-साइटीय समिति (बोपराईटर/प्रतिनिधि, पात्र पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं गृहानुपय का उपर्युक्त किये जाने के समर्थन गठित डि-साइटीय समिति से सहयोगित कराया जाए।

साथ ही समिति द्वारा निहित किये गये जाती का बाजान समितिवाल नहीं किये जाने की विधि में विधिवत् कैफलियत एवं दमकात्मक कार्यकारी की जाएगी।

परिवेशका प्रशासन की साती पर्यावरणीय सीमित जारी किया जाए।

14. मैसारी वय, बलीचम करता प्रस्तुति जानकीवाल विकिपेडिया समाचारालय (सुपर स्पेशलिस्टी हाउसिंटल, अम्बर पी.एम.एस.एस.वाए. फॉज-IV), घाम-डिमरापाल, राहसील-जगदलपुर, झिला-बस्तर (संविधानसभा की नम्रता 1403) अनिलार्द्धन आवेदन- प्रधानमंत्री नामक - एसआईए/ शीजी/ एसआईएस/ 174475/ 2020, दिनांक 26/ 09/ 2020।

इसकाब का विवरण - यह प्रस्तावित सुपर स्पेशलिस्टी हाउसिंटल (अम्बर पी.एम.एस.एस.वाए. फॉज-IV) है। यह हाउसिंटल घाम-डिमरापाल, राहसील-जगदलपुर, झिला-बस्तर विकास बोर्ड की एवं 62, प्लॉट एरिया-41,556.4 बर्गमीटर में प्रस्तावित बिल्डिंग कोर्पसल 28,700.27 बर्गमीटर के पर्यावरणीय सीखूली हेतु आवेदन लिया गया है। परियोजना का विविधाय इसके 82 कार्यक होगा।

वैठकी का विवरण -

- (अ) समिति की 342वीं बैठक दिनांक 08/ 10/ 2020:

समिति द्वारा प्राप्त राहीं नम्रती एवं प्रस्तुत जानकारी का परीक्षण तथा उत्तमता सार्वजनिक से निष्पत्तिकारक लिया गया था-

- भूमि संवादित संकेत दस्तावेज प्रस्तुत किये जाए।
- सहमति द्वारा जारी बहन नियंत्रण अनुदान की प्रति प्रस्तुत की जाए।
- दृष्टिकोण के द्वारा विभिन्न उपचार व्यवस्था का पूर्ण विवरण, उपचारिता दृष्टिकोण के उपर्योग / पुनःउपर्योग की व्यवस्था का पूर्ण विवरण प्रस्तुत की जाए।
- पायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था, अनुजितिव डस्ट उत्सर्जन नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था का विवरण प्रस्तुत की जाए।
- ठोस अपरिहर्ती के नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाए।
- प्रस्तावित कर्जी संखाल के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाए।
- प्रस्तावित लै-आचाट में कृषकोपण की वर्तावे हेतु कृषकोपण की संख्या तथा दोस्रफल का विवरण प्रस्तुत की जाए। कृषकोपण हेतु कार्यशीलता प्रस्तुत की जाए।
- सी.ई.आर (Corporate Environment Responsibility) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव पूर्ण विवरण की साथ प्रस्तुत किया जाए।
- परियोजना द्वारा की आगामी माह की आयोजित बैठक में उपरोक्त समस्त सुझावों जानकारी / दस्तावेज (अधिकारी फोटोशॉप्स) सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसआईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 29/ 10/ 2020 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

- (ब) समिति की 348वीं बैठक दिनांक 07/ 11/ 2020:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुरोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा उत्तम सार्वजनिक से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को आगामी वाह की आयोजित बैठक में पूर्व में आही गई वांछित जानकारी एवं समस्त

सुनिश्चित जानकारी / वस्ताविक सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निम्नोंले किया जाए।

ग्रामनुसार परियोजना प्रभावक की एसडॉएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 02 / 12 / 2020 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुनिश्चित किया गया।

(c) समिति की 34वीं बैठक दिनांक 08 / 12 / 2020:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी साक्षीक दानी, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा पहली, प्रसुत जानकारी वा अवलोकन एवं परिकल्पना पर निम्न विवरण आई गई—

1. निकटतम सिवाय किसाकलापी संकेती जानकारी —

- निकटतम ऐसवे स्टेशन जगदलपुर 7.1 किमी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राष्ट्रगार्ह 5.3 किमी. दूर है। जगदलपुर एक्सप्रेस 0.7 किमी. दूर है।
 - परियोजना प्रभावक द्वारा 10 किमी. की परिमि में अताराज्यीय गोदा, राष्ट्रीय राष्ट्रान, अन्यायालय, कन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रीविट डिटिकली पॉल्यूशन एरिया, पारिविवरितिक संवेदनशील ढोव या प्रीविट डीविविला क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
2. घूमि संकेती वस्ताविक प्रस्तुत किया गया है, जिसकी अनुसार जासकीय घूमि रकम 2.36 हेक्टेयर तथा जासकीय बन घूमि रकम 2.35 हेक्टेयर है। प्रस्तावित सुपर एंप्लिटिली हीसिप्टल के निर्माण हेतु बन घूमि की उपयोग की अनुमति बाबत जानकारी / वस्ताविक प्रस्तुत नहीं की गई है।
3. लेख्ड सुरिया स्टेटमेंट —

S. No.	Area Statement	Details (Square meter)	Percentage (%)
1.	Constructed Area (Ground Coverage)	4,232.76	10.10
2.	Open Area	9,290.93	22.27
3.	Parking Area	8,916	14.24
4.	Road and Paved Area	8,422	20.27
5.	Green Belt	13,724.71	33.03
6.	Total Plot Area	41,868.4	100

4. फ्लौट संकेती विवरण —

Floor	FSI Area (Square meter)	Non - FSI Area (Square meter)
Basement	670.31	354.74
Ground Floor	2,483.86	354.74
First Floor	2,068.36	354.74
Second Floor	2,174.86	354.74
Third Floor	2,068.36	354.74
Fourth Floor	2,484.26	354.74
Fifth Floor	2,943.73	354.74
Sixth Floor	3,091.06	354.74
Seventh Floor	3,620.06	354.74
Eighth Floor	3,620.06	354.74
Ninth Floor	3,620.06	354.74
Tenth Floor	3,620.06	354.74
Terrace	-	212.62

Service Block		567.42
Total	22,055.04	4,722.23
Total BUA (FSI+Non-FSI)		26,787.27
Total Plot Area (As Actual)		41,556.4

5. कार्यालय समूह संघातका नगर तथा साम निवेश जगदलपुर के ज्ञापन अनुकूल 833 / न. ग्रा. नि. / अभि. / 2019 / 2010 जगदलपुर दिनांक 17 / 05 / 2019 हुआ जारी विकास अनुसूत की प्रति प्रस्तुत की गई है। परियोजना प्रवर्तनक हुआ कहाया गया कि प्रस्तावित क्षेत्र नगर निवास के क्षेत्र क्षेत्र के बाहर होने के कारण अग्र निर्माण की अनुमति कार्यालय कालेक्टर, रिया-जगदलपुर से प्राप्त की गई है।
6. बायु प्रदूषण नियंत्रण – निर्मान के दीर्घन समयम पर्यावरणिक ग्राम के नियंत्रण हेतु एक मैट से इक कर निर्मान किया जाएगा एवं नियमित जल डिफल्याव किया जाएगा।
7. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन – ठोस अपशिष्टों के निपटान हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है।
8. जल प्रबंधन व्यवस्था –

- जल संचयन एवं उत्तोल – परियोजना हेतु कुल 518 घनमीटर प्रतिदिन (फ्रिंट बौटर 273 घनमीटर प्रतिदिन तथा रियायकाल बौटर 245 घनमीटर प्रतिदिन) की आवश्यकता होगी। शून्य निपटावरण की स्थिति रखी जाएगी। जल की अनुमति भू-जल के नामम से ही जाएगी। शुरूआत जल की उपचारिता हेतु अनुमति सेन्ट्रल शास्त्राधार अधारिती से लिया जाना प्रस्तावित है।
- जल प्रदूषण नियंत्रण – दूषित जल की जाता 270 घनमीटर प्रतिदिन संतप्त होगा। दूषित जल के उपचार हेतु रीवेज ट्रीटमेंट प्लॉट क्षमता 300 घनमीटर प्रतिदिन एवं इफ्स्युएट ट्रीटमेंट प्लॉट की क्षमता प्रस्तावित होना कहाया गया। दूषित जल हेतु प्रस्तावित उपचार व्यवस्था का पूर्ण विवरण (इकाईया), उपचारित दूषित जल के उपचार / पुनर्जनयीण की व्यवस्था का पूर्ण विवरण उल्लङ्घन नहीं की गई है।
- भू-जल उपचार प्रबंधन – परियोजना स्थल सेन्ट्रल शास्त्राधार बोर्ड के अनुसार बोर्ड जीन में ज्ञाता है। विसके अनुसार-
 - (अ) बहुव एवं ग्राम्य साक्षों को कम से कम 40 प्रतिशत दूषित जल का पुनर्जनय एवं पुनर्जनयीण किया जाना है।
 - (ब) शास्त्राधार रिचार्ज हेतु अपनाई गई उक्तीक यथा रेनवाटर इकाईस्टेशन / औटिनिशियल जल रिचार्ज के अन्दर पर भू-जल निकाले जाने की अनुमति सेन्ट्रल शास्त्राधार बाटर बोर्ड द्वारा दिये जाने का प्रबंधन है। अतः उद्योग की रेनवाटर इकाईस्टेशन व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।
- 9. विद्युत संचयन – परियोजना हेतु 2,700 कॉलीट विद्युत संचयन होगी। विद्युत की अनुमति उत्तीर्णगढ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से ही प्राप्त होगी। ऐकाईक व्यवस्था हेतु 2,700 कॉलीट का ग्री.प्री. सेट स्थापित किया जाएगा। ग्री.प्री. सेट को एकोसिटेक इंवलोजर में स्थापित किया जाएगा।

10. कृषानीयन की स्थिति – परिसर के चारों ओर यहां पहुँच नहीं में हरित पट्टिका का विकास कीजफ्ट 13734.71 बर्गमीटर (कुल क्षेत्रफल का 33.03 प्रतिशत) में किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित है—आउट गैर अनुदान परिसर के चारों न्यूनतम 10 मीटर छोड़ी हरित पट्टी के विकास का प्रस्ताव नहीं किया गया है।
11. कर्जी संखण उपाय – परिसर में सभी घब्ली पर एलईडी लाइट प्रयोग किया जाएगा। सौलग गोटर हीटर की स्वापन की जाएगी। सेप्ट रॉयलिंग एवं ड्राईव-वे में सौलग एलईडी लाईटिंग सिस्टम प्रस्तावित है।
12. ऐन बीटर हाईटिंग व्यवस्था हेतु समावित जल की गता करते हुए फीटों की संखण सहित विस्तृत प्रस्तुत नहीं किया गया है।
13. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव यूर्ज विवरण के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है।
14. समिति के सदानन ने यह तथा आया कि प्रवर्णन हाई राईज विल्डिंग के निर्माण का है। प्रस्तावित हीत से जगदलपुर एवरपोर्ट की दृश्याई दूरी लगभग 5 किमी है। इस हेतु भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।

समिति द्वारा उत्तम राईसमिति से निम्नानुसार निर्माय किया गया था—

- प्रस्तावित युपर रोडिंग्सली लॉरियल के निर्माण हेतु जन भूमि के उपयोग की अनुमति द्वारा जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए। जाए ही जन भूमि के उपयोग हेतु ऑरेस्ट वलीयरेस स्टेज-1 की जांच प्रस्तुत की जाए।
- सदानन प्राधिकारी द्वारा जारी नवन निर्माण अनुदान संबंधी प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत की जाए।
- प्रस्तावित उर्जा संखण के उपायो/प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाए।
- प्रस्तावित है—आउट गैर अनुदान पहुँच न्यूनतम 10 मीटर छोड़ी हरित पट्टिका का दाली हूँडे कृषानीयन की संखण तथा दोकान का विवरण प्रस्तुत की जाए। साथ ही कृषानीयन हेतु जारीयोजना प्रस्तुत की जाए।
- सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव यूर्ज विवरण के साथ प्रस्तुत किया जाए।
- ऐन बीटर हाईटिंग के प्रस्ताव हेतु समावित जल संखण की गता करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से प्रस्तावित हाई राईज विल्डिंग के निर्माण हेतु जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत की जाए।
- फरियोजना प्रस्तावक से जारीकर जानकारी प्राप्त होने पर जागानी कार्यगाही की जाएगी।

हवानुसार एसईएसी, उत्तीर्णगढ़ की 343वीं बैठक दिनांक 08/12/2020 के परिवेद्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा है—मैल दिनांक 10/02/2021 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

(म) समिति की 368वीं बैठक दिनांक 12/02/2021:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धिति पाई गई:-

1. प्रस्तावित सूचर संवित्तिलिटी होटेल की नियम हेतु बन भूमि के उपरीम और अनुभवी वाक्ता जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही बन भूमि के उपरीम हेतु फॉरेस्ट कलीयरेस स्टेज-1 की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।
2. साथ प्राचीनकारी द्वारा जारी भवन निर्माण अनुद्घा संकेत प्रगाय पत्र की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।
3. प्रस्तावित उपरी वाक्ता प्रगाय की नियम हेतु जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
4. प्रस्तावित सौ-आइट में शुल्करीपण हेतु न्यूनतम 10 गैटर खोजी सुरित पॉटेट्टका की दर्ताए हुए शुल्करीपण की संख्या तथा छोड़कर कम विवरण प्रस्तुत नहीं की गई है। साथ ही शुल्करीपण हेतु कार्योजना प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव सूची विवरण के साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है। सीईआर से जुट दिये जाने का अनुरोध किया गया है।
6. ऐन बीटर हॉटेलिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संग्रहण की मात्रा की गणना करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।
7. मानसूनीय विभान्नपत्रान प्राविकरण से प्रस्तावित हाई राईज विलेंग की नियम हेतु जारी अनापवित प्रगाय पत्र की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।

समिति द्वारा दस्तावेज सर्वीसम्बन्धी से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावका को पूर्व में याही यह जानकारी एवं समर्पित सुझावित जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट प्रक्रिया गति।

तदानुसार वरियोजना प्रस्तावका को एसडीएसी-छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 17/03/2021 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

(d) समिति की 364वीं बैठक दिनांक 25/03/2021:

प्रस्तावीकरण हेतु श्री रामचान्द्र कार्यपालन अभियंता, कैन्टीन लोक निर्माण विभाग उपसंचयत हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धिति पाई गई:-

1. प्रस्तावित सूचर संवित्तिलिटी होटेल के नियम हेतु बन भूमि के उपरीम की अनुभवी वाक्ता जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही बन भूमि के उपरीम हेतु फॉरेस्ट कलीयरेस स्टेज-1 की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कहा गया कि प्रस्तावित छोड़ में से जासकीय बन भूमि एकला 2.26 हेक्टेयर को घटाकर 0.99 हेक्टेयर छोड़ किया गया है। इसकी बन भूमि 0.99 हेक्टेयर की उपरीम हेतु कार्यालय बनाएगलायिकारी, बस्तर बनाएगल, जगदलपुर के ज्ञापन दिनांक 29/03/2019 द्वारा भूमि प्रदाय की गई है। अतः बन भूमि के उपरीम हेतु फॉरेस्ट कलीयरेस स्टेज-1 की आवश्यकता नहीं है।
2. परियोजना प्रस्तावक द्वारा कहा गया कि प्रस्तावित नियम क्षमत नगर पालिक विभाग, जगदलपुर के छोड़ से बाहर होने तक प्रस्तावित हाई राईज विलेंग हेतु ज्ञाम पंचायत के अधिकार छोड़ से बाहर होने के कारण भवन निर्माण अनुद्घा

कलेक्टर व अधिकारी, हाई राइज निमिति, जिला-बस्तर का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया गया है।

3. प्रस्तावित से-आरट में कृषाणपाल हेतु न्यूनतम 10 बीटर भौमी हासिल परिदृष्टि को दर्शाते हुये कृषाणपाल की संख्या तथा हेत्तेल का विवरण प्रस्तुत नहीं की गई है। ताथ ही कृषाणपाल हेतु कार्यवोजना प्रस्तुत नहीं किया गया है।
4. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव पूर्ण विवरण की साथ प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. ऐन बीटर हार्डिस्टिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संग्रहण की मात्रा की गणना करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।
6. भारतीय विभानपत्रान प्राधिकरण से प्रस्तावित हाई राइज विलिंग के निर्माण हेतु जारी अनापरित प्रभाव पत्र की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है।

निमिति द्वारा दस्तावेज वार्कशॉप से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था कि:-

1. कार्यालय उभगम्भीलालिकारी, बस्तर उभगम्भील जगदलभुर के छापन दिनांक 29/03/2019 द्वारा अस्पताल निर्माण हेतु 0.50 हेक्टेयर का भूमि, पत्र जारी दिनांक से 1 वर्ष हेतु प्रदाय की गई थी, जिसकी देखता जानका ही गई है। अत वृद्धि संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
2. नेफिकल चौलेज के लिए बर्तमान में प्रस्तावित दोग (त्रुपरीक्षित) को से-आरट में प्रदर्शित करते हुए (अस्पता आदि का छल्लेज करते हुए), न्यूनतम 10 बीटर भौमी हासिल परिदृष्टि को दर्शाते हुये कृषाणपाल की संख्या तथा हेत्तेल का विवरण प्रस्तुत किया जाए। ताथ ही कृषाणपाल हेतु कार्यवोजना प्रस्तुत किया जाए।
3. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु विस्तृत प्रस्ताव पूर्ण विवरण की साथ प्रस्तुत किया जाए।
4. ऐन बीटर हार्डिस्टिंग के प्रस्ताव हेतु संभावित जल संग्रहण की मात्रा की गणना करते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
5. भारतीय विभानपत्रान प्राधिकरण से प्रस्तावित हाई राइज विलिंग के निर्माण हेतु जारी अनापरित प्रभाव पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त समर्त पूर्ण जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।

ताहानुसार एस.ई.ए.सी., छर्टीसगढ़ के छापन दिनांक 16/05/2021 के चरित्रेष्व में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 07/09/2022 को प्रस्तुत किया गया है।

(५) निमिति की 435वीं बैठक दिनांक 31/08/2022:

निमिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निमिति पाई गई:-

1. कार्यालय उभगम्भीलालिकारी, बस्तर उभगम्भील बरतार, जगदलभुर के छापन दिनांक/क.त. अ./1582 जगदलभुर दिनांक 15/04/2021 द्वारा जारी पत्र अनुसार "इस कार्यालय द्वारा अस्पताल निर्माण हेतु बन भूमि (छोटे झाक का जंगल) अस्पता दिनांक 02, नक्सा 0.50 हेक्टेयर जाजस्त भूमि दिया गया है, जिसे जिला जारीप कर अधिकार समिति द्वारा अनुमोदन किया गया है। भूमि उपरोक्त भूमि का

कलिकाय निविधि समयावधि (दिनांक 01/04/2019) गे आपके हाथा बन लिया गया है और कर्तव्य समय मे भी आपको कलिकाय मे है। अतः उक्त भूमि का नवीनीकरण की जावश्यकता नहीं है। होना चाहिया गया है। एक ऐसी यह सफ्ट नहीं हो सकता की प्रस्तावित परियोजना हेतु खासगत छान्दो 81 का क्षेत्रफल एवं खासगत छान्दो 82 का किसाना-किसाना क्षेत्रफल है तथा उक्त मे से किसाना कीवराए कमभूमि एवं राजस्व भूमि के अंतर्गत हैं। अतः इस साल मे जामकारी खेगाया जाना आवश्यक है।

2. गोडिकल कौशिक के लिए बर्तमान मे प्रस्तावित क्षेत्र (पुनरीक्षित) को ले-आउट मे प्रदर्शित करते हुए (खासगत भूमि का उल्लेख करते हुए), न्यूलाल 10 नीटर शौकी हरिहर पटेटका की दस्ती हुये कृषारोपण की कुल संख्या 2,059 नव तथा क्षेत्रफल 1.112 हेक्टेयर का प्रस्तुत किया गया है। इसी हुये कृषारोपण हेतु कार्यशोजना प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार प्रथम वर्ष मे 1,000 नग, द्वितीय वर्ष मे 858 नग एवं तृतीय वर्ष मे 800 नग पौधों का बीचन किया जाना प्रस्तावित है।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा नीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु व्यापक निरीक्षण उपलब्ध निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)			
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)		
Following activities at Skill & Economic Development Activities						
Arrangement for vocational training to interested local youth						
8200	2%	164		8.20		
Computer Literacy and Assistance to Youth SHGs						
				8.20		
			Provision of Market linkage for selling the products through training center	8.20		
			Total	24.60		
Education facility						
			Donation of computers, books, furniture to village schools	16.40		
			Donation of stationary, books, scholarships to needy students	16.40		
			Maintenance/Repa	13.12		

		No. of village school buildings	
		Provision of RO System	11.48
		Total	57.40
Solid Waste Management Area			
		Solid Waste Treated Through Septic Tank Via Soak Pit	11.48
		Disposal of solid wastes	9.84
		Total	21.32
Rain Water Harvesting			
		Surface Water / Runoff Harvesting Techniques	9.84
		Rooftop Water Collection / Rainwater Cistern	5.74
		Water Harvesting Pond / Storage Tank	5.74
		Total	21.32
Women empowerment			
		Assistance to Women SHGs	8.20
		Vocational Training	8.20
		Total	16.40
Plantation in Community areas			
		Site Prep. Tree Purchase	8.20
		Tree maintenance Mulching	8.20
		Tree maintenance Watering	6.56
		Total	22.96
		Grand Total	164.00

4. उद्योग परिवर्त में वही जल का कुल लगभग 23.324 घासीटर है। प्रस्तावित परियोजना हेतु रेन बीटर हार्डस्टोर व्यवस्था की आवश्यकता न हो रिकार्ड स्टोरेज विधि लोकेश (व्यास 3 मीटर एवं गहराई 3 मीटर) एवं 5 नये रिकार्ड बेल (व्यास 1.52 मीटर एवं गहराई 3.05 मीटर) निमित्त विद्या जागा प्रस्तावित है।
5. भारतीय विभानपत्रकन प्रतिक्रिया के प्रस्तावित हाई राईज विलिंग के विरोध हेतु जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति के साथ में परियोजना प्रस्तावक द्वारा एक एकान्तरस्टैटस (अधिकारी) प्राइवेट लिमिटेड, इंडीर (भारप्रदेश) द्वारा दिनांक 10/02/2021 द्वारा जारी पत्र अनुसार "Under the provision of rule 62(C) (Table B) of the Chhattisgarh Bhumi Vikash Rules (1984), as per which no NOC is required from airport authority of India (AAI) for the building located

more than 2224 M from the nearest Civil Airport and not exceeding the height of 152 M.

In this regard, we have obtained a coordinate certificate from Survey of India, Which mentions that the aerial distance between the above mentioned site and the nearest airport is 9.7 KMs. Hence as per the said guidelines we are not required to obtain NOC from AAI." एवं इसकी प्रस्तुत की गई है।

अनियत द्वारा सरकारी सर्विसमंडि से निम्नलिखित निर्धारण किया गया है:-

- प्रस्तावित परियोजना हेतु सारांश जग्याक 81 का शेषकल एवं सारांश जग्याक 82 का विलना-विलना शेषकल है तथा उक्त में से विलना शेषकल बनभूमि एवं राजस्व भूमि के अंतर्गत है? इस संबंध में तथा जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- प्रस्तावित परियोजना द्वारा 0.99 हेक्टेएर बन भूमि में प्रस्तावित नियोग हेतु उपयोग में ली गई है, वह कौन से व्यक्ति की है? तथा जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- लेन्ड एडिशन फटाफट प्रस्तुत किया जाए।
- गामता में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित भूमि हेतु लै-आउट प्लान के एवं एस. फाईल सहित प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त विलित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तकरीबानी का विवरणीय नहीं।

तदानुसार एस.ई.ए.सी. समीक्षक के ज्ञापन दिनांक 09 / 11 / 2022 के परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 17 / 01 / 2024 की प्रस्तुत किया गया है।

(ii) समिति की 515वीं बैठक दिनांक 27 / 02 / 2024:

समिति द्वारा नियती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न नियती पाई गई:-

- प्रस्तावित परियोजना हेतु सारांश जग्याक 81 का शेषकल एवं सारांश जग्याक 82 का विलना-विलना शेषकल है तथा उक्त में से विलना शेषकल बनभूमि एवं राजस्व भूमि के अंतर्गत है? इस संबंध में तथा जानकारी निम्नलिखित प्रस्तुत किया गया है:-

S No.	Khasra No.	Forest land area (m ²) (a)	Revenue land area (m ²) (b)	Area of site demarcation (m ²) (c) ~ (b2+b3)	Area of site (as per survey) (m ²) (d)	Net Area of site (as per survey) (m ²) (e)	Built-up Area of site (as per survey) (m ²) (f)	For proposed project
01.	81		23,500					Hospital Building
02.	81/1 part of 81		22,250	44,750 (11.06 acres)	42,970.5 (10.62 acres)	41,650.4 (10.27 acres)	26,787.27	Hospital Building
03.	82							
4.		9,900						Hospital Building
5.		9,920						Community Centre

B.	2,680					Read wri...
Total	22,560					
	Total					

2. प्रस्तावित परियोजना द्वारा 0.99 हेक्टेएर बन भूमि में प्रस्तावित निर्माण हेतु संपर्कोंग में हिता जाने वाला खासगत क्षमता है। इस संबंध में कार्यालय वर्गपरिवहनाधिकारी, वर्गपरिवहन वस्त्रर, जनदलपुर के आवेदन अ./नारि. /1267/जगदलपुर दिनांक 20/03/2019 द्वारा अधिनियम 2006 की द्वारा 3(2) के तहत अस्पताल निर्माण हेतु बन भूमि प्रदाय वाचत् पत्र जारी किया गया है, जिसके अनुसार "उपर कार्य एक कर्ता के नीचेर प्रारंभ नहीं किया जाता है तो स्वीकृति स्वतः निरस्त हो जाती है" का प्रत्येक है।

इस संबंध में समिति का बता है कि बन विभाग द्वारा अस्पताल निर्माण हेतु उपर कार्य एक की वैधता नामांक हो जाती है। साथ ही समिति द्वारा यह भी बता जाता कि शानुदारिक केन्द्र निर्माण हेतु खासगत क्षमता 82, रखबा 0.992 हेक्टेएर सहुक निर्माण हेतु खासगत क्षमता 82, रखबा 0.268 हेक्टेएर हो जाए इन विभाग द्वारा जारी पत्र वीर वैधता नामांक हो जाती है। अतः समिति का बता है कि बन विभाग द्वारा निर्माण कार्य हेतु वैध पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

3. सेंड एरिया स्टेटमेंट प्रस्तुत किया गया है, जो निम्नानुसार है:-

AREA CALCULATION					
B. no.	Block	Ground Coverage (m ²)	Floor No. Numbers	Total Built- Up Area (m ²)	Height (m)
1	Hospital	3,133.46	B+G+10	22,065.04	47.55
2	Service Block	799.9	G	567.42	-M
3	STP/ETP	300	LG	300	-M
	TOTAL	4,232.76		22,065.04	

4. यात्राव में संपर्कोंग की जाने वाली प्रस्तावित भूमि हेतु से-आइट स्कैन और स्कैन कार्ड सहित प्रस्तुत किया जाए है।

समिति द्वारा तत्त्वान्वय सर्वेतामहि से निर्माणानुसार निर्धारा लिया गया यह:-

1. बन विभाग द्वारा बन भूमि में निर्माण कार्य हेतु वैध पत्र की प्रति (एवं कक्ष क्षमता तथा लीवफल आदि का उल्लेख करते हुये) प्रस्तुत किया जाए। साथ ही बिना अनुमति की निर्माण कार्य किया जाए है? तो उसकी वीर विस्तृत जानकारी फॉटोग्राफी सहित प्रस्तुत किया जाए।
2. मारका नारकार, यात्रीयरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंजूलय की अधिसूचना का आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अलगत जोई उल्लेखन का प्रकरण लिखित नहीं है। इस बाबत् जापा यज (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
3. इस परियोजना/वादाव से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अलगत मिली भी न्यायालय में संप्रित नहीं है। इस बाबत् जापा यज (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

यात्रीवत समिति जानकारी/दस्तावेज द्वारा हेतु संपर्कत आगामी कल्याणी की जाएगी।

लकड़ानुसार पकड़े एवं छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 19/04/2024 को परिवेश ये परियोजना प्रस्तावक क्रान्ति दिनांक 24/04/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(अ) समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

समिति द्वारा नस्ती/प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं कर्तव्य करने पर निम्न निष्ठा पाई गई—

- कार्यालय बगमपुरलालिकारी, बगमपुर बस्तर, जगदलपुर के ज्ञापन नमांक/क्र.नं. 34/1594 जगदलपुर, दिनांक 15/04/2021 हारा जारी पत्र अनुसार “धूकि उपरोक्त भूमि का अधिकार्य निश्चिह्न समझाया (01.04.2019) में आपके हाथ कर लिया गया है और वर्तमान समय में भी आपके अधिकार्य में है। अतः यहां भूमि का नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं है।” का उल्लेख है।
- आसा सरकार, परिवर्स, यन और जलयायु परियोजन बोर्ड की अधिकृतता नं. आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लिया नहीं है। इस आवत् राय पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- इस परियोजना/खदान की समिति कोई न्यायालयीन प्रकरण देख के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लिया गयी है। इस आवत् राय पर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विचार कियी उपरोक्त सर्वसम्मति से मेसर्स सब बलीशम कामयप समुत्ति नासकीय चिकित्सा भवानियालय (सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल अण्डर पी एम एस एस वाए. फॉर्म-IV) को शाम-डिमापाल, राहसील-जगदलपुर, जिला-बस्तर नियत खाता नमांक 81 एवं 82, ब्लॉक एरिया-4,15004 कार्यालय में प्रस्तावित विनियोग सेवकल 26,767.37 रुपौंस्टर हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति दिए जाने की अनुरोध की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/05/2024 को संपन्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार कियी उपरोक्त सर्वसम्मति से समिति की अनुरोध की स्वीकृत बताते हुये आवेदक — मेसर्स सब बलीशम कामयप समुत्ति नासकीय चिकित्सा भवानियालय (सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल अण्डर पी एम एस एस वाए. फॉर्म-IV) को पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने का विर्द्ध लिया गया। साथ ही समिति द्वारा विचारित शाली के अंतर्गत निहित किये गये शाली का पालन सुनिश्चित किया जाए। पालन नहीं किये जाने की स्थिति में विचित्र कार्यकारी की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक की सतारी पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किया जाए।

15. मेसर्स बलिहार लाईग बटोन मार्केट (प्रौ.— श्री विष्णु कुमार यायसाहार), शाम-बलिहार, राहसील-बिजाईगढ़, जिला-बलीयाबाजार-भाटापाना (संचियालय का नस्ती नमांक 1649)

ऑनलाईन आवेदन — प्राधिकरण नमांक — परामार्हए/ सीजी/ एमजाईएन/ 250448/2022, दिनांक 26/03/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कठिनी होने से ज्ञापन दिनांक 14/03/2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा सूचित जानलेली दिनांक 02 / 07 / 2022 की ओरुताईन प्रस्तुत गई गई।

प्रस्ताव का विवरण – यह पूर्व से संधारित पूरा पत्तर (ग्रीन समिति) खाद्य है; खदान शाम-सलिहा, अहमील-विलाईगढ़, जिला-बलीदाबाजार-भाटापांच विधायकांचा इनांक 189 / 2, कुल क्षेत्रफल-0.303 हेक्टेयर ने है। खदान की आंदोलित उत्सुकनव समात-1,072.7 टन प्रतिवर्ष है।

तदनुसार परियोजना प्रस्तावक की एकूण एसी, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 19 / 10 / 2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

हेतुकों का विवरण –

(अ) सामिति की 431वीं बैठक दिनांक 28 / 10 / 2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी दीपक कुमार देवांगन, अधिकृत प्रतिनिधि उपसीचित द्वारा उत्तीर्ण जानकारी का अक्षोक्तन एवं परीक्षण करने पर जिम्मा लिया गया गई।

1. पूर्व में खारी पर्यावरणीय स्थीरता संबंधी विवरण –

- i. पूर्व में कुल पत्तर खदान खाद्यांचा इनांक 189 / 2, कुल क्षेत्रफल-0.303 हेक्टेयर, समात-1,072.70 टन प्रतिवर्ष हेतु जिला स्तरीय पर्यावरण समिक्षक मिशनकरण प्राधिकरण, जिला-बलीदाबाजार-भाटापांच द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता दिनांक 14 / 02 / 2017 की जारी की गई। यह स्थीरता जारी दिनांक से 5 वर्ष तक की उद्दीप्ति हेतु नियम है।
 - ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में खारी पर्यावरणीय स्थीरता के गती के बाबत में भी गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। सामिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत स्तरीय कार्यवाही, भारत सरकार, पर्यावरण, गृह एवं जलवायु परिवर्तन बोर्ड, रायपुर से पूर्व में खारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
 - iii. मिशनकरण सलांगुला युक्तारोपण नहीं किया गया है।
 - iv. सामिति का मत है कि दिग्दं वर्षी में किये गये उत्सुकन चौ आघातन जानकारी खानिक जिम्मा से द्रभायित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
2. साम पंचायत का जनाधारित प्रभाग यज्ञ – उत्सुकन एवं जारी की स्थानना की संस्था में याम पंचायत सलिहापाट का दिनांक 25 / 06 / 2008 का जनाधारित प्रमाण यज्ञ प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्सुकन योजना – योजना फ्लान, इन्फ्राफ्रॉन्ट मैटेजमेंट घटान एवं कारी गलीजर प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो सप संचालक (खनि प्रभाग), जिला-बलीदाबाजार-भाटापांच की ज्ञापन इनांक 1828 / खालि / लीन-1 / 2016 बलीदाबाजार, दिनांक 20 / 12 / 2016 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 बीटर की परिवर्ति में स्थित खदान – कारीलय कलीकटर (खनि खाद्य), जिला-बलीदाबाजार-भाटापांच की ज्ञापन इनांक / 1044 / खालि / 2021 बलीदाबाजार, दिनांक 10 / 01 / 2022 की अनुसार आवेदित खदान से 500 बीटर के भीतर उत्पस्थित 3 खदाने, क्षेत्रफल 4.463 हेक्टेयर हैं।

5. 300 मीटर की परिधि में विषय भारकल्पिक लौज/संचालनाथ – कार्यालय कलेक्टर (विनियोज खाता), ज़िला-बलीदाबाजार-भाटाचार्य के आपन क्रमांक/1044/ख.लि./2021 बलीदाबाजार, दिनांक 10/01/2022 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उपर खाता से 300 मीटर की परिधि में कोई भी भारकल्पिक लौज यौक्ति नहीं बनाए रखा है।
6. चूमि एवं लीज का विवरण – चूमि एवं लीज भी शिवगुमार जात्याकाल के नाम पर है। लीज लौज 5 वर्गीय अर्थी है। लीज लौज 20 वर्गीय अर्थी है। तत्पश्चात् लीज लौज 20 वर्गीय अर्थी है। लीज लौज की अवधि छेत्र विस्तारित की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – कर्व 2016 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. इन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय इनमध्यस्थिकारी, बलीदाबाजार इनमध्यस्थित, बलीदाबाजार के आपन क्रमांक/तकनीकी/वार्गिक/2022/1736 बलीदाबाजार, दिनांक 17/06/2022 ने जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित छेत्र निकटतम का लौज की सीमा से 12 किमी. की दूरी पर है।
9. महत्वपूर्ण सीरियन्सी की दूरी – निकटतम आवाही घाम-सलिहा 515 मीटर, स्कूल घाम-सलिहा 515 मीटर एवं अन्यतात्म घाम-सलिहा 515 मीटर की दूरी पर स्थित है। साढ़ीय साजानार्व 830 मीटर एवं साजानार्व 8.8 किमी. दूर है। महानदी 575 मीटर, नाला 1.33 किमी. एवं तालाब 1.47 किमी. दूर है।
10. पारिस्थितिकीय / जैवविविधता संवेदनशील लौज – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी. की परिधि में अत्यधिक्षीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अम्यालय, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण लौज द्वारा घोषित किटिकली पौल्युट्रेट एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील लौज या पौधिता जैवविविधता लौज स्थित नहीं होना प्रतिबोधित किया गया है।
11. वर्षन संपर्क एवं खाता का विवरण – विकासालिक रिक्व 30,300 टन, नाईमेयल रिक्व 11,918 टन एवं लिक्विडरेवल रिक्व 10,726 टन है। लीज की 7.5 मीटर और 50 वर्गीय सीमा पहाड़ी (उत्तरानन के लिए अतिविशित लौज) का लौजफल 1,813.08 वर्गमीटर है। लीज का सर्ट लौजी मैक्नाईड लिंग से उत्तरानन किया जाता है। उत्तरानन की प्रस्तावित अविकलम गहराई 6 मीटर है। लीज लौज में लंबाई निटटी की मोटाई 2 मीटर वर्गीय लिंगकला उत्तरानन पूर्व में ही किया जा सकता है। वीथ की लंबाई 1.5 मीटर एवं चौड़ाई 1.5 मीटर है। खाता की समर्पित आयु 10 वर्ष है। लीज लौज में इवार स्थापित नहीं है एवं इसकी स्थापना का प्रस्ताव नहीं किया गया है। जैक हिन्ह से लिंग एवं कान्ट्रोल ब्रासिटिंग किया जाता है। खाता में कायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का त्रिकाल किया जाता है। वर्षन प्रस्तावित उत्तरानन का विवरण निम्नानुसार है—

सर्वे	प्रस्तावित उत्तरानन (टन)	सर्वे	प्रस्तावित उत्तरानन (टन)
प्रथम	1,072.70	पठ्ठन	1,072.70
द्वितीय	1,072.70	तीसरा	1,072.70
तृतीय	1,072.70	अष्टम	1,072.70
चौथा	1,072.70	नवम	1,072.70
पाँचम	1,072.70	दशम	1,072.70

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 4 लैनमीटर प्रतिदिन होती है। स्थान में विभिन्न किसाकरताएँ (जल घिरकरब, पृष्ठारोपण) हेतु जल की आपूर्ति आसपास नियत विशेषज्ञ स्थानीय में एकलिंग जल एवं पेयजल की आपूर्ति दृष्टव बैल के स्थान से की जाती है। इस बाबत् अनावृति प्रभाव पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
13. प्रस्तुतीकरण के दीर्घन परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि पेयजल की आपूर्ति दृष्टव बैल के स्थान से की जाएगी। इस समिति ने उनके द्वारा यह पर्याप्त नहीं किया गया है कि प्रस्तावित दृष्टव बैल सार्वजनिक है अथवा नियी?
- यदि नियत दृष्टव बैल लीज लैंड के भीतर अथवा अन्य स्थल पर व्यापितगत हो तो भू-जल की उपयोगिता हेतु सेंट्रल यात्रुपड़ गोटर अधीनिती की अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
 - यदि दृष्टव बैल सार्वजनिक हो तो जल आपूर्ति हेतु जाम पंचायत का अनावृति प्रभाव पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. कृषारोपण कार्य – लीज हेंड की सीमा में बाहर 7.5 मीटर की पट्टी में 100 नव कृषारोपण किया जाएगा। समिति का नह है कि लीज हेंड के बाहर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में कृषारोपण हेतु खेड़ों का नीपण, फोरिंग, खाद एवं सिधाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकवार व्यव का विवरण विस्तृत प्रस्ताव जाहिल प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
15. स्थान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्तरानन – लीज हेंड के सार्व और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी का कुल क्षेत्रफल 1,513.08 कर्गीटर हेंड है, जिसमें से 2 मीटर की बहुराई तक छहरी मिट्टी उत्तरानन है, जिसका उत्तरेव अनुमोदित मार्गिनिंग प्लान में किया गया है। अतः प्रतिवर्ष 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में उत्तरानन किया जाना पर्यावरणीय स्थीकृति की जाती का उत्तरानन है। परियोजना प्रस्तावक के विस्तृत नियमानुसार आवश्यक दण्डालक कार्यकाली किया जाना आवश्यक है।
16. उत्तरेष्टनीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवाया परिवर्तन विभाग, नई दिल्ली द्वारा नीन कोल जाईनिंग बोर्डवदा हेतु गानक पर्यावरणीय जाति जली की गई है। इस कानून वIII (j) के अनुसार—
- “The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan.”
- इसका ग्रनक जली के अनुसार जाईन लीज हेंड के अंदर 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पौन में कृषारोपण किया जाना आवश्यक है।
17. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय रिपोर्ट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। समिति का नह है कि घटकवार व्यव का विवरण रोडेल विस्तृत प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- समिति द्वारा उत्तम उद्देश्यालीन से निम्नानुसार गिरीय लिया गया था—

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन ग्राहितेवान एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय समर्त संस्कार, पर्यावरण, पर्यावरण और जलवाया परिवर्तन बोर्ड द्वारा जाने हेतु पत्र लेखा किया जाए।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति ने शुकारीपन हेतु निहित सर्वों की पालनार्थ उदाहरण हीन में शुकारीपन कर जियोटैग फोटोग्राफ्स (Geotag photographs) सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- विभिन्न वर्षों में लिये गये उत्तराधिनन की अधिनन जानकारी सुनिश्चित विचार से प्रभावित करनाकर प्रस्तुत किया जाए।
- पैराजल की आपूर्ति द्रव्यम वैल के माध्यम से लिये जाने के संबंध में उनके द्वारा यह अपहृत नहीं किया गया है कि प्रस्तावित द्रव्यम वैल कार्यान्वित है अथवा नियोजित है।
 - यदि लिया द्रव्यम वैल लीज सेन्टर के अंदर उपचार अन्य स्थल पर व्यक्तिगत हो तो यू-जल की उपयोगिता हेतु सेन्ट्रल रायफल बीटर अधीक्षिती से अनुमति प्राप्त किया जाए।
 - यदि द्रव्यम वैल कार्यान्वित हो तो जल आपूर्ति हेतु यान पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
- लीज हीन की ओर और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में शुकारीपन हेतु पीछी का संघरण, रोकेंग, खाद एवं सिंचाई तथा रस्त-स्थापन के लिए 6 वर्षों का घटकावार व्यय का विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
- लीज हीन का घटकावार व्यय का विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
- मार्फत लीज सेन्टर के छारों और 7.5 मीटर छोड़े सेमटी लीज के कुछ भाग में लिये गये उत्तराधिनन के कारण इन सेन्टर के उपचारी उपायों (Remedial Measures) के संबंध में तथा लीज हीन के अंदर नाईनिंग क्रियाकलाली के कारण उत्पन्न प्रदूषण के विवरण हेतु अवश्यक उपायों यथा शुकारीपन आदि के लिये उन्निश्चित उपचारी वायन् संचालनक, संचालनालय, भौमिकी तथा सुनिकान् इकायाली अवन् नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर (झल्लीसागढ़) की पत्र लेखा किया जाए।
- प्रतिवित्ति 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में अवैध उत्तराधिनन पाये जाने पर नियनानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु रायवालक, संचालनालय, भौमिकी तथा सुनिश्चित एवं पर्यावरण की ओर पहुँचाने हेतु झल्लीसागढ़ पर्यावरण सञ्चालन अटल, नवा रायपुर अटल नगर की आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु पत्र लेखा किया जाए।
- कन्ट्रोल बलासिटेंग प्रिये जाने वायन् रायवालक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- माईनिंग लीज हीन के अंदर संघर्ष शुकारीपन किये जाने एवं संभित पीछी का संरक्षाइक्स रेट (Survival rate) 50 प्रतिशत सुनिश्चित प्रिये जाने वायन् रायवालक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा नियनार्थी कंसीशन नियन (Minerals Concession Rule) के तहत वारान्सी प्रिलिनी द्वारा लीमालान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वायन् रायवालक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

12. वरियोजना प्रस्तावक का द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रबल प्राप्तिक
जल संग्रह, सालाय, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके नियम किये जाने
आवश्यक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. उत्तीर्णगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति को सहृदयीय लोगों को जोखार दिये जाने
के लिए जापक पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. वरियोजना प्रस्तावक द्वारा अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि
उनके विरुद्ध इस वरियोजना/समाज से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देख
के अंतर्गत किसी भी व्यापारिय में लकित नहीं है।

एप्रिल समस्त पूर्ण जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपर्युक्त आगामी कार्यवाही
की जाएगी।

तथा अनुसार एस.ई.सी., उत्तीर्णगढ़ की ज्ञापन दिनांक 26/12/2022 के विषेषज्ञ में
वरियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 26/03/2023 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत
किया गया।

(v) समिति की 463वीं बैठक दिनांक 10/05/2023:

समिति द्वारा नसी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न
नियति यहाँ दर्शाया गया:-

- वरियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की जारी के पास
में की यह कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति का यह है कि
वरियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत लोकीक कार्यालय भारत सरकार, पर्यावरण
मन एवं जलवायु विवरण मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता
का यातन प्रतीक्षित द्वारा कर प्रस्तुत किया जाना अवश्यक है।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता में कृषारीयण ऐतु निहित जारी गो पालनार्थ
छाड़ान क्षेत्र में कृषारीयण कर जियोटैग फोटोग्राफ (Geotag photographs)
सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
- कार्यालय कलेक्टर (खानिज सम्बन्ध), जिला-महाराज-विलार्हगढ़ की ज्ञापन
क्रमांक 38/खानि.1/2023 सुनानह-विलार्हगढ़, दिनांक 19/01/2023 द्वारा
जारी प्रमाण पत्र अनुसार विगत की गई उत्तरानन की जानकारी
निम्नानुसार है:-

वर्ष	संत्यादन (टर्न)
2016-17	निरंक
2017-18	25
2018-19	145
2019-20	155
2020-21	96
2021-22	50
2022-23 (दिसम्बर तक)	निरंक

4. जल की आपूर्ति धार्म पंचायत द्वारा ईकर के माध्यम से किये जाने वाले धार्म पंचायत सलिहायाट का अनाप्तित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
5. लौज ईकर की भीमा में यारी और 7.5 बीटर की पट्टी 2 बीटर की गहराई तक उत्तमित होने के बाबत 100 नग कूआरीपन को स्वृत्ति के अस-पास के लौज, सहभागि उपरांत प्राप्त शासकीय भूमि, व्यवहारी भूमि, खदान की पहुंचपार्ग, शासकीय साजामार्ग एवं परिक्रमा की रीत आदि में किये जाने वाले प्रतिवर्ष 26 नग कूआरीपन किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

समिति का मत है कि प्रस्तावित 100 नग कूआरीपन को प्रधान वर्ष में ही पूरी किये जाने हेतु उत्तमित लौज ईकर की भीमा में यारी और 7.5 बीटर की पट्टी को पुनरावाह कर फैली का रोपण, फैलांग, खाद एवं सिंचाई तथा रस-रखाने के लिए 5 वर्षीय का घटकावार व्यवहार का विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

6. नीईआर (Corporate Environment Responsibility) का घटकावार व्यवहार का विवरण सहित प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस संक्षेप में परियोजना प्रस्तावक द्वारा धार्म पंचायत सलिहायाट के सहभागि वाले के माध्यम से सीएसआर (Corporate Social Responsibility) के लाभ किये गये कार्यों की जानकारी प्रदाय नाम पीने वाले पानी हेतु ईकर उपलब्ध कराया, ज्ञानुदायिक भवन की परामर्श व प्रैरिटिंग कार्य, नाव के रोप के दोनों किनारे में कूआरीपन, बड़वी के किये ज्ञानकारी शिलालेख का विवरण एवं स्वृत्ति में यारी हेतु हेतुप्राप्त संवलन कराया जाना चाहाया गया है।

समिति का मत है कि सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के लाभ सहभागि स्वृत्ति अधिक ज़रूरितीय धार्म पंचायत के सहभागि उपरांत प्राप्त शासकीय भूमि ने सीएसआर (Corporate Social Responsibility) के लाभ किये गये कार्यों के अलिरिका अन्य प्रस्ताव विस्तृत प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। यदि कूआरीपन कार्य प्रस्तावित किया जाता है, तो कूआरीपन हेतु फैली का रोपण (50 प्रतिशत जीमन एवं सहित), गुरुत्वा हेतु फैलांग, खाद एवं सिंचाई तथा रस-रखाने के लिए 5 वर्षीय का घटकावार व्यवहार का विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

7. कट्टोरुप ब्लास्टिंग किये जाने वाले वावत शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. मार्किनिंग लौज ईकर के अंदर सघन कूआरीपन किये जाने एवं संरक्षित चौकों का संवर्याहित रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले वावत शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कनसेशन रिग्ल (Minerals Concession Rule) के लाभ सहभागी प्रिलार्स द्वारा लीभाकों का लार्च सुनिश्चित किये जाने वावत शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा कियी भी अकार का दुष्कृति जल का प्रयाह प्राकृतिक जल सज्जीव, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके सञ्चालन किये जाने वावत शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. जलीसमझ आदर्श पुनर्वास योग्यों के लाभ स्थानीय लौगिक सो सेजमार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अंदरूनीय (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनको विकल्प हस्त परियोजना/वाहन से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लखित नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा अंदरूनीय (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनको विकल्प भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृत वाहन वा.आ. ब०५(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई सल्लगाम का प्रवर्तन लखित नहीं है।

समिति द्वारा सल्लगाम वार्षिकीय समिति से निम्नानुसार निम्न लिखा गया था—

1. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा राष्ट्रपुर अटल नगर सी घूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का वाहन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. प्रस्तावित 100 नए बूकारीय को प्राप्त कर्म वी सी घूर्ण किये जाने हेतु सल्लगाम लैंडिंग होम दी सीमा में वाही और 7.5 मीटर की घट्टी को पुनर्वाचन कर पौधों का सेपन, कॉरिंग, साइर एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकावार यात्रा का प्रवरण विस्तृत प्रस्ताव वाहित प्रस्तुत किया जाए।
3. कीईआर (Corporate Environmental Responsibility) के तहत जासकीय क्षुलु अथवा संविति ग्राम पर्यावरण के सहभागी समर्पण प्राप्त राजसकीय चुनि में नीएसआर (Corporate Social Responsibility) को तहत किये गये कार्यों के अतिरिक्त अन्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है। तो बूकारीय की घूर्ण रोपण (50 द्वितीय जीवन दर समिति), सुखा हेतु कॉरिंग, साइर एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 6 वर्षों का घटकावार यात्रा का विवरण वाहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाहित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने समर्पित आगामी कार्यवाही की प्रारूपी।

तदानुसार एसईएसी, छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक 04/07/2023 के परिवेदन में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 26/04/2024 तो पानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(स) समिति की 53वीं बैठक दिनांक 30/08/2024:

समिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न लिखित पार्श्व गढ़—

1. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा राष्ट्रपुर अटल नगर सी घूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा घूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के लाली के पालन में की गई कर्तव्यवाही की स्व-प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति द्वारा ओट किया गया कि घूर्ण में एसईएसी, छत्तीसगढ़ ने द्वापन अनुक्रम 1413, दिनांक 19/09/2023 द्वारा “Clarification Requested on Requirement of Certified Compliance Report (CCR) in Non-Coal Mining Proposals without Expansion.” की शर्तों में भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की गारंडरीन

के लिए यह प्रेषित किया गया था, इस परिपेक्षम में भारीदाहीन प्राप्ति नहीं हुआ है। भारीदाहीन प्राप्ति होने पर तदानुसार कार्यकाली की जाएगी।

2. प्रसारित 100 नए बुलाईपाण की प्रधान राशि में ही यूरो किलो जाने हेतु उत्तराधित सीज द्वारा की सीमा ने आठी और 7.5 ग्रीटर की घट्टी की पुनर्जाहल का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार पौधों के लिए राशि 8,000 रुपये, फैसिल के लिए राशि 22,800 रुपये, साथ के लिए राशि 1,200 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 5,000 रुपये, रख-रखाव के लिए राशि 12,000 रुपये, कस्ट संरक्षण के लिए राशि 5,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 54,000 रुपये प्रधान राशि हेतु एवं कुल राशि 96,000 रुपये आगामी बार यही हेतु घटकावार राशि का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
Following activities at Village-Salihaghat				
30	2%	0.60	Pavitra Van Niman	1.73
			Total	1.73

4. सीईआर के आगमन परिवर्त यह निर्भाग के तहत (बरगद, कटहल, फीफल, खेत, अंबला एवं जामुन) 80 नए बुलाईपाण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पौधों के लिए राशि 6,500 रुपये, फैसिल के लिए राशि 25,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 5,000 रुपये, रख-रखाव एवं अन्य आदि के लिए राशि 12,000 रुपये हुत प्रकार प्रधान राशि में कुल राशि 48,500 रुपये रखा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,24,600 रुपये हेतु घटकावार राशि का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा यान पंचायत रालिंडापट के सहभागी उपरांत यथायोग्य स्थान (वासना क्रमांक 190/3 एवं 190/5, क्षेत्रफल 1.62 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।
5. समीति का नहीं है कि सीईआर एवं बुलाईपाण कार्य के नीमिटरिंग एवं वर्कशॉप हेतु डि-प्लाय समिति (प्रैवाइटर/प्रतिनिधि, यान पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं वित्त व्यापार समिति या छातीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। जान ही सीईआर एवं बुलाईपाण का कार्य पूर्ण होने के समर्थन गठित डि-प्लाय समिति से सहयोगित करना आवश्यक है।
6. माननीय एन.जी.टी., डिलिपल देव, नई दिल्ली द्वारा वर्तीद पाल्टोय विकास भारत सरकार, यांवीवरण, यन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य (अंतिम तिथि एप्रिलकोहरन नं. 186 ऑफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2016 को पारित आदेश में मुख्य रूप से निर्दिष्ट किया गया है।
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 in par with category B-1 by

SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.

- b) If a cluster or an individual house size exceed 5 ha. EA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार विभाग उपर्यांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. कार्यालय कलौदटर (खनिज जागा), जिला-बलीदाबाजार-महाटापाता के ज्ञापन अनुमति/1044/ख.लि./2021 वलीदाबाजार, दिनांक 10/01/2022 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के नीचेर अवस्थित 3 खदानों के लकड़ियाँ 4.463 हेक्टेयर हैं। आवेदित खदान (धान-सलिहा) का क्षेत्रफल 0.303 हेक्टेयर है। इस प्रकार आवेदित खदान (धान-सलिहा) का क्षेत्रफल 4.766 हेक्टेयर है। खदान की सीमा से 500 मीटर की वर्गित में स्वीकृत/संचालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 8 हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण यह खदान बी-३ क्षेत्री की गणी गयी।
2. मेहरस सलिहा लाईन सटीन माईन (प्री- भी लिव कुमार जायसवाल) के धान-सलिहा, रुहनील-खिलाईगढ़, जिला-बलीदाबाजार-महाटापाता के खदान अनुमति 189/२ में लिखत कुनूर घटवर (गीर्या खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफल-0.303 हेक्टेयर, जागता - 1.072.7 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति दिए गए दी अनुसारा की गई। जाय ही यह अनुजाता गटिया में एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन अनुमति 1413, दिनांक 13/09/2023 के परिवेष्य में भास्त सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायन विभाग द्वारा, वह दिल्ली री मार्गदर्शन द्वारा होने पर यसी अनुसार प्रभावित होती।

प्राविकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकरण पर प्राविकरण की दिनांक 27/09/2024 को संवन्ध 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राविकरण द्वारा नसी का अवलोकन किया गया। प्राविकरण द्वारा विभाग उपर्यांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. समिति की अनुजाता की स्वीकार करते हुए आवेदक – मेहरस सलिहा लाईन माईन (प्री- भी लिव कुमार जायसवाल) से निम्नानुसार अविवारित स्वीकृति जारी करने का निर्णय लिया गया—
 - i. लीज जारी होने के पश्चात् 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में तीन वर्गितानों में दोषी या शोषण कर, पौधों का नाशकान एवं रासायाकान कर जियोटेंग फौटोशाप्टा राहित आवधारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए.. छत्तीसगढ़ की देखित किया जाए।
 - ii. शी.ई.आर. के तहत तथा 7.5 मीटर की ओरी सीमा पट्टी में किंवदं जाने वाले कृषाणीय का सत्यापन बन विभाग के सामने अविवारी आवया बन विभाग द्वारा कृषाणीय का सत्यापन हेतु जियोटेंग राहित आवधारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए.. छत्तीसगढ़ की देखित किया जाए।
 - iii. शी.ई.आर. के अंतर्गत परिवर्तन विभाग की तहत किंवदं जाने वाले कार्य का सत्यापन हेतु जियोटेंग फौटोशाप्टा राहित आवधारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए.. छत्तीसगढ़ की देखित किया जाए।
 - iv. खनिज वा परिवाहन कारबैक वाहन से किया जाए, ताकि खनिज वाहन से बाहर नहीं गिरे। खनिज वा परिवाहन कर रहे वाहनों को जगता से अदिक नहीं भरा जाना कुरिशित किया जाए।

v. श्रीडीआर एवं कूलारोपण कार्य के मैनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु ओ-सदस्यीय समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि, याम एवंवाया के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं दिल्ला इकायान के छलीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण गवर्नर के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही श्रीडीआर एवं कूलारोपण का कार्य पूरी किये जाने के संपर्कत गठित ओ-सदस्यीय समिति भी संस्थापित कराया जाए।

साथ ही समिति द्वारा निहित किये गये जाती का यात्रन सुनिश्चित नहीं किये जाने की स्थिति में विविध ईमानीक एवं दम्भात्मक कार्यकारी की जाएगी।

2. साथ ही यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में एसईएसी-छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 14/03/2023 के विवेद्य में भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन नियमों, नई दिल्ली से नारीजान प्राप्त होने पर उसी अनुसार प्रभावित होगी।

परियोजना प्रस्तावक को सभी पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त जारी किया जाए।

16. गेहूं दुलदुला विकास की बहुन (प्रौ.- श्री दिवेश इसाई युपता), याम-दुलदुला, राहसील-दुलदुला, विना-बालपुर (संविवालय का नस्ती दिनांक 2004)

भारत सरकार के पर्यावरण, बन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेमोरांडम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न प्रकार है:-

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble N.G.T in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2018 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिस मेमोरांडम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा निलंग सारीय पर्यावरण समाप्ति नियरिंग प्रदिव्यकरण से जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनः अनुहारा (re-appraisal) हेतु एसईएसी-छलीसगढ़ के साथ ऑनलाइन आवेदन किया गया है।

विषय कस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ऑनलाइन आवेदन	ई.ली. - 447458 दिन 08/10/2023	
खदान का प्रकार	ग्रिट्टी (ग्रैन खनिज) खदान	सांकेतिक
शेषफल एवं कमता	2,255 हेक्टेकर एवं 1,400 घनमीटर जलियाँ	10,00,000 नग प्रतिवर्ष
खदान दिनांक	559/2, 559/7, 559/17, 559/18, 559/19, 559/20, 559/21 एवं 561	
मूल समिति	निजी भूमि श्री महेश प्रसाद युपता	मूल स्थानी के साहमति प्राप्त की जाती जानुरुता किया जाना आवश्यक है।
ईडक का विवरण	503वीं ईडक दिनांक 20/12/2023	इस्तुरीकरण हेतु सूचना दिनांक 15/12/2023
प्रस्तुतीकरण हेतु		विनेश प्रसाद युपता, ओपरेटर

चालानियत प्रतिवेदन		संपर्कित हुये।
पूर्व में जारी हुई का चालन प्रतिवेदन	चालन का प्रकार - फिटटी वर्सरा त्रावण - 559/2, 559/7, 559/17, 559/18, 559/19, 559/20, 559/21 एवं 561 लोकल - 2,255 हैक्टेयर क्षमता - 1,400 घनमीटर/वर्ष एवं 10,00,000 लम /वर्ष दिनांक - 21/02/2017	डी.इ.आर्ट.ए. जिला-जलपुर पर्यावरणीय समिति की बैठक दिनांक 09/12/2040 तक है।
पूर्व में जारी हुई का चालन प्रतिवेदन	स्व-प्रगतिशील - ही	नियोजित जारीनुसार 300 नया छालानेयम लिया गया है।
लिंगता बढ़ों में किये गये उत्थनन	दिनांक - 18/10/2022 वर्ष 2017 - 1,180 घनमीटर वर्ष 2018 - 1,280 घनमीटर वर्ष 2019 - 620 घनमीटर वर्ष 2020 - 100 घनमीटर वर्ष 2021 - 600 घनमीटर 03/2022 - 440 घनमीटर	समिति का बत है कि दिनांक 01/04/2022 से किये गये फिटटी उत्थनन की प्रगतिशील चालनकारी अद्यतन लिखती है तथा नियम ले प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
चाल वैधायत एन.ओ.सी.	चाल वैधायत दुलदुला दिनांक 12/07/2022	
उत्थनन योजना अनुमोदन	दिनांक 04/12/2020	
500 मीटर	दिनांक 21/09/2021	जन्य चालानों की संख्या नियंत्रक है।
200 मीटर	दिनांक 21/09/2021	30 मीटर में प्रत्यक्ष छाड़क है।
लीज बीब	लीज चालक - बी दिनेश प्रसाद गुप्ता अवधि - 10/12/2010 से 09/12/2040	पूर्व में लीज बी मोहन प्रसाद गुप्ता को नाम पर थी।
का विभाग एन.ओ.सी.	इनमण्डलाधिकारी जलपुर वनमण्डल जलपुर द्वारा जारी छापन दिनांक 27/11/2010 के प्रस्तुत अन्तर्गत प्रभाग पर अनुसार आवैदित लीज वन लीज के अंतर्गत नहीं आता है।	समिति का बत है कि आवैदित चालान से निकटतम वन लीज की दूरी का लल्लेज करके हुए कार्यालय वनमण्डलाधिकारी के जनापनित प्रभाग पर प्रस्तुत लिया जाना आवश्यक है।
महरवपुरी उत्थनकारी की दृष्टि	आवादी - दुलदुला 2 कि.मी. स्वाहा - दुलदुला 2 कि.मी. अरुचाल - दुलदुला 2 कि.मी. साढ़ीय चालमारी - 4.2 कि.मी. साञ्चारण - 20 कि.मी.	लीज नदी - 510 मीटर
पारिस्थितिकीय/ जैवविविधता संरक्षणसील लोक	8 कि.मी. की परिधि में अतिरिक्तीय सीमा, साढ़ीय साधारण अवधारणा, लोन्हीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित जिटिकली फौलपुटेंज एवं यालिसेप्टीकौय संरक्षणसील लोक या घोषित जैवविविधता लोक लियत नहीं है।	

खलन सुधारा तथा खलन का विवरण	खलनन गिरि - औपन काट यमुना रिंगोलि - पियोलिजिल 45,100 घनमीटर माईनेश्वर 27,581 घनमीटर प्रसादापिल गहराई 2 मीटर वैष गी ऊंचाई 1.5 मीटर वैष गी ऊंचाई 1.5 मीटर संभागित आयु 20 वर्ष विट्टी के साथ उपयोग हेतु पतली ऐसा का प्रतिशत - 30%	पर्यावरण प्रशासित खलनन प्रथम 1,400 घनमीटर द्वितीय 1,400 घनमीटर तृतीय 1,400 घनमीटर चतुर्थ 1,400 घनमीटर पंचम 1,400 घनमीटर
खलनन के लिए प्रीवेनियल क्षेत्र	लीज के 1 मीटर गोड़ी सीमा पट्टी का क्षेत्रफल - 1,621 घनमीटर	खलनन - नहीं
लीज क्षेत्र के भीतर मृदग उत्पादित	ही. क्षेत्रमाल - 2,140 घनमीटर पिंजरा विमली गी न्यूनतम ऊंचाई - 30 मीटर	
वैर खाईनिय	क्षेत्रफल - 101 घनमीटर क्षेत्र छोड़ने का उत्तराध - बीटर रिजर्वर के लिए	माईनिय प्लान में उल्लेख - ही
जल आपूर्ति	मात्र - 2 घनमीटर क्षेत्र - बीरवेल	सेन्डल गांव अवासिति से एक ही सी. प्राप्त है।।
कृषकोपयन कार्य	लीज क्षेत्र के 1 मीटर के गारी और ¹ कृषकोपयन - 150 नग किया जाना है।	प्रसादापित कार्य हेतु 5 वर्ष की राशि - 10,91,760
बंधी	4-2	आवेदित खदान को मिलाकर कुल क्षेत्रफल 2,256 हेक्टेयर है।

1. कौशिरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - परियोजना प्रसादापक द्वारा समिति की
रामबद्ध विस्तार से धर्मी उपरांत निम्नानुसार विस्तृत प्रसादाप व्यवस्था किया गया है:-

Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
36	2%	0.72	Following activities at nearby Miniyatala Govt. Primary School Village-Dukdula	
			Rain Water Harvesting	0.60
			Plantation work in School	0.12
			Total	0.72

2. लीज़ आर के अंतर्गत निमित्तता गांवकीय प्रशासिक शाल. गांव-दुलदुला में ऐन
गीटर हार्वेस्टिंग तथा कृषकोपयन का प्रसादाप व्यवस्था किया गया है। गांव ही प्रसादापित
स्थान के प्राचार्य (Principal) का सहायति चब व्यवस्था किया गया है। समिति का मत

है कि जाला परिवार के भीतर दिये जाने वाले मुकाबोपय की प्रधान वर्ष में ही पूर्ण दिए जाने तथा आगामी 4 वर्षों में नुकाबोपय (90 प्रतिशत की जीवन दर से) हेतु पौर्ण खंडित, खाद एवं चिंचाई तथा रस्त-रासाय के लिए 5 वर्षों का घटकावार एवं समयावधार आय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

जानिति हाथा तत्वावध राजीवामहि से गिम्बानुसार निर्णय लिया गया था—

1. उल्लङ्घन हेतु गृ-स्थानी की सहभागि पत्र भी प्रति प्रस्तुत किया जाए।
 2. दिनांक 01/04/2022 से दिये गये निम्नों उल्लङ्घन भी प्रमाणित जानकारी अवलम्बन विधि में खंडित विवाह से द्वापा वार प्रस्तुत किया जाए।
 3. अंतोदित खदान से विकलातम वन हीव की दूरी का उल्लेख करती हुए काव्यालय अवलम्बनाधिकारी के अनापरित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
 4. श्रीहंसार हे अंतर्गत जाला परिवार के भीतर दिये जाने वाले मुकाबोपय की प्रधान वर्ष में ही पूर्ण दिए जाने तथा आगामी 4 वर्षों में नुकाबोपय (90 प्रतिशत की जीवन दर से) हेतु पौर्ण खंडित, खाद एवं चिंचाई तथा रस्त-रासाय के लिए 5 वर्षों का घटकावार एवं समयावधार आय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
 5. परिवोजना से संबंधित खदान में निर्मित काढ़ी ईटों को हीव के भीतर सुखाए एवं होते वाहर लिनी भी उकार का खदान तथा इट संबंधी काढ़ी नहीं दिये जाने वाला शरण पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 6. उल्लीलागढ़ आदर्श पुनर्जीव लौगी की गोदान विवेद जाने हेतु शरण पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 7. परिवोजना प्रस्तावक हाथ खंडित विवाही के तहत कारबूद्धि विवाही हाथा लौगानीन का चारों सुभित्रियत किये जाने वाला शरण पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 8. परिवोजना प्रस्तावक हाथ इस आशय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके विवद इस खदान से संबंधित कोई व्यापारात्मीन प्रकरण देखा जा असंगत किसी भी नहायात्मय में लवित नहीं है।
 9. परिवोजना प्रस्तावक हाथ इस आशय का नोटरी के साथापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विवद भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवारीन भवालय की अधिसूचना का.पा. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लवित नहीं है।
 10. माननीय सुप्रीम कोर्ट हाथ दिनांक 02/06/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 11. माननीय सुप्रीम कोर्ट हाथ दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये विवाह निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- उपरोक्त जानिति जानकारी/दस्तावेज द्वापा होने वाली आगामी कर्तव्याधी की जाएगी।

लालनुसार एसडीएसी, प्रवक्तीसमूह के द्वायन दिनांक 23/02/2024 के परिपेक्ष्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 30/04/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(३) समिति की ६३३वीं बैठक दिनांक 30/05/2024;

समिति द्वारा नमूनी प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठियाँ पाई गई—

1. उत्तराखण्ड हेतु भू-स्वामी की सहमति पर की प्रति प्रस्तुत किया गया है।
2. कार्यालय कलेक्टर (नोगिया जारा), जिला-जारापुर के द्वायन क्रमांक 235/नोगि. जा. /2024 जारापुर, दिनांक 05/03/2024 द्वारा जारी अनुपत्ति प्रमाण अनुसार दिग्गज वर्षी में किये गये उत्तराखण्ड की जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	उत्पादन (लग)
2022-23	3,90,000
2023-24 (सितंबर 2023 तक)	50,000

3. कार्यालय इनमण्डलायिकारी, जारापुर इनमण्डल, जारापुर के द्वायन क्रमांक/नो. १५१/2024/1571 जारापुर, दिनांक 01/04/2024 से जारी जनापत्ति प्रमाण पर अनुसार आवेदित क्षेत्र से तम क्षेत्र की सीमा से २ से ३ कि.मी. एवं बच्चीय अम्बाराम्ब ३० से ३५ कि.मी. की दूरी पर है।
4. परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के सभी विस्तार से यही उत्पादन निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
36	2%	0.72	Following activities at nearby Govt. Primary School Village-Nomiyatala	
			Plantation work in School	4.81
			Total	4.81

5. सीईआर के अंतर्गत जाराकीय प्राथमिक शाला, नोगियालाला में दुषारोपण विवरण, कटहल, फीफल, बेल, आंवला एवं जामुन) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार ३० नग कीथों के लिए राशि ६०० रुपये, फेंसिंग के लिए राशि १८,७५० रुपये, लाद के लिए राशि ३०० रुपये, शिवाई के लिए राशि ५०,००० रुपये, रस्ते-रखाव एवं अन्य के लिए राशि ५,००० रुपये इस प्रस्ताव प्रधान वर्ष में कुल राशि १,१४,६५० रुपये तथा आगामी ४ वर्ष में कुल राशि २,८८,३६० रुपये हेतु प्राटक्षराव लाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

6. सीईआर के तहत प्रस्तावित स्कूल की प्रधारी (Principal) की सहमति पर प्रस्तुत किया गया है।

7. परियोजना दी समर्पित खाद्यान में निमित कार्यों हेटों को लौज की चीज सुधाने एवं लौज की बाहर किसी भी जगह का खाना तथा ईट संकेती कर्त्तव्य नहीं किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. छत्तीसगढ़ आदर्श दुनियाई नीति के तहत राजनीय स्तरों को रोपणार्थ दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उनिज नियमों के तहत बाधृष्टी प्रिलार्ड दुआ दीपाकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आलय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके द्विष्ट इस खाद्यान से समर्पित कोई व्यायालकीय प्रकल्प देश के अंतर्गत किसी भी व्यायालय में संवित नहीं है।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आलय का नीटों से सत्यापित शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके द्विष्ट आवास समर्पित, पर्यावरण, जल और जलवायु परिवर्तन मंजालय की अधिकारियत का अन्तर्गत दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
12. माननीय सुन्दीप कोटि द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की common cause vs. Union of India with petition (O) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का वालन किया जाएगा। इस वालन अंकरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. माननीय सुन्दीप कोटि द्वारा दिनांक 08 / 01 / 2020 की wrt petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का वालन किया जाएगा। इस वालन अंकरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. समिति का बत है कि सीईआर एवं गृहारोपण कार्य के बौनिटरिंग एवं पर्योग्यता के लिए त्रियोग्य समिति (त्रियोग्यार्डर/प्रतिनिधि, घास पर्याप्ति के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन बच्चल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) चाहिए किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं गृहारोपण का कार्य सूनी किसी जगते के उपरोक्त समिति त्रियोग्य समिति से सत्यापित कराया जाना आवश्यक है।
15. माननीय एन.जी.टी., गिरियाल बैरा, नई दिल्ली द्वारा कर्त्तव्य पालने के लिए आवास समर्पित, पर्यावरण, जल और जलवायु परिवर्तन मंजालय, नई दिल्ली एवं अन्य (त्रियोग्यार्डर दृष्टिकोण नं. 180 ओफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13 / 09 / 2018 की भारत आदेश में सुन्दर रूप से निर्दिष्ट समिति किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / BEAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा विभाग विभागी उपरोक्त समिति की आवेदक – गिरियाल दूलदुला डिस्ट्रीक्ट अर्डर ऑफ (डी. – श्री दिनेश ब्रह्म गुप्ता) की ग्राम-दूलदुला, रहसील-दूलदुला,

मिला—जामापुर की खसता नम्बर ५५९/२, ५५९/७, ५५९/१७, ५५९/१८, ५५९/१९, ५५९/२०, ५५९/२१ एवं ५६१ में लिखित विट्टी सख्तानन (भीषण समिति) खदान, कुल कोराम—२.२५५ हेक्टेयर, खसता—१.४०० घनमीटर (ईंट उत्पादन क्षमता इकाई १०,००,००० नग) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति दिए जाने की अनुमति दी गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार— उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक २७/०६/२०२४ को संघन १८१वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अकारोक्तन विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा विचार विनाश उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

१. समिति की अनुमति की स्वीकृत करते हुये आवेदक— नेशनल ब्लूडब्लू लिमिटेड आई बाईन (प्रो.— श्री दिनेश प्रसाद गुप्ता) को निम्नानुसार अलिंगित शर्तों के अधीन पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने का निर्णय लिया गया—
 १. लीज यारी होने की परवाह । गीटर की सीमा पट्टी में पौधों का सौफ्य कर, पौधों का नामांकन एवं संखांकन कर जियोटेंग फोटोडाफ्ट सहित अर्थवाचिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए., छलीशगढ़ की विविधता किया जाए ।
 २. श्री.ई.आर. के तहत ग्राम १ गीटर की गोदी सीमा पट्टी में डिये जाने वाले दृक्कारोपण का साधारण बन लियाग के साथ अधिकारी अध्यका बन लियाग द्वारा दृक्कारोपण के साधारण हेतु अधिकृत संस्थाओं (एडी.पाटी) से अनुमोदन कराकर अर्थवाचिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये एस.ई.आई.ए.ए., छलीशगढ़ की विविधता किया जाए ।
 ३. श्री.ई.आर. के अंतर्गत शासकीय प्राविनिक खाला, नौनियालाला में डिये जाने वाले कार्य के साधारण हेतु जियोटेंग फोटोडाफ्ट सहित अर्थवाचिक रिपोर्ट में सम्मति करते हुये एस.ई.आई.ए.ए., छलीशगढ़ की विविधता किया जाए ।
 ४. ईट का परिवहन बहुहर्ड याहन से किया जाए, ताकि ईट याहन से बहुर नहीं गिरे। ईट का परिवहन कम रहे बाहनी को क्षमता से अधिक नहीं भरा जाना चूनिविवत किया जाए ।
 ५. श्री.ई.आर. एवं दृक्कारोपण कार्य के भागिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु जि—सदस्यीय समिति (प्रोप्रेट्रिटर/इटिंगिंग, ग्राम बंचाना के बदाधिकारी/प्रार्टिनियि एवं जिला प्रशासन या छलीशगढ़ पर्यावरण संस्थान के प्रार्टिनियि/प्रार्टिनियि) गठित किया जाए। साथ ही श्री.ई.आर. एवं दृक्कारोपण का गार्य पूर्ण किये जाने की उपरांत गठित जि—सदस्यीय पार्टिंग से सम्बन्धित कारबा जाए ।

साथ ही समिति द्वारा निहित किये गये शर्तों का यातन चूनिविवत नहीं किये जाने की स्थिति में विधिवत विधानिक एवं दण्डात्मक साकंवाही की जाएगी।

परियोजना प्रवाहिक को साती पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र जारी किया जाए ।

१७. नेशनल ग्राहीयलना एनाईट बाईन (प्रो.— श्री दिनेश लुमिका), ग्राम—ग्राहीयलना, राहसील—परसागांव, जिला—कोकामांव (संधियालय का नस्ती नम्बर २५२५) अग्रजलाईन आवेदन — प्राकोजन नम्बर — एस.आई.ए./ सीजी/ एमआईए/ ४३३३३/ २०२३, दिनांक २०/०६/२०२३ द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से समालित ईमाईट (सुन्दर खानिज) खदान है। खदान धाम—गढ़ीपलना, राहगील—फरसागांव, ज़िला—कोटडुमांब रिप्टर खदान क्रमांक 2/53, कुल हेक्टेक्स—1.416 हेक्टेक्स हैं हैं। खदान की आधिकारिक उत्तरानन छापता—1,764 चम्बीटर प्रतिवर्ष है।

भारत सरकार ने पर्यावरण, बन एवं जलवायु बंजालय, नई दिल्ली द्वारा अधिकारी मेमोरांडम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न घासदान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त अधिकारी मेमोरांडम की तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिला सरकारी पर्यावरण समाधान नियंत्रण प्रतिक्रिया से जारी पर्यावरणीय स्थीरता के पुनर्जन्मस्थान (re-appraisal) हेतु एसईएसी—छत्तीसगढ़ के सम्भालपुराई आवेदन किया गया है।

लद्दानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 16/08/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 45वीं बैठक दिनांक 24/09/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु की जामकुमार नाय, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा गढ़ी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धि जारी गई—

1. पूर्व से जारी पर्यावरणीय स्थीरता की विवरण—

- i. पूर्व में ईमाईट खदान खदान क्रमांक 2/53 कुल हेक्टेक्स—3.50 एकड़, छापता—1,764 चम्बीटर प्रतिवर्ष हेतु जिला सरकारी पर्यावरण समाधान नियंत्रण प्रतिक्रिया, जिला—कोटडुमांब द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता दिनांक 28/09/2017 को जारी की गई।
- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व से जारी पर्यावरणीय स्थीरता के लाई के बालन ने की जारी जारीकाली की जानकारी पोटीयामस सहित प्रस्तुत की गई है। समिति का नत्त है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत लेखीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तीन संवालय, सख्तपुर ने पूर्व से जारी पर्यावरणीय स्थीरता का बालन प्रतिवेदन प्राप्त कर द्वारा किया जाना आवश्यक है।
- iii. सिद्धान्त जालीनुसार दूसारोंमें नहीं किया गया है। समिति का नत्त है कि पर्यावरणीय स्थीरता के लाई के अनुकूल किए गए सूचारोंपर (जीवी और शंखाकालन (Numbering) एवं नाम) पोटीयामस सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- iv. कार्यालय कलेक्टर (खानिज वारदा), जिला-कोषधारांव के द्वापन इमारत 113/खानिज/2023-24 कोषधारांव, दिनांक 23/08/2023 हाथ पारी प्रभाग पत्र अनुसार खिंचत वर्षी में किये गए संतुलनन की जानकारी निम्नानुसार है:-

वर्ष	उत्पादन (धनरूपर)
01/04/2018 से 31/03/2019	767.316
01/04/2019 से 31/03/2020	944.567
01/04/2020 से 31/03/2021	541.909
01/04/2021 से 31/03/2022	805.504
01/04/2022 से 31/03/2023	1,079.839
01/04/2023 से 31/07/2023	323.843

साधित का बता है कि दिनांक 06/09/2017 से 31/08/2018 तक किये गए संतुलन की वास्तविक वारदा की जानकारी खानिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. साधित हाता पदा विधि पूर्ण में श्रीईआईएए. ए.ग. हाता एनाईट (गैल खानिज) के अनुसार परिवर्तीय स्थीरता जाहीं किया गया है। इसमें से परिवर्तना प्रस्तुतक हाता एनाईट (मुख्य खानिज) द्वारा आवेदन किया गया है। साधित का बता है कि उक्त के संबंध में परिवर्तना प्रस्तुतक से संबंधीकरण गमाया जाना आवश्यक है।
3. एवं संवायत का अनापत्ति प्रभाग पत्र — संतुलन के संबंध में इन संवायत वहींपलना का दिनांक 17/09/2013 का अनापत्ति प्रभाग पत्र प्रस्तुत किया गया है।
4. संतुलन योजना — निम्न अंक गाईनिंग अलीग विधि प्रोटोकॉल नाहिन जलोजर पत्रान प्रस्तुत किया गया है, जो संयुक्त संगठनक (खानिजपत्र), संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकानी विधा चारपाँच अटल नगर के द्वापन इमारत 1590/एमसीसी/एपी-04/2014, अटल नगर, दिनांक 30/03/2019 हाता अनुसारित है।
5. 500 मीटर की वर्तिये में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खानिज वारदा), जिला-कोषधारांव के द्वापन इमारत 113/खानिज/2023-24 कोषधारांव, दिनांक 23/08/2023 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित खदानी की जांचा निरुक्त है।
6. 200 मीटर की वर्तिये में स्थित राहगारिक लोड/सीरेक्टर — कार्यालय कलेक्टर (खानिज वारदा), जिला-कोषधारांव के द्वापन इमारत 114/खानिज/2023-24 कोषधारांव, दिनांक 23/08/2023 हाता जारी प्रभाग पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की वर्तिये में कोई भी राहगारिक लोड जीसे भवित भरिजद, बरचाट, अच्यालस, स्कूल, पुल, बांध, राष्ट्रीय राजमार्ग, शाखामार्ग, एनीकट एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिक्रियित लोड निरुक्त नहीं है।
7. भूमि एवं लौज का दिवस्य — इह जानकारी भूमि है। लौज वी निम्न लुनिया के नाम पर है। लौज लौज 5 वर्षी अर्थात् दिनांक 26/04/1988 से 22/04/1993 तक की अवधि तक रहे थी। ताप्यशब्द लौज लौज 20 वर्षी अर्थात् दिनांक 01/01/2014 से 31/12/2033 तक की अवधि हेतु

पिस्तारित ही गई है। समिति का मत है कि वर्ष 1993 से 2014 तक की समिति ना लीज का विवरण प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

8. बन किएग का अनापेक्ष प्रमाण पत्र - कार्यालय बन ग्रामपालिकारी बन किएग का अनापेक्ष प्रमाण पत्र ग्रामपालिकारी के द्वायन छापक/मालि जोड़ागांव सामाज्य बन ग्रामपालिकारी के द्वायन छापक/मालि जोड़ागांव दिनांक 23/01/1998 द्वाया छारी पत्र अनुसार यह बन /359 को जोड़ागांव 1900 के द्वायनी के अंतर्गत नहीं आता है। समिति का मत योजना अधिनियम 1900 के द्वायनी के अंतर्गत नहीं आता है। समिति का मत है कि लीज हीज से निकटतम बन के बीज योजना अधिकारी द्वायी बनग्रामपालिकारी से अनापेक्ष प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना हुए बनग्रामपालिकारी से अनापेक्ष प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना हुए योजना अधिकारी द्वायी बनग्रामपालिकारी से अनापेक्ष प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
9. गहरायली संरचनाली की दृष्टि - निकटतम आखादी, स्कूल एवं अस्पताल शाम-पारदर्शनाव 1.73 किमी. की दृष्टि पर दिया है। शास्त्रीय राजमार्ग 1.7 किमी. एवं राजमार्ग 24 किमी. दूर है। बरसी नाला 2.23 किमी. दूर है।
10. पारिशिखालिकीय/प्रौद्योगिकीय संवेदनशील हीज - परियोजना प्रस्तावक त्रुपा 10 किमी. की परिभौमि में अंतर्देशीय बीमा, कंटीय प्रदूषण नियंत्रण और द्वारा घोषित क्रिटिकली वील्युटेड एरिया, पारिशिखालिकीय संवेदनशील हीज या घोषित प्रौद्योगिकीय बीन नियत नहीं होना प्रतिबोधित किया है।
11. स्थान संपदा एवं स्थान का विवरण - विधीलीमिकत रिजर्व 1,50,925 एकड़ीटर एवं भार्डनेटल रिजर्व 61,700 एकड़ीटर है। हीज की 7.5 मीटर भीड़ी घनमीटर एवं घनमीटर रिजर्व 61,700 एकड़ीटर है। हीज की 7.5 मीटर भीड़ी (स्थानकाल के लिए प्रतिबंधित हीज) का हीजकल 3,644 एकड़ीटर है। सीमा वटी (स्थानकाल के लिए प्रतिबंधित हीज) का हीजकल 3,644 एकड़ीटर है। स्थानकाल की घोषण कास्ट सेमी मेंकेनाइफ्ट विधि से उत्पन्न किया जाता है। उत्पन्न की घोषण कास्ट सेमी मेंकेनाइफ्ट विधि से उत्पन्न किया जाता है। हीज हीज में उपरी घट्टी की ओटाई प्रस्तावित अधिकारीम गहराई 18 मीटर है। हीज हीज में ऊपरी घट्टी की ओटाई 0.5 मीटर तथा कुल भावा 1,316 एकड़ीटर है। हीज हीज में ऊपरी घट्टी की 0.5 मीटर तथा कुल भावा 1,316 एकड़ीटर है। वीच की ऊपरी 3 मीटर मोटाई 0.5 मीटर तथा कुल भावा 1,316 एकड़ीटर है। हीज हीज में एवं ऊपरी 4 मीटर है। चादान की संभागित अम्बु 43 वर्ग है। हीज हीज में उपरी व्यापक नहीं है तथा इसकी स्थापना का प्रस्ताव नहीं किया जाता है। जीक जगह एवं द्वितीय एवं कंटोल बनास्टिंग विधि जाता है। जगह एवं बायु प्रदूषण हैमर से द्वितीय एवं कंटोल बनास्टिंग विधि जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्पन्न का विवरण निष्पादित है—

वर्ब	प्रस्तावित उत्पन्न (एकड़ीटर)
प्रथम	1,764
द्वितीय	1,764
तृतीय	1,764
चतुर्थ	1,764
पंचम	1,764

12. जल आपूर्ति - परियोजना हेतु जावस्थक जल की जावा 9 एकड़ीटर प्रतिवर्ष होती है। 2 एकड़ीटर द्वितीय भू-जल की उपयोगिता हेतु सौन्दर्य जावस्थक वीटर से अनुगति प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाया है। समिति का मत है कि अपरिहर्ते से अनुगति प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाया है। समिति का मत है कि अपरिहर्ते से अनुगति प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाया है। वर्षावार व्यापक जल की आपूर्ति स्थोत एवं अनुगति संबंधी जानकारी/वस्तावित जल का प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

13. कृषाणीय कार्ब - लौज शेज की सीमा में चारी ओर 7.5 मीटर की पट्टी में 729 नए कृषाणीय लिखने जाएगा। प्रस्तुत प्रकल्प अनुसार पीपी के लिए राशि 55,404 रुपये, फोटोग्राफ के लिए राशि 1,63,400 रुपये, खाद के लिए राशि 5,460 रुपये, लिंचाई एवं रख-रखाव के लिए राशि 2,16,000 रुपये इस प्रकार प्रबन्ध की में कुल राशि 4,40,264 रुपये एवं रख-रखाव के लिए आगामी 4 वर्ष तक राशि 8,38,362 रुपये प्रतिवर्ष हेतु जाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
14. ज्वान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्कर्षनन - लौज शेज की चारी ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्कर्षनन कार्ब नहीं किया जाय है।
15. कौपीरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - वरियोजना प्रस्तावक द्वारा नामिति के सम्बन्ध में चारी उपरोक्त निम्नानुसार लिखने प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)		
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)	
32		Following activities at Nearby Village- Gattipalna			
2%		Plantation in Muktidham		12.70	
		Total		12.70	

सीईआर के अंतर्गत मुक्तिशाम में कृषाणीय (भीम, वीपल, आम, जामुन, कटहल, काढम, करंज, आवला, झमलताम आदि) हेतु प्रस्तुत प्रकल्प अनुसार 400 नए पीपी के लिए राशि 30,400 रुपये, फोटोग्राफ के लिए राशि 143,300 रुपये, खाद के लिए राशि 3,000 रुपये, लिंचाई के लिए राशि 1,20,000 रुपये एवं रख-रखाव आदि के लिए राशि 98,000 रुपये, इस प्रकार प्रबन्ध की में कुल राशि 3,92,700 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 8,77,360 रुपये हेतु घटकार अट एवं विवरण प्रस्तुत किया गया है। वरियोजना प्रस्तावक द्वारा द्वाम पंचायत गट्टीयतमा के सहमति उपरोक्त जायायीन्द्र तथा उपरोक्त 42/1 कीनकल 0.250 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

नामिति द्वारा उत्तमता संरक्षणकी से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

- एवंकीकृत कीड़ीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन संचालन, सायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का यातन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के सारी के अनुसर किए गए कृषाणीय (पीपी में संख्यांकन (Numbering) एवं नाम) फोटोशाप्ट स्वीकृत जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- पूर्व में शोईआईएए, छ.ल. द्वारा रेनाईट (भीम खनिज) के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किया गया है। वर्तमान में रेनाईट (मुख्य खनिज) हेतु अवेदन किया गया है। अतः उपरोक्त संबंध में रेनाईट प्रस्तुत किया जाए।

4. दिनांक 08/09/2017 से 31/03/2018 तक किए गए यात्राओं की वास्तविक यात्रा की जानकारी सुनिश्चित रूपान्तर प्रस्तुत किया जाए।
 5. लोअर लीवर कर्म 1993 से 2014 तक की अवधि को विवरण प्रस्तुत किया जाए।
 6. लोअर लीवर से निकलाटम तक होते वास्तविक दूरी का यात्रालेवल करते हुये बहनमण्डलायिकारी से अन्वयित प्रभाव पक्ष प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
 7. लोअर लीवर से निकलाटम राष्ट्रीय उद्यान एवं यस्ते लोअर अम्बरपानी की दूरी का यात्रालेवल करते हुये उप-संचालक (वन्यजाती एवं जीव विविधता संरक्षण) से अन्वयित प्रभाव पक्ष प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
 8. ऊपरी मिट्टी एवं औषहर बर्फील प्रक्षेपण गोजना प्रस्तुत किया जाए।
 9. जल की आवृत्ति (हीथ उ एनबीटर प्रतिदिन) स्थोत एवं अनुचिती जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
 10. बहुउद्दिष्ट उपर्युक्त उपर्युक्त तो विवरण हेतु नियमित जल विकास किये जाने वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 11. छत्तीसगढ़ जारी मुनाफास नीति के तहत यानीय लोअरी को नीजगार दिये जाने हेतु उपर्युक्त शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 12. भाईनिय लोअर लीवर के अंदर साधन युक्तावैयण किये जाने एवं रोपित वीड़ी का समराइबल रेट (Survival rate) 80 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सीलन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बालग्नी वित्तार्थ द्वारा सीमांकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 14. ब्लास्टिंग कर कार्य वीजी एम.एस. द्वारा उपस्थिति विस्पोटक लाईसेन्स धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑफरटॉकिंग (Underaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध भास्त सारकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना का.प्रा. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लकिया नहीं है।
 16. यानीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India वर्ती petition (C) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा इस वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 17. यानीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 वर्ती petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा इस वायर शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- ऊपरीका जाहिर जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तकरीत जानानी कार्यशक्ती की जाएगी।

लदानुसार एकड़ी ए.सी., समीक्षण के आपन दिनांक 30/11/2023 के परिणय में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 30/04/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(ब) समिति की ८३३वीं बैठक दिनांक 30/05/2024:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अकलीकरण एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्पत्ति पाई गई—

1. एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, जल एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के गहरे के कालन में की गई कार्यवाही की स्व-प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत की गई है।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के गहरे की अनुसार प्रस्तुत संख्यांकन (Numbering) एवं नाम (Name) प्रोटोकॉल सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
3. पूर्व में गोई-आई-ए.ए., छ.प. द्वारा ऐनार्ड (गोइ खानिक) के अनुसार पर्यावरणीय स्थीकृति जारी किया गया है। यहांमान में ऐनार्ड (गोइ खानिक) हेतु जावेदन किया गया है। अतः यहां के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का वक्तव्य है कि यह एक नीय खानिक खानान है, जुटिवाला मुख्य खानिक का संस्तीक्षा हो गया है।
4. कार्यालय कलेक्टर (खानिक शास्त्र), जिला-कोष्ठागांव के आपन दिनांक 142/खानिक/2023-24 कोण्डागांव, दिनांक 08/01/2024 द्वारा जारी इमारत अनुसार दिनांक 08/09/2017 से 31/03/2018 में किये गये उत्तराधार वार्षीय भवन की मात्रा 346.562 घनमीटर है।
5. सीज श्री विजल लुनिया की नाम पर है। लीज दीड वर्ष 1993 से 2014 तक की प्रति प्रस्तुत की गई है।
6. कार्यालय दनभद्रलालिकारी, कैशकाल वनमण्डल, गोइकाल, जिला-कोण्डागांव के आपन दिनांक 21/भार्डि/अना. 2023-24 लोकाल, दिनांक 02/01/2024 से जारी अनापत्ति इमारत वक्त अनुसार आवैदित शेत्र से यह ही की सीमा से 300 मीटर की दूरी पर है।
7. कार्यालय दन वनमण्डलालिकारी, कैशकाल वनमण्डल, वनमण्डल कैशकाल, जिला-कोण्डागांव के आपन दिनांक 982 उत्तराधार, दिनांक 15/12/2023 से जारी अनापत्ति इमारत वक्त अनुसार लीज शेत्र से निकलटग राष्ट्रीय राज्यान एवं बन्ध जीव अन्यान्य से 200 किलोमीटर पूरी पर है।
8. क्षेत्री निटटी एवं ओवर बहन उत्तराधार योजना प्रस्तुत किये जाने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का वक्तव्य है कि यह पूर्व से संचालित ऐनार्ड खानान है। अतः पूर्व से ही उपरी निटटी उत्तराधार की जा चुकी है, जिसका उत्तराधार सीज श्री गोई और गुहालीपाल में किया गया है। ओवर बहन का उत्तराधार सरकारी के स्व-रक्षण हेतु किया जाता है।
9. शीम ३ घनमीटर प्रतिदिन जल की आपूर्ति भू-जल से की जाएगी। इस बाबा शीम्टल ग्राम्य बीटर अपीलिटी की अनुमति द्वारा कर प्रस्तुत किया गया है।
10. प्रधानिकार्ड बर्ट उत्तराधार के विधेयक हेतु निष्पत्ति जल कियुकार विद्यु जाने वायल शाफ्ट वक्त (Mechanized underaking) प्रस्तुत किया गया है।

11. उत्तीर्णगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत कथानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 12. सहीनिंग लोग हेतु के अंदर जाप्त युक्तारोपण दिये जाने एवं संपत्ति पौधों का सरकारीपत्र रेट (Survival rate) 60 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सेशन रियल (Minerals Concession Rule) के तहत जाउणी विलमती द्वारा सीमावंत का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 14. ब्लास्टिंग का कार्य की जीएमएस द्वारा अधिकृत डिस्पोल्हर लाईसेंस वालक (Explosive License Holder) द्वारा करावे जाने वाले जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलम्ब भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंजाराम की अधिसूचना बाब्ता. 804(ब), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कीई तुलसीपत्र का प्रकरण लिया नहीं है।
 16. मानवीय सुरक्षा कोई द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 214 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा द्वारा जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 17. मानवीय सुरक्षा कोई द्वारा दिनांक 06/01/2020 की writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा द्वारा जाप्त घर (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
 18. समिति जग मत है कि सीईआर एवं युक्तारोपण कार्य के नोटिफिरिंग एवं पर्यावरण हेतु ब्रिप्पलीय समिति (प्रोप्रोटाइटर/प्रतिनिधि, जाम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान बहुमत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) नहिं किया जाना आवश्यक है। जाम ही सीईआर एवं युक्तारोपण का कार्य पूरी तरिके जाने के उपरांत गठित ब्रिप्पलीय समिति से सत्यापित गरिबारा जाना आवश्यक है।
 19. मानवीय सुरक्षा, विसियल बैर, नई दिल्ली द्वारा सर्वोच्च विनायक भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन बंजाराम, नई दिल्ली एवं अन्य (ओटिजनल एजिकेशन नं. 188 ओफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में मुख्य रूप से निमानुसार निर्दिष्ट किया गया है—
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा विभागीय संपर्क सर्वानुभवि ने निमानुसार निर्देश लिया गया—

- कार्यालय कलेक्टर (खण्डित खाद्य), जिला-सीमांचल की छापन नम्बर 113/खण्डित/2023-24 को प्रकाशित, दिनांक 23/08/2023 की अनुसार आवैदित खदान से 500 मीटर के गोतर आवश्यक खदानों की संख्या निर्दित है। आवैदित खदान (दाम-गढ़ीपत्तन) का क्षेत्रफल 0.303 हेक्टेयर है। खदान की ऊंचाई से 600 मीटर की परिधि में नीचौता/संचालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर का उससे कम होने की कामय यह खदान भी-2 लेणी की जानी चाही।
- मैसारे गढ़ीपत्तन देनार्ह भाइन (झो-बी विनल लुचिया) की दाम-गढ़ीपत्तन, राहसील-परसामांच, जिला-कोडाळांच के खसरा तामाक 2/53 में विष्ट देनार्ह (मुख्य खण्डित) खदान कुल क्षेत्रफल-1.416 हेक्टेयर, कमता - 1,764 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय सीधौति दिए जाने की अनुमति की चाही।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार - उपरोक्त प्रकाश एवं प्राधिकरण की दिनांक 27/05/2024 को नंबर 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया कि समिति द्वारा देनार्ह (मुख्य खण्डित) खदान की अनुसार पर्यावरणीय सीधौति हेतु अनुमति की गई है, जबकि समिति की 533वीं बैठक दिनांक 30/05/2024 के कार्यकारी विवरण के विन्दु तामाक 3 में 'भूर्णे में बीई-डाइए-ए. ए.ग. द्वारा देनार्ह (झो-बी खण्डित) की अनुसार पर्यावरणीय सीधौति जारी किया गया है। वर्तमान में देनार्ह (मुख्य खण्डित) हेतु आवैदन किया गया है। अतः उक्त के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का वापन है कि यह एक नीय खण्डित खदान है, जुटिया मुख्य खण्डित का उत्तरेक्षा हो गया है। का उत्तरेक्षा किया गया है। उक्त से वह काष्ट नहीं हो पा रहा है कि आवैदित प्रकाश मुख्य खण्डित या झो-बी खण्डित का है? जाव ही यह भी काष्ट नहीं है कि आवैदित द्वारा पर्यावरणीय सीधौति जारी किया जाना है। उपरोक्त विसंगतियों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा विचार विचार संपत्ति संरक्षणीयी के उचितता तथ्यों के परिषेक में पर्यावरण संपत्ति अनुमति दिये जाने हेतु प्रकाश को एसडॉएसी, उत्तीर्णांड के समक्ष प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

एसडॉएसी, उत्तीर्णांड एवं परियोजना प्रस्तावक को उदानुसार सुचित किया जाए।

एवेन्यु खदान तामाक-३

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रेषित वाडिया जानकारी/दस्तावेज/पत्र प्राप्त द्वाकरणी में अवलोकन प्राप्त विचार कर पर्यावरणीय सीधौति / टीकोडार / अन्य आवश्यक निर्णय लिया जाना।

- मैसारे लखदार कोल एवं विनलका बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, दाम-नदानुप-विवरणांच, राहसील व जिला-सूरजपुर

बैनलाईन आवैदन - प्रपोजित नम्बर - एसआईए/सीओ/सीएसआईए/2023/09/2023, दिनांक 06/05/2023। मैसारे हिन्द गली समिसेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी पर्यावरणीय सीधौति को मैसारे लखदार कोल एवं विनलका बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड को नाम पर नामांकित (Transfer) किये जाने हेतु आवैदन किया गया है।

प्रकाशन का विवरण –

1. नवीन औद्योगिक हेतु, नवनयनपुर विवरणोंज, लहानील व जिला-सूरजपुर लिपत प्लाट नं. 140-147, 163-165, 173-175 एवं 166-172, कुल क्षेत्रफल 5.74 एकड़, कोल गोपीनाथ शमशा-0.6 निरियन टन प्रतिवर्ष (कुछ एवर जिंग ड्रोसेस) की है।
2. पूर्व में एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को ज्ञापन अन्तर्क 1325, दिनांक 27/01/2017 द्वारा औद्योगिक हेतु, नवनयनपुर विवरणोंज, लहानील व जिला-सूरजपुर लिपत प्लाट नं. 140-147, 163-165, 173-175 एवं 166-172, कुल क्षेत्रफल 5.74 एकड़, कोल गोपीनाथ शमशा-0.6 निरियन टन प्रतिवर्ष (कुछ एवर जिंग ड्रोसेस) हेतु मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई है।
3. क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संबंध, जिला-सूरजपुर द्वारा कोल गोपीनाथ शमशा-0.6 निरियन टन प्रतिवर्ष (कुछ एवर जिंग ड्रोसेस) हेतु जल एवं जल सम्बन्धी नवीनीकरण दिनांक 30/03/2022 को मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जारी की गई है, जो दिनांक 31/03/2025 तक जी अधिक हेतु रहा है।
4. मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को मेसर्स लखदातर कोल एप्ल विनरल्स बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर हुक्मांशन किये जाने वाला मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड का अभावता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
5. मेसर्स लखदातर कोल एप्ल विनरल्स बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पूर्व मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति ने अविशेषित रूपी का यातन किये जाने वाला जप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
6. मेसर्स लखदातर कोल एप्ल विनरल्स बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का विवरण का प्रमाण पत्र (Certificate of incorporation) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
7. मेसर्स हिन्द मल्टी सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड का द कम्पनीज एकट. 1956 की प्रति प्रस्तुत जी गई है।
8. मेसर्स लखदातर कोल एप्ल विनरल्स बैनीफिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बोर्ड ऑफ रिसील्युल्यन जी प्रति प्रस्तुत की गई है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक ने विचार – संपर्क संकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 04/08/2023 को संपन्न 152वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा 04/08/2023 को संपर्क संकरण पर अपलोड किया गया। प्राधिकरण द्वारा संवैधानिकी नियम लिया गया जा रहा है—

1. RoC Certificate has not been submitted, please submit either a copy of Certificate of Incorporation pursuant to change of name from Hind Multi to Lakhadatar Coal issued by Registrar of Companies, Ministry of Corporate Affairs or N.C.L.T. order.
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का यातन प्रतिवेदन एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, उन एवं जलवाया परिवार मंत्रालय, जो सावधान अटल जगद् से प्राप्त तरह प्रस्तुत किया जाए।

संपर्कका वापिस जानकारी/दस्तावेज द्वायत होने संपर्कत आगामी कालक्षयाही की प्रस्तुती।

एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ के द्वारा दिनांक 05/09/2023 के परियोजने व परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 28/06/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – संपर्कत प्रकल्प पर प्राधिकरण ती दिनांक 27 / 06 / 2024 को संघम्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अवलोकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया कि:-

1. Government Of India, Ministry of Corporate Affairs द्वारा जारी Certificate of Incorporation की प्रति प्रस्तुत की गई है।
2. छत्तीसगढ़ स्टेट हायड्रोस्ट्रयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ज्ञापन इमाक सीएसआईडीसी/पु.अ./2023/454 रायपुर, दिनांक 01/03/2023 द्वारा मेसारी हिन्द मल्टी सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड की औद्योगिक होब नयनपुर-गिरिहरान्ज जिला-सूरजपुर में आवृत्ति मू-खाते को मेसारी लखदार कोल एवं निमरला बैनीफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड के नाम से भूमि हस्तांतरण आदेश जारी किया गया है।
3. छत्तीसगढ़ स्टेट हायड्रोस्ट्रयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दिनांक 24/03/2023 के मात्रम से मेसारी लखदार कोल एवं निमरला बैनीफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड को लीज सीढ़ जारी की गई है, किसकी विधा दिनांक 28/06/2109 तक है।
4. परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी में बताया गया कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन केतु एकीकृत शोधीय कानूनीय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर छाटा नगर में आयोजन किया गया है। एकीकृत शोधीय कानूनीय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर छाटा नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन द्वारा नहीं होने के कारण से उभयं द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के बौद्धिक मेमोरांडम दिनांक 08/06/2022 को परिवहन में बदल्य सकिए, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान नंदेल, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन द्वारा कर प्रस्तुत किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – संपर्कत प्रकल्प पर प्राधिकरण की दिनांक 27 / 06 / 2024 को संघम्न 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अवलोकन किया गया। संपर्कत उच्ची एवं दस्तावेज के अधार पर प्राधिकरण द्वारा विचार किया उच्चता सर्वसम्मति से मेसारी हिन्द मल्टी सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड को एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन क्रमांक 1325, दिनांक 27 / 01 / 2017 द्वारा जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को मेसारी लखदार बन कोल एवं निमरला बैनीफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड के नाम पर हस्तांतरण (Transfer) किये जाने का निर्भय लिखा गया।

परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरणीय स्वीकृति में नाम परिवर्तन करतु यथा जारी किया जाए।

2. गैरसारी कोसाना विकास अवृंद के साथी (प्रौ.- श्रीमती रीमा जायसवाल), प्राम-कोसांग, उहरीनील-लखनपुर, जिला-सरगुजा (संधिकालीय का नमस्ती क्रमांक 2301) श्रीनारायण लाईंगन - उपरोक्त नम्बर - एसआईए/ श्रीमती/ एसआईए/ 410074/ 2023, दिनांक 06/02/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन दिया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह प्रस्तावित निट्रो उत्तरान (गौण सूनिज) खदान (जिना शिमली भट्टा की) है। खदान प्राम-कोसांग, उहरीनील-लखनपुर, जिला-सरगुजा शिमला क्रमांक 449/2, 446/2, 462/1 एवं 452/3, कुल खेतकला-1,473 हेक्टेयर में प्रस्तावित है। खदान की आवेदित उत्तरान कमाता-1,000 मीट्रिक्टर प्रतिवर्ष है।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, श्रीनारायण के लाप्त मिनांक 24/03/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैलोकी का विवरण -

(अ) श्वेति की 457वीं बैठक दिनांक 29/03/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु वीं पंकज चूमार जायसवाल, अधिकृत प्रतिनिधि संघरिता हुए। श्वेति द्वारा नमस्ती प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर जिन निष्ठियाँ पाई गईं हैं:-

1. घूर्हे में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण- इस खदान को घूर्हे में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।
2. प्राम विवादत का अनापत्ति प्रमाण पत्र - उत्तरान के संबंध में जान पर्यावरण कोसांग का दिनांक 23/01/2023 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तरान योजना - जारी पत्रान् इन्हायरीमेंट मैनेजमेंट पत्रान् एच जारी कर्तव्यान्वय पत्रान् प्रस्तुत किया गया है, जो यानि अधिकारी, जिला-सरगुजा के पु. ज्ञापन क्रमांक 1821/ए/खलि/संघ./2022 साधना, दिनांक 27/12/2022 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में विभिन्न खदान - कार्यालय कालेक्टर (खनिज राज्य), जिला-सरगुजा के खालीन क्रमांक 28/खनिज/खलि.1/2023 अधिकापुर, दिनांक 11/01/2023 के अनुसार आवेदित खदान ने 500 मीटर के गोतां अवशिष्ट अन्य खदानों की संख्या निरूपित है।
5. 200 मीटर की परिधि में विभिन्न सार्वजनिक हीव/पारचनाएँ - कार्यालय कलेक्टर (खनिज राज्य), जिला-सरगुजा के द्वारा प्रामांक 29/खनिज/खलि.1/2023 अधिकापुर, दिनांक 11/01/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक हीव नहीं पुल, रेल लाईंग, नहर, बांध, एनीकट, खदान, रक्कह, अस्पताल, काटर, सप्लाई चैरिकोजन, नदियाँ, नदियाँ, गुरुद्वारा, नरपथ, धार्मिक स्थान इत्यादि प्रतिक्षिप्त हीव निर्मित नहीं हैं।
6. घूर्ह-स्पार्किल - घूर्हे सुरक्षा क्रमांक 449/2 एवं 446/2 आवेदक द्वारा उत्तरान क्रमांक 452/1 एवं 452/3 श्रीमती गायत्री अचावाल के नाम पर है। उत्तरान हेतु घूर्हे स्पार्किल का सहनायि पत्र प्रस्तुत किया गया है।
7. एलओआई. का विवरण - एलओआई. श्रीमती रीमा जायसवाल के नाम पर है, जो कार्यालय कलेक्टर सरगुजा (खनिज राज्य), अधिकापुर के खालीन क्रमांक

385/खानिल/सर.लि.1/न.क्र.31/2021 अधिकापुर, दिनांक 16/03/2022 हासा
जारी की गई, जो एक वर्ष तक की अवधि हैं तु ऐसा थी। इस ओआई की वेता
कृदि संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट - वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. कम शिखाव का अनापलि प्रमाण पत्र - कार्यालय कमनपहलापिकारी, सरगुपा
वनवन्हल, अधिकापुर की जापन कमांक/नम.अफि./2486 अधिकापुर, दिनांक
26/10/2021 से जारी अनापलि प्रमाण पत्र अनुसार अधिकारी द्वारा निकालन
मन क्षेत्र की शीर्षा से 5 किमी. तकी दूरी पर है।
10. अल्पपूर्ण संरक्षणात्मीय की दूरी - निकटतम आधारी पाम-कोरेंगा 410 मीटर,
कम्बल पाम-कोरेंगा 780 मीटर एवं अस्पताल लकड़नपुर 3.5 किमी. की दूरी पर
स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 3 किमी. एवं राजमार्ग 22 किमी. दूर है। औद्धनी
नदी 135 मीटर, नीलगी नदी 80 मीटर, तालाब 800 मीटर एवं नहर 4.65
किमी. दूर है।
11. पारिवेशिकीय/वैद्यकियता संरक्षणात्मीय क्षेत्र - परिवेशना प्रस्तावक हासा 10
किमी. की परिधि में अतराज्जीय शीर्षा, राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यासन, कैन्टीय प्रदूषण
नियंत्रण क्षेत्र हासा एवं प्रतिकली चैल्न्टेक लौहिया, पारिवेशिकीय
संरक्षणात्मीय क्षेत्र का घोषित वैद्यकियता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिक्रियित किया
है।
12. खनन संघर्षा एवं खनन का विवरण - गियोलीजिकल रिजर्व 29,563 घनमीटर,
माईनिंगल रिजर्व 27,710 घनमीटर एवं रिक्वारेवल रिजर्व 26,324 घनमीटर है।
लौज की 1 मीटर ऊँची शीर्षा पट्टी (उत्थान के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र) का
शोधफल 620 घनमीटर है। औपन कामट पैन्युल शिथि से उत्थानन किया जाएगा।
उत्थानन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 2 मीटर है। बैंध की ऊँचाई 1 मीटर
एवं ऊँचाई 1 मीटर है। खदान की संनायित आयु 26 वर्ष है। खदान ने कम
प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिन्नकाव किया जाएगा। अनुसारित काली गंगा
अनुसार वर्षावार प्रस्तावित उत्थानन का विवरण निम्नानुसार है—

क्रम	प्रस्तावित उत्थानन (घनमीटर)
प्रथम	1,053
द्वितीय	1,053
तृतीय	1,053
चौथी	1,053
पाँचम	1,053

13. जल आपूर्ति - परिवेशना हेतु आवश्यक जल की जाता 6 घनमीटर प्रतिदिन
होगी। जल की आपूर्ति जाम फैक्ट्रीपल हासा टैकर के माध्यम से किया जाएगा।
इस जाम पाम बनायाए होना अनापलि प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
14. सूखारोपण कार्य - लौज क्षेत्र की शीर्षा में आर्द्ध और 1 मीटर की पट्टी में 310
लम्ब सूखारोपण किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पीढ़ी के लिए राशि 3,100
लम्ब, पीसिंग के लिए राशि 80,000 लम्ब, खाद के लिए राशि 15,500 लम्ब,
गिरावट के लिए राशि 50,000 लम्ब, रख-नहाव अदि के लिए राशि 1,00,000
लम्ब, इस प्रकार कुल राशि 2,48,600 लम्ब प्रस्ताव की हेतु एवं रख-नहाव हेतु

कुल राशि 6,62,000 रुपये आगामी चार माहों हेतु प्रस्तावित योजना का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

15. कॉर्पोरेट एंवाइरनमेंट रिपोर्ट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावका द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सभी विभागों से प्राप्त अपनी निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
18.06	2%	0.361	Following activities at Government Middle School Village- Kosanga	
			Water Tank Installation for drinking water	
			Water tank (1,000 litre)	
			Supply Pipe	0.12
			Pipeline & Installation	
			Running water arrangement in toilet	
			Pipeline, tap, sanitary ware drain line	0.15
			Annual maintenance	
			Donation of Books related to Environment Conservation	
			Books	0.10
			Steel Almira	
			Total	0.37

16. सीईआर के तहत प्रस्तावित लक्ष्य के आधार (Principle) का सहनीति पर प्रस्तुत किया गया है।
17. प्रस्तुतीकरण के दीर्घन सीधे को कौ-एन-एल से अकलीकरण करने पर लीज सीधे के उत्तरदाता दिल्ली में जगभग 362 गीटर की दूरी पर जिमनी स्थापित यात्रा की गयी है। इस समिति का गत है कि उत्तर दिशित जिमनी में खत्तान स्थापित है अतः नहीं को संबंध में कार्यालय कलेक्टर (खासिक शास्त्र), जिला-काशगुजा से जगनाली भंगारा जाना आवश्यक है।
18. परियोजना प्रस्तावक सी प्रस्तावित सीधे में कौवल मिट्टी उत्तराधिन का कार्बन किये जाने एवं जिमनी स्थापित नहीं किये जाने वाला जात्य पर (decarbonized undertaking) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
19. प्रस्तुतीकरण के दीर्घन सीधे को कौ-एन-एल से अकलीकरण करने पर लीज सीधे के निकट 10 गीटर में कच्ची सड़क है। इस संबंध में प्रस्तुतीकरण के दीर्घन सीधे के निकटी भूमि में सिंचन है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया है कि उत्तर सड़क, जिजी भूमि में सिंचन है।

जो व्यवस्था के तहत आवागमन हेतु कराया गया है एवं सचिव रिकार्ड में राजा
दर्ज नहीं है। सभी ही परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत भूमि संखी दस्तावेज
बी-१ में पटकारी द्वारा अनुमोदित खाली छापा का 446/३ एवं 449/२ को निम्नी
भूमि होने का उल्लेख है।

20. पश्चिमिटिव इकट्ठ खालीगाँव के निवासी हेतु नियमित जल डिलिवरी किये जाने
वाला शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. नियमित लीज बोर की ओंडर शापन कृतारोपण किये जाने एवं संवित पीड़ी का
सार्वाईपल रेट (Survival rate) ८० प्रतिशत नुमिशित किये जाने वाला शब्द
पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खाली निवासी के तहत बाल्की विलास द्वारा
सीमावान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाला शब्द शब्द पत्र (Notarized
undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी व्यक्ति का दृष्टिकोण जल का प्रयाह प्राकृतिक
जल क्षेत्र, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संखाय किये जाने
वाला शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
24. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया
है कि उक्त के विलक्ष इस परियोजना/खालीगाँव से संबंधित कोई न्यायालयीन
प्रकरण देश की अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
25. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया
है कि उक्त के विलक्ष भावत वारकार, एवंवरण, यन और जलवायु परिवर्तन
न्यायालय की अधिसूचना का अ. ८०४(अ), दिनांक १४/०३/२०१७ के अंतर्गत कोई
दालंघन या प्रवासन लघित नहीं है।

समिति द्वारा शालमण्ड संसाधनमिति से निर्मानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. एलओआई. की वैकल्पिक युक्ति संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
2. व्यवसायित लीज वे कंवल मिट्टी शालमण्ड का कार्य किये जाने एवं किसी ल्यापित
नहीं किये जाने वाला शब्द शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
3. लीज बोर को एलएल. से अवलोकन करने पर लीज बोर के उत्तर दिशा में
लगायन ३५२ वीटर की दूसी पर किसी ल्यापित पृथक गया है। अत उक्त दर्जित
किसी में खाली जलापित अधिक नहीं हो सकते में कार्यालय गवर्नर (खाली
शालमण्ड), विलास-सरगुजा को पत्र लेता किया जाए।

वालानुसार एलओआई. छत्तीसगढ़ की जापन दिनांक १५/०५/२०२३ के परिवेश में
परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक १४/०७/२०२३ को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत
किया गया।

(४) समिति की ५७३वीं बैठक दिनांक २८/०६/२०२३:

समिति द्वारा नहीं प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं वरीकान करने पर निम्न
स्थिति पाई गई:-

1. एलओआई. की वैकल्पिक युक्ति वाला न्यायालय शालमण्ड, भीमिकी तथा ल्यनिकर्न,
नदी जलपुर के तु जापन छानांक ३६३१/खाने ०३/राय-झनुनिधा/न.अ.
५०/२०१७(अ) नदा जलपुर, दिनांक ०५/०६/२०२३ तिक्के अनुसार "छत्तीसगढ़
गौव खाली नियम, २०१६" में जारी जांचोंपित अधिसूचना दिनांक २८/०६/२०२०

(प्रकाशन दिनांक 30/06/2020) के नियम 42 की अस-नियम (१) परन्तु के तहत संचालक को प्रदर्श अधिकार प्रयोग करते हुये, प्रकाशन वे पर्यावरण स्वीकृति द्वापर बनाने एवं उत्तराधिकार लीनूहुति आदेश जारी करने हेतु अधिकारित सम्बादित प्रदान किया जाता है।” हीना बतलाया गया है।

2. प्रत्याधित द्वारा मैं केवल गिर्दटी उत्तराधिकार का कार्य किये जाने एवं जिसनी समाप्ति नहीं किये जाने वाले रामबा पत्र (Notarized undertaking) प्रक्रिया किया गया है।
3. कार्यालय कलेक्टर (खानिज जार्खा) जिला-सरगुजा के ज्ञापन क्रमांक 807 / खानिज / खालि.1 / 2023 अधिकारपुर, दिनांक 13/07/2023 के अनुसार आधिकारित खदान से 500 बीटर के भीतर अवस्थित 1 खदान, क्षेत्रफल 0.967 हेक्टेयर है। साथ ही उस पत्र में यह भी लिखता है कि कार्यालय कलेक्टर (खानिज जार्खा), जिला-सरगुजा के ज्ञापन दिनांक 11/01/2023 द्वारा यारी किये गये पत्र में दृष्टिकोण अधिकार तथा भी नीहर साथ की खदान की जानकारी नहीं दी गई थी।

कालो झीटी की उपयोग साथक परिवर्तन उठने (गर्म किया जाने परके झीटी का निर्णय) हेतु कहां-कहां फिल-फिल भट्टों में उपयोग किया जाएगा क्या उन भट्टों की पर्यावरणीय स्वीकृति द्वापर इसका नहीं? के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

4. सीईआर एवं कृषांखले परिवर्तन करते के भौमिकारीग एवं पर्यावरण हेतु वि-प्लॉय समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि, राज विवाहित की पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या स्वतीकारक पर्यावरण संस्थान काफ़ल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं कृषांखले परिवर्तन का कार्य यूनि किंव जाने के उपर्युक्त गठित वि-प्लॉय समिति से सम्बन्धित कराया जाना आवश्यक है।
5. बाननीय एन.टी.टी., जिलेकल देव, नई दिल्ली द्वारा जलरीट पाण्डेय विस्तृत भागत शासकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंडलाय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजनल एन.टी.टी.नं. 188 और 2010 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में गुण्डा रूप से निमानुसार विदीक्षित किया गया है—
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all projects from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearances.

समिति द्वारा विवार विभार उपर्युक्त सर्वसम्मिति से निमानुसार निर्णय किया गया—

1. कार्यालय कलेक्टर (खानिज जार्खा) जिला-सरगुजा के ज्ञापन क्रमांक 807 / खानिज / खालि.1 / 2023 अधिकारपुर, दिनांक 13/07/2023 के अनुसार आधिकारित खदान से 500 बीटर की भीतर अवस्थित 1 खदान, क्षेत्रफल 0.967 हेक्टेयर है। आधिकारित खदान (एम-कोर्सेंग) का क्षेत्रफल 1.478 हेक्टेयर है। इस प्रकाशन आधिकारित खदान (डाम-कोर्सेंग) की विलेकन कुल क्षेत्रफल 2.445 हेक्टेयर है। खदान की जीवा से 500 बीटर की परिमि में स्वीकृति/संचालित खदानी का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण वह खदान बी-२ श्रेणी की भाँती गयी।

2. कान्हों ईटी को उपयोग लायक परिवर्तन करने (गर्भ किया जाकर कान्हों ईटी का निर्माण) हेतु कहा—कहा, किन—किन भट्टी में उपयोग किया जाएगा तथा उन भट्टी को पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त है अथवा नहीं? के संबंध में जानकारी एवं ई-आई-ए.ए. छत्तीसगढ़ में आवश्यक काम से प्रस्तुत करने की जरूरी के अद्यन पर्यावरणीय स्थीकृति की कान्हों अनुशंसा की जाती है।
3. प्राग्निति द्वारा विचार किमर्दी उपर्यात सर्वसम्मति से आवेदक — खेसली कोसांगा विकल अर्थ को ल्यारी (प्री.— बीमारी रैमा जायसवाल) को शाम—कोसांगा, तहसील—लखनपुर, जिला—सरगुजा के जासांग इनामक 449/2, 450/2, 452/1 एवं 452/3 में लिया निट्टी उत्तरानन (गौण खण्डित) खदान (विना विभन्नी भट्टा की), कुल होतफल—1,478 हेक्टेयर, कमता—1,000 परमीटर घोषित हेतु सभी पर्यावरणीय स्थीकृति दिए जाने की अनुशंसा की गई।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकारण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/09/2023 को सापन्न 154वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अकलीकरण किया गया। प्राधिकरण द्वारा तत्काल सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कान्हों ईटी को उपयोग लायक परिवर्तन करने (गर्भ किया जाकर कान्हों ईटी का निर्माण) हेतु कहा—कहा, किन—किन भट्टी में उपयोग किया जाएगा तथा उन भट्टी को पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त है अथवा नहीं? के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किये जाने उपर्यात कान्हों का वर्णन की जाएगी।

तदानुसार एसईआई-ए.ए. छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक 12/10/2023 के परिषेद्य में खोरोड़ा उपसायका द्वारा दिनांक 13/10/2023 को जानकारी/दस्तावेज देखित किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकारण पर प्राधिकरण की दिनांक 09/01/2024 को सापन्न 161वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अकलीकरण किया गया। प्राधिकरण द्वारा गोट किया गया कि आवेदित खदान से बनाये जाने वाले कच्चे ईट की भी जागीरार राम पिता भी गोहर साय की शाम—कोसांगा, तहसील—लखनपुर, जिला—सरगुजा में बांधालित खदान में स्थापित विभन्नी भट्टा में पकाया जायेगा उत्तर खदान का पञ्च इ./422/खण्डित/खलि.4/DEIKA-DEAC.16, अमिकालपुर दिनांक 06/02/2017 की जिला स्थानीय से पर्यावरण स्थीकृति प्राप्त की गई है। कच्चे ईट को पकाने के लिए भी जागीरार राम की बहमती पञ्च एवं पर्यावरण स्थीकृति की प्रति प्रस्तुत की गई है। माननीय एनसीटी, सेट्टल जीनल बैच, भौवाल द्वारा ओ.ए. इनामक 36/2023 में दिनांक 06/11/2023 को खोल आदेश के बिन्दु इनामक 16 निभानुसार आदेश पारित किया गया है:-

"In view of the above lines used, it is mandatory provision that in all such cases fresh EC must be issued by the SEIAA and only such mining lease may be continued which have been on re-appraisal granted Environmental Clearance by SEIAA. In the matter where the EC has not been granted by the SEIAA must not be permitted to continue."

प्राधिकरण का नता है कि कान्हों ईट को पकाने के लिए राज्य स्थानीय पर्यावरण प्रबाद अकलीन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ से प्राप्त पर्यावरणीय स्थीकृति आवासि लादानी की जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

प्राधिकरण द्वारा विचार किमर्दी उपर्यात सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कान्हों ईटी को उपयोग लायक परिवर्तन करने (गर्भ किया जाकर कान्हों ईटी का निर्माण) हेतु

कहा—जहां, किस—किन भट्टों में उपयोग किया जाएगा तभी उन भट्टों की सम्पत्ती व पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ से पर्यावरणीय वैदिकति द्वारा है अथवा नहीं? को लेकिन जानकारी प्रस्तुत किये जाने उपर्यात आगमी उपर्याती की जाएगी।

एस.ई.आर्टी.ए. छत्तीसगढ़ को आपने दिनांक 24/01/2024 के परिवेष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 04/09/2024 तो जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरीकरण प्रकारण पर प्राधिकरण की दिनांक 27/09/2024 की तारीख 181वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नहीं/जानकारी/दस्तावेज का अगलोकम किया गया। प्राधिकरण द्वारा निम्ननुसार तथ्य नोट किये गये हैं—

1. कल्यों ईटों को भी जारीकर सम किया भी भीड़ राज्य के ईट भट्टों द्वारा शाम—कोसांग, लहसील—लखनुपुर, जिला—सरगुजा में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है।
2. उक्त भट्टों को जिला सरीय पर्यावरण समिक्षात नियोजित प्राधिकरण, जिला—सरगुजा द्वारा दिनांक 06/02/2017 की खासता क्रमांक 184 एवं 184 कोडफल 0.967 हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला सरीय पर्यावरण जानायात नियोजित प्राधिकरण, जिला—सरगुजा द्वारा जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को विषय तहने कामा राज्य सरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के द्वारा क्रमांक 365/एस.ई.आर्टी.ए. ए. ४८./2024 तो राष्ट्रपुर अटल नगर दिनांक 22/04/2024 द्वारा अंतरिम आदेश जारी की गई है। जिसकी तिथि 27/10/2024 तक है।
3. भी जारीकर राज्य द्वारा कोसांग विकास अर्थ तहे कारी (प्री— भीमती रीमा जायसवाल) के खासता क्रमांक 449/2, 446/2, 452/1 एवं 452/3 में लिखित निर्दिष्टी उत्तरानन से बनाये वाले कल्यों ईट को जहने राजदान के ईट भट्टों में उपयोग किये जाने हेतु सहमति पत्र नोटराईज़ अंबरटेकिंग प्रस्तुत किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा विचार कियी उपर्यात रुक्षताभूति से निम्ननुसार निर्णय लिया गया—

1. समिति की अनुसारा को स्वीकार करते हुये आदेश — ये सासौ कोसांग विकास अर्थ तहे वादाई (प्री— भीमती रीमा जायसवाल) को निम्ननुसार अधिरिका जारी की अर्थीय पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने वा निर्णय लिया गया—
2. अवैधित राजदान से बनाये वाले कल्यों ईटों को उपयोग लायक परिवर्तन करने (गर्म किया जाकर पानी ईटों का निर्माण) हेतु भी जारीकर राज्य के ईट भट्टों खासता क्रमांक 184 एवं 184 कोडफल 0.967 को जारी अंतरिम आदेश की विषय तहे के लिए अनुमति दी जाती है राज्य राज्य सरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ भी जारीकर राज्य के ईट भट्टों खासता क्रमांक 184 एवं 184 कोडफल 0.967 को विषय पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के उपर्यात ही बनाये वाले कल्यों ईटों को उपयोग लायक परिवर्तन करने (गर्म किया जाकर पानी ईटों का निर्माण) की अनुमति दी जाती है।
3. लौज जारी होने के पश्चात 1 नीटर की भीमा पट्टी में पीछों का तीव्रता कम, लौजों का चाहांकन एवं संग्रहाकरण वार विशीष्ट चौटीपाल सहित अधिवार्पिक शिक्षित में रामाइल जनते हुये एस.ई.आर्टी.ए. ए. छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।

- iii. सीईआर के तहत तथा 1 मीटर की ऊंची ऊपर पट्टी में किये जाने वाले कार्बन का संसाधन वन विभाग के समर्पण अधिकारी अथवा उन विभाग द्वारा सुनिश्चित वी संसाधन हेतु अधिकृत संसाधनों (यहाँ पाठी) से अनुसन्धान करकर अर्थवाचिक रिपोर्ट में समालित करते हुये एसईआईए.ए. उत्तीर्णगढ़ को प्रोत्तिष्ठित किया जाए।
- iv. सीईआर के तहत किये जाने वाले छार के संसाधन हेतु वियोडेम पोलीसाफ्ट संहिता अर्थवाचिक रिपोर्ट में समर्हित करते हुये एसईआईए.ए. उत्तीर्णगढ़ को प्रोत्तिष्ठित किया जाए।
- v. ईट का परिवहन कारबैंड वाहन से किया जाए, ताकि ईट वाहन से बाहर नहीं खिड़े; ईट वा परिवहन कर रहे वाहनों को अग्रता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
- vi. सीईआर एवं गुजारीपाय कार्बन की भौमिकरिंग एवं वर्केशन हेतु वि-सदस्यीय समिति (प्रोपराइटर/प्रतिनिधि, वाम पंथाधार के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान सम्बन्ध के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। जाय ती सीईआर एवं गुजारीपाय का कार्बन पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित वि-सदस्यीय समिति से संस्थापित कराया जाए।

जाय ती समिति द्वारा गठित किये गये शर्तों का वाहन सुनिश्चित नहीं किये जाने की स्थिति में विविध विवरित एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रसारक को सशर्त पर्यावरणीय स्टीम्बुटी पत्र जारी किया जाए।

3. मेहरी कलकता लाईन स्टोर क्षारी (प्री.- शीतली अक्षया जोगेश्वर), घाम-कलकता, लहरील-खीरागढ़, जिला-राजनांदगांव (संक्षिप्तालय का नम्रता क्रमांक 1274)

जीनलाईन आवेदन — पूर्व में अपीजल नम्बर — एसआईए/ सीजी/ एसआईएन/ 127754 / 2019, दिनांक 25/03/2020 द्वारा टीओआर हेतु आवेदन किया गया। उत्तम में अपीजल नम्बर — एसआईए/ सीजी/ एसआईएन/ 72067 / 2020, दिनांक 04/03/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्टीम्बुटी प्राप्त करने के लिए फर्क्कनल ईआईए.ए. रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संभालित यूना पर्यावरण (वीण खनिज) उदान है। उदान घाम-कलकता, लहरील-खीरागढ़, जिला-राजनांदगांव विवर उत्तम क्रमांक — 262, कुल क्षेत्रफल—0.86 हेक्टेकर में है। उदान ती अनोदित सल्लान जमता— 10,000 टन प्रतिवर्ष है।

पूर्व में एसईए.सी. उत्तीर्णगढ़ की ज्ञापन दिनांक 28/12/2020 द्वारा प्रकरण तीम कंटेनरी का होने के कारण भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन नियंत्रण द्वारा अप्रैल, 2015 में प्रकाशित हैट्टेक्टर टर्म्स ऑफ रिफरेंस (टीओआर) पौर ईआईए.ट./ईएम.पी. रिपोर्ट फौर प्रोटोकल्स/एकटीविलोज रिकार्डरिंग हृत्यायरमीट कर्डियरेस अप्रैल 2020 ती नोटिफिकेशन, 2006 में लानीत क्षेत्री 1(ए) का हैट्टेक्टर टीओआर (लोक सुनवाई समिति) नीन लोक समृद्धिमंग प्रोटोकल्स हेतु जारी किया गया।

उदानुसार परियोजना प्रसारक को एसईए.सी. उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 23/03/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

मैत्री का विवरण -

(अ) समिति की 413वीं मैत्री दिनांक 29/06/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जिलेन्ड पोर्टल, अधिकृत प्रतिवेदिय एवं मैसरी की एचड एन सॉल्युशन, नौएवा, उत्तरार्द्धदेश की ओर से भी जनमोहन चन्दा उपस्थित हुए। समिति प्राप्त नस्ती, ब्रह्मपुत्र जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठियाँ पाई गईं-

- प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा कहा गया कि ब्रह्मपुत्र ईआईए रिपोर्ट मैसरी इन्हियन माईन प्लानर एचड कन्वलटेट, कोलकाता द्वारा तैयार किया गया था। मैसरी इन्हियन माईन प्लानर एचड कन्वलटेट द्वारा अपशिष्ट करनी की अनेकिता प्रकरण की पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्ति हेतु आगामी कार्यवाही की जारी रहने में उत्तरार्द्धदेश व्यवसा की गई। उत्तरानुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा मैसरी की एचड एन सॉल्युशन, नौएवा, उत्तरार्द्धदेश को नियुक्त किया गया। इस कार्यक्रम परियोजना प्रस्तावक द्वारा अपहरण्तीकरण (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है। उत्प्रवाप्त मैसरी की एचड एन सॉल्युशन, नौएवा, उत्तरार्द्धदेश द्वारा किये गये एवं संवाधित (Analyzed and verified) कर पाई गयी ईआईए रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया। आवेदित प्रकरण से संबंधित समस्त तथ्यों का उत्तरार्द्धदेश मैसरी की एचड एन सॉल्युशन का होना बताया गया।
- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता तात्परी विवरण-
 - पूर्व में सूना पहाड़ खदान लासर इन्फ्रा 252, गुल शेडफल - 0.85 हेक्टेयर, समता - 10,000 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्थीरता जिला संतरीय पर्यावरण समायोजन नियोजन प्राप्तिकरण, जिला-सञ्जनादगाँव द्वारा दिनांक 02/06/2017 की जारी की गई। यह स्थीरता दिनांक 31/03/2020 तक की अवधि हेतु जारी की गई।
 - परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की गती के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति का ना है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत कोर्टीय कार्यालय पर्यावरण, इन एवं जलवायु परिवर्तन नियोजन, भारत सरकार, राष्ट्रपुर त्री पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का यातन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
 - नियोजित उत्तरानुसार मुकाबेयण नहीं किया गया है।
 - कार्यालय कलेक्टर (जनि शास्त्री), जिला-सञ्जनादगाँव के छापन इन्फ्रा 4358/ख.वि.02/2020 उत्तरार्द्धदेश, दिनांक 06/11/2020 द्वारा दिग्न गाँव में किये गये उत्तरार्द्धदेश की जानकारी निष्पानुसार है-

वर्ष	उत्पादन (टन)	वर्ष	उत्पादन (टन)
2008-09	1,600	2014-15	निरेक
2009-10	1,920	2015-16	
2010-11	2,450	2016-17	
2011-12	1,895	2017-18	
2012-13	3,550	2018-19	2,900
2013-14	400	2019-20	2,600

v. पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 31/03/2020 की समाप्त होने के उपरान्त भी उत्थानन किया गया है। इस संबंध में परियोजना प्रशासक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन और पर्यावरण परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओरॅग्ड दिनांक 26/03/2020 के अनुसार जिन परियोजनाओं की कार्यवालताएँ को जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की बैला दिनांक 15/03/2020 से 30/04/2020 की मध्य समाप्त हो रही है। उनकी पर्यावरणीय स्वीकृति की बैला दिनांक 30/06/2020 तक बढ़ि की गई है। उत्थानन भारत सरकार, पर्यावरण, वन और पर्यावरण परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 27/11/2020 अनुसार—

"**vii.** Notwithstanding anything contained in this notification, the validity of prior environmental clearances granted under the provisions of this notification in respect of the projects or activities whose validity is expiring in the Financial Year 2020-2021 shall deemed to be extended till the 31st March, 2021 or six months from the date of expiry of validity, whichever is later. Such extension is subject to same terms and conditions of the prior environmental clearance in the respective clearance letters, to ensure uninterrupted operations of such projects or activities which have been stalled due to the outbreak of Corona Virus (COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control."

पर्यावरण अधिसूचना के अनुसार उत्थानन कार्य किया गया है। जिससे सभिति सहमत हुई।

v. इस संबंध में सभिति का बत है कि मार्च 2020 के उपरान्त किए गए उत्थानन की वास्तविक मात्रा की जानकारी अद्यान निधि में समिति दिनांक से प्रवर्णित नहीं कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

3. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र – उत्थानन की संकेत में ग्राम पंचायत बहुदेवपुर का दिनांक 27/12/2012 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
4. उत्थानन बौजुना – जारी पत्रान (एलीच किए इच्छापत्रोंमें पत्रान एफड जारी पत्रोंमें पत्रान) प्रस्तुत किया गया है, जो संघालक (सनिप्राता), जिला-रायपुर के ज्ञापन अधिक/क./ख.सि./टीन-६/2017/3534 रायपुर दिनांक 07/03/2017 द्वारा अनुमोदित है। सभिति का बत है कि टीओआर के दीर्घ संसारोंमें नाईनिंग पत्रान प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। अतः बठिमान में परियोजना प्रशासक द्वारा सहीकृत अनुमोदित नाईनिंग पत्रान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
5. 500 मीटर की परिधि में खिल खदान– कार्यालय कलेक्टर (खानि जाला), जिला-राजनांदगांव के ज्ञापन अनांक /4368/ख.सि.03/2020 राजनांदगांव, दिनांक 31/10/2020 अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की भीतर अवस्थित ५ खदाने, शीउफल ८.357 हेक्टेयर हैं।
6. 200 मीटर की परिधि में खिल कार्यालयिक क्षेत्र/संरक्षण – कार्यालय कलेक्टर (खानि जाला), जिला-राजनांदगांव के ज्ञापन अनांक 1661/ख.सि.03/2020 राजनांदगांव, दिनांक 06/07/2020 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी कार्यालयिक क्षेत्र जैसे निटर, मिलिंद, नरसंग, अस्पताल, स्कूल, पुस्तकालय, बांध एवं पाल आवृत्ति आदि प्रतिक्रिया क्षेत्र नहीं हैं।
7. भूमि एवं एलओआई का विवरण – यह जास्तीय चूमि है। लौज भीमी अक्षया जीगेहार के नाम पर ली। लौज दीर्घ ३ वर्षीय अवधि दिनांक 20/11/1992 से

19/11/1995 तक की अवधि हेतु थी। लौज का इथन नवीनीकरण दिनांक 20/11/1995 से 19/11/1998 तक की अवधि हेतु द्वितीय नवीनीकरण दिनांक 20/11/1998 से 19/11/2008 तक की अवधि हेतु एवं तीसरी नवीनीकरण दिनांक 19/11/2008 से 19/11/2013 तक की अवधि हेतु किया गया था। तत्पश्चात् लौज को ये 9 वर्षों की दिनांक 20/11/2013 से 19/11/2022 तक की अवधि हेतु प्रस्तावित की गई है।

8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रकल्प की गई है।
9. यह विभाग का अनापलित इमारत घर – कार्यालय बनापड़तापिकारी, बनापड़त खीरगढ़, जिला-दाजनांदगांव के छापन क्षेत्र/मार्ग/नक्शा 25/2356 लौरामू, दिनांक 01/07/2020 से जारी अनापलित इमारत घर जन्मसार आवेदित क्षेत्र बन क्षेत्र की लीमा से 4.05 किमी की दूरी पर है।
10. बहुतपूर्ण सरबनारी की दूरी – निकटतम आवासी घास-कालकाल 800 मीटर, राकुल घास-बल्देश्वर 1 किमी, एवं असलाल खीरगढ़ 7 किमी की दूरी पर स्थित है। सब्दीय राजमार्ग 30 किमी, एवं राजमार्ग 22 किमी, दूर है। अग्नेर नदी 4.5 किमी दूर है।
11. पारिविष्टिकीय/जैविकियता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक घास 10 किमी, जी परियोजने में अत्याञ्चलीय लौमा, राष्ट्रीय उद्यान, जम्मारथ, कन्दीय प्रदूषण नियंत्रण और द्वारा घोषित विटिकली बील्डुटेक एरिया, पारिविष्टिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैविकियता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
12. रखना संपदा एवं रखने का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 2,55,000 टन, नार्टिनेशल रिजर्व 57,180 टन एवं रिकवरेबल रिजर्व 53,450 टन है। लौज की 7.5 मीटर ऊँची लीना पट्टी (उत्थनन के लिए प्रतिवेदित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 4,079 वर्गमीटर है। ओपन कार्प तोनी मेहोनाईन्ड लिंग से उत्थनन किया जाता है। उत्थनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 13 मीटर है। लौज क्षेत्र में उपर्युक्त लिंटी लोटाई 1 मीटर ली, जिसे धूर में ही उत्थनित कर लिया गया है। लौजन में लौज क्षेत्र में उपर्युक्त लिंटी अवश्यित नहीं है। बैच की लोटाई 3 मीटर एवं लोटाई 3 मीटर है। रखदान की संभवित आयु 6 वर्ष है। लौज क्षेत्र में जात्र उपयोग नहीं है एवं इसकी उपायना का प्रस्ताव नहीं किया गया है। योक हिंमर में ड्रिलिंग एवं कंट्रोल ब्लास्टिंग किया जाता है। रखदान ने यायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जाल कर छिन्हकार्य किया जाता है। वर्षवार वास्तविक उत्थनन का विवरण निम्नमुक्त है—

वर्ष	प्रतापित उत्थनन (टन)	वास्तविक उत्थनन (टन)
2017–18	10,000	3,600
2018–19	10,000	2,900
2019–20	10,000	2,600
2020–21	10,000	7,100
2021–22 (दिनांक 31/12/2021)	10,000	2,900

पर्यावरण प्रसारित सत्त्वनन का विवरण

वर्ष	प्रसारित सत्त्वनन (टन)
प्रथम	10,000
द्वितीय	10,000
तृतीय	10,000
चतुर्थ	10,000
पंचम	10,000

13. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 3 पर्मीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति बोरडेल के भाष्यम से की जाएगी। ये जल की उपलब्धिता हेतु सेन्ट्रल ग्राहण गैटर अधीक्षित की अनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया है।

14. शुकारोपण कार्य – लौज क्षेत्र की सीमा में घासी ओर 7.5 गैटर की पट्टी में 1,000 नम शुकारोपण किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक सुना लौज क्षेत्र के बीतर पर्यावरणीय प्रबल्पन योजना के तहत विभानुसार कार्य प्रस्तावित है।

विवरण	प्रथम (क्षेत्र)	द्वितीय (क्षेत्र)	तृतीय (क्षेत्र)	चतुर्थ (क्षेत्र)	पंचम (क्षेत्र)
खदान के बाहरी में (1,000 नम)	शुकारोपण (90 पर्मीटर जीवन दर) हेतु राशि	76,000	7,600	7,600	7,600
पर्मीटर हेतु राशि	पर्मीटर हेतु राशि	1,36,900	—	—	—
खाद हेतु राशि	खाद हेतु राशि	7,500	750	750	750
शिखरी दर राशि- रक्कम हेतु राशि	शिखरी दर राशि- रक्कम हेतु राशि	2,46,000	2,16,000	2,16,000	2,16,000
कुल राशि = 12,53,800	4,56,400	2,24,350	2,24,350	2,24,350	2,24,350

15. खदान की 7.5 गैटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्त्वनन – लौज क्षेत्र की घासी और 7.5 गैटर की चौड़ी सीमा पट्टी का कुल क्षेत्रफल 4,079 वर्गमीटर क्षेत्र है, जिसमें से चूड़ी दिशा में 412.5 वर्गमीटर क्षेत्र 5 गैटर की गहराई तक, पश्चिमी दिशा में 1,125 वर्गमीटर क्षेत्र 6 गैटर की गहराई तक, उत्तरी दिशा में 990 वर्गमीटर क्षेत्र 8 मैटर की गहराई तक एवं दक्षिणी दिशा में 240 वर्गमीटर क्षेत्र 5 गैटर की गहराई तक उत्त्वनित है, जिसका उत्तरोत्तर अनुमोदित सांकेतिक नाइनिंग प्लान में किया गया है। प्रतिवर्ष 7.5 गैटर चौड़ी सीमा पट्टी में उत्त्वनन किया जाना पर्यावरणीय नवीकृति की गती का उत्त्वनन है। अतः परियोजना प्रस्तावक के विलक्ष यानिक विभाग द्वारा अधिक उत्त्वनन किया जाने हेतु अधिकारी राशि क्षमता 80,100/- लगाया गया था, जिसके परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 01 / 08 / 2022 द्वारा अधिकारी राशि क्षमता 80,100/- खानिक विभाग में जाया किया जाकर रसीद की प्रति प्रस्तुत की गई है। प्रतिवर्ष 7.5 गैटर चौड़ी सीमा पट्टी में अधिक उत्त्वनन किया जाना पाये जाने पर परियोजना प्रस्तावक के विलक्ष विभानुसार पर्यावरण की छत्री प्रत्यक्षने हेतु फलतीकागढ़ पर्यावरण संबंध बोर्ड, नवा सायपुर अटल नवर की आवश्यक कार्यकारी किया जाना आवश्यक है।

16. उल्लेखनीय है कि यात्रा संस्करण परिवर्तन तथा एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी नई दिल्ली द्वारा नीति कोड माइनिंग ब्रॉडबैट्स हेतु यानक पर्यावरणीय सती जारी की गई है। इसे कमांड व्ही.सी. के अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

यहां यानक सती के अनुसार माईन लीज ओपरेशन द्वारा 7.5 मीटर भीड़े गैपटी जौन में सूखारोपण किया जाना आवश्यक है।

17. ई.आई.ए. रिपोर्ट का विवरण —

- जल एवं वायु आदि गुणवत्ता संबंधी जानकारी — नीचेदिए रखाये अनुसार 2020 ती दिसंबर 2020 ती गया किया गया है। 10 किलोमीटर की अंतर्गत 11 स्थानी पर परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन, 10 स्थानी पर जल गुणवत्ता मापन, 11 स्थानी पर जलग्नि पतार मापन, 10 स्थानी पर सतही जल गुणवत्ता तथा 6 स्थानी पर मिट्टी के नमूने एकत्रित कर विशेषण किया गया है।
- नीचेदिए परिणामों के अनुसार वीएच.एसडी, एनसी, का सान्दर्भ लेखन—

Concentration level ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) of criteria pollutants			
Criteria Pollutants	Minimum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	Maximum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	CPCB Standard ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)
PM _{2.5}	25.32	44.77	60
PM ₁₀	47.22	67.15	100
SO ₂	7.24	14.68	60
NO ₂	11.31	20.33	60

- परिवेशाना रूपर के जारीपास जल स्रोतों की गुणवत्ता— ई.आई.ए के Chapter-3 Description of environment में बताये गये हैं वह अनुसार कलोराइड्स, माइक्रोफाइट्स, सान्धार, कार्बनिट्स एवं अन्य सामान्यिक तत्वों का सान्धार लेवल भास्तीय मानक से कम है।

iv. परिवेशीय ध्वनि स्तर—

Noise level - dB (A)			
Equivalent Noise level	Minimum dB (A)	Maximum dB (A)	CPCB Standard dB (A)
Day L _{eq}	47.89	54.87	75
Night L _{eq}	32.1	46.21	70

यह तुकारा दीप के विस्तृत यानक सार से कम है।

- वी.सी.ए. की गणना— यात्री जाहाज / बल्टीएक्साल हेडी यात्री की यानकी करते हुये ट्रैकिं अवधारण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसके अनुसार यात्रीगान में 45 वी.सी.ए. प्रतिघंटा एवं यात्री/सी.अनुपात (V/C ratio) 0.043 है। प्रस्तुतीय परिवेशाना उपरांत 6 वी.सी.ए. की गृहि होगी। सायरथार कुल 54 वी.सी.ए. प्रतिघंटा एवं यात्री/सी.अनुपात (V/C ratio) 0.04 होगी। विशार की

उपर्युक्त भी श्री—मार्टिनेल / प्रोडक्ट्स के परिवहन हेतु सहायता कर्म की लोड कॉरिंग क्षमता नियंत्रित बायक (Excellent 0.0-0.2) के भीतर है।

18. लोक सुनवाई दिनांक 15/09/2021 दोपहर 12:00 बजे खदान — ग्राम पंचायत भवन बजारकला, ग्राम—बजारकला, तहसील—खेतरापुर, ज़िला—साजनगढ़ पर्यावरण संस्थान, नवा रायपुर अटल नगर, ज़िला—सायपुर की पत्र दिनांक 03/11/2021 द्वारा प्रेषित किया गया है।
19. प्रस्तुतीकरण के दोस्रा परियोजना प्रस्तावक द्वारा कहा गया कि आवंटित खदान को जारी करने की दूषे बलस्टर में कुल 14 खदानी आती है, जिसमें से बर्तमान में 11 खदानी द्वारा पर्यावरणीय नीतिकृति प्राप्त करने हेतु आवेदन किया गया है एवं इन खदानों को पूर्ण से ही पर्यावरणीय नीतिकृति जारी हो चुकी है। अतः कुल 11 खदानी द्वारा ज्ञानुहित काप से यानसुनवाई करता गया है। यानसुनवाई के दोस्रा मुख्य रूप से जिम्मा सुझाव/विवाह प्रस्तुत निये गए हैं—
1. पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए गुदारोपण का कार्य अतिरीध करने की दृष्टि करें। लौज समाया होने के बारे खदान को कुला ही छोड़ देते हैं तो उस खदान के बारे उपर कार्य तार कठीं का पैरा किया जाना चाहिए। पूर्व में खदान में ५-७ जानवर पिर दुके हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है।
 2. हीरो ब्लास्टिंग से पत्थर के टुकड़े की ओत में बले जाते हैं एवं ब्लास्टिंग के पूर्व किसी प्रकार से बुधना नहीं की जाती है, जिससे ओत में आवंशिक नजदूर आशीर्वाद नहीं होती है।
 3. खदान की खुलने से पूर्व निर्भीत काप समाप्त हो चुके हैं। जिस काप कीटों में चाही नहीं पहुँच पाता। गांव में सिवाई हेतु एकमात्र साधन २ बांध है। खदान होने से बांध का पानी नहीं रक्खता है। चाही बना नहीं है, नाली जो बना हुआ था वो दूट चुका है। दोनों बांध में पानी है। अतः नली का बनावाने का नाम किया जाए।
 4. प्रश्ननिवेदन के आधार पर संबंधित चाही के लोगों को ही रोजगार दिया जाना चाहिए। काप ही ग्राम के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षाएं प्राप्त करना चाहिए।
- लोक सुनवाई के दोस्रा उत्तराये गये जिम्मा मुद्दों की नियाकरण की दिशा में परियोजना प्रस्तावकों की ओर से उपरिक्षण प्रतिभित्र/फोकलटैट का कथन निम्नानुसार है—
1. प्रदूषण का मुख्य कारण घूल सर्वजीव है, जिसे लोकों के लिए पानी का चिकनाता किया जाएगा। खदान के बारे और तथा काही सदृक के लिये खुलासेय किया जाएगा जिससे घूल का छात्सर्वेन कम हो जाएगा। खदान को बारे उपर से कठींसे ताढ़ी से पैरा जाएगा जिससे वही जानवर खदान में ना निये।
 2. अनुपमी कॉट्टेजटर की नियारानी में ही कंट्रोल्ड ब्लास्टिंग किया जाएगा। ब्लास्टिंग नियन पत्र पर किया जाना प्रस्तावित है। ब्लास्टिंग के पूर्व तुट बजाकर लोगों को सुनाना दी जाएगी।
 3. हमारे हात से नालियों का जीनीदार किया जाएगा जिसका उपर काप खदान में जो पानी भरा हुआ है उसे भी नियाई के लिए प्रयोग करेंगे।

v. शिक्षित वैदेयजगती की शोणका की आवाह पर लेजेन्ड हेतु प्रस्ताविता की जाएगी। यांगिली के लिए रामण समय पर स्वास्थ्य शिक्षित लगाया जाएगा।

20. बलस्टर हेतु कीमन इन्वायरीमेंट्स मैनेजमेंट प्लान – परियोजना प्रस्तावक हाल बहाया गया कि आवेदित खदान को सामिल करते हुए बलस्टर में कुल 14 खदान जाती है। जहाँ बलस्टर में शिक्षित खदानों की जांच कीमन इन्वायरीमेंट्स मैनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है। कीमन इन्वायरीमेंट्स मैनेजमेंट प्लान के तहत निम्न कार्य प्रस्तावित हैं—

विवरण	प्रथम (करपये)	द्वितीय (करपये)	तृतीय (करपये)	चतुर्थ (करपये)	पंचम (करपये)
3.7 कि.मी. पर्युध मार्ग के दोनों तरफ (2,407 नम.) शुआरीपाल हेतु	कुलारोपय (90 प्रतिशत चीजन दर) हेतु राशि प्राप्तिशिव हेतु राशि खाद हेतु राशि सिलाई एवं सत्ता-सत्ताव हेतु राशि	1,98,292 19,73,600 15,600 13,64,000	18,772 — 1,660 8,64,000	18,772 — 1,660 8,64,000	18,772 — 1,660 8,64,000
	कुल राशि = 70,93,020	35,54,492	8,84,632	8,84,632	8,84,632

कीमन इन्वायरीमेंट्स मैनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहभागिता निम्ननुसार दी गई—

विवरण	प्रथम (करपये)	द्वितीय (करपये)	तृतीय (करपये)	चतुर्थ (करपये)	पंचम (करपये)
227 गोटर मार्ग के दोनों तरफ (151 नम.) शुआरीपाल हेतु	कुलारोपय (90 प्रतिशत चीजन दर) हेतु राशि प्राप्तिशिव हेतु राशि खाद हेतु राशि सिलाई एवं सत्ता- सत्ताव हेतु राशि	11,476 1,20,000 1,200 83,081	1,140 — 120 53,081	1,140 — 120 53,081	1,140 — 120 53,081
	कुल राशि = 4,33,921	2,16,587	54,341	54,341	54,341

21. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली हाल जारी की अधिसूचना, 2006 (पर्यावरणित) के प्राकानों एवं याननीय एवं जी.टी. हाल जारी आदेत के अनुसार सबूल बलस्टर हेतु कीमन इन्वायरीमेंट मैनेजमेंट प्लान दीवार किया जाना आवश्यक है।

समिति का मत है कि बलस्टर में सामिल सभी खदानों का खदान के पर्यावरणीय सुधारनावी की रोकथान हेतु सहानी एवं भौमिक सहभागिता सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

समिति का मत है कि बलस्टर में आने वाले खदानों की उत्तराधान गतिविधियों से समिति का मत है कि बलस्टर में आने वाले खदानों की रोकथान हेतु बलस्टर में आने वाली शोष समस्या खदानों की सामिल करते हुये, बलस्टर हेतु कीमन इन्वायरीमेंट मैनेजमेंट प्लान दीवार किये जाने वाले कहाँ से किसानिका कराये जाने हेतु मैनेजमेंट प्लान दीवार किया जाना आवश्यक, भौमिकी तथा सामिकी, इंटावाली भवन, जहा रामनुज अड्डे संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा सामिकी, इंटावाली भवन, जहा

नगर, जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़) के साथ ही उचित कार्रवाई किया जाना चाहिए होगा।

22. कॉर्पोरेट एंविरोनमेंट रिपोर्ट (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा भीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सभी विस्तार से चर्चा उपर्यांत निम्नानुसार निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at nearby, Village-Kalkasa				
50	2%	1.0	Pavitra Van Niman	10.14
			Total	10.14

23. भीईआर के आंदोलन "परिवर्त वन मिर्चीन" के द्वारा (आंवला, बहु धीपल, नीम, आम, अदुन, वैल आदि) पूरातोषण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 768 नग पीठी के लिए जारी 27,545 रुपये, फौसिंग के लिए जारी 70,000 रुपये, खाद के लिए जारी 6,000 रुपये, शिंचाई तथा रस-इकाइ आदि के लिए जारी 2,40,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 3,49,688 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 8,77,488 रुपये हेतु प्राकावाप व्यव वा विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा इन प्रशासन कलकाना के सहमति जनरात्र व्याधीय सामन (लासन ग्रन्थाक 153, क्षेत्रफल 0.45 हेक्टेएर) के संकेत में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

24. समिति के संझान में यह लक्ष्य आया कि वर्तमान में प्रस्तुत 500 मीटर के प्रमाण यज वे आवेदित लक्ष्यान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित 6 लक्ष्याने होना चाहिया जाए है जबकि दृष्टिकोणमा प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि आवेदित लक्ष्यान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित 13 लक्ष्याने बलस्तर में आती है। अतः समिति या नहा है कि आवेदित लक्ष्यान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित अन्य लक्ष्यानों संकेती जानकारी सुनिज विभाग से प्रमाणित करकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

25. कमरी मिट्टी को लौज क्षेत्र के बाहर निर्भासित कर संरक्षित रखे जाने हेतु मिट्टी का अन्धव उपयोग न करने, विक्रय न करने एवं इन्हीं वार्षी में उपयोग नहीं किये जाने एवं इस मिट्टी उपयोग पुनर्जीवन हेतु ज्ञाने बलस्तर उपय पर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। याम ही उपय पर में इस ज्ञानाय तथा भी उल्लेख किया जाते कि वरियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर उक्त संरक्षित मिट्टी का विशेषण भी कराया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उल्लंगय सर्वसम्मति से निम्नलिखित विवर किया गया यह—

- भार्य 2020 के उपराने किए गए सुलखनन वी वासाविक भाऊ की जानकारी अद्यान समिति में सुनिज विभाग से प्रमाणित करकर प्रस्तुत किया जाए।

2. टीओआर के दोहरा संशोधित नाईनिंग प्लान प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। अतः कल्पना में परियोजना प्रस्तावक द्वारा संशोधित अनुसूचित नाईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाए।
3. सांवित्र खदान से 600 मीटर की ओर संशोधित अन्य खदानों संबंधी जानकारी दिए गए विभाग से प्राप्तिका कारबन प्रस्तुत किया जाए।
4. उपरी मिट्टी को लैंज क्षेत्र की बाहर भौतिकी कर संशोधित कर जाने हेतु निट्टी का अन्यत्र उपयोग न करने, गिराव न करने एवं अन्य कारी गोपयोग नहीं किये जाने एवं इस मिट्टी उपयोग पुनर्बहाव कार्य में किये जाने बाबत समय पर प्रस्तुत किया जाए। साथ ही परियोजना प्रस्तावक द्वारा समष्टि—समय पर उपरी संशोधित मिट्टी का निर्माण भी कराया जाएगा।
5. मूर्ति में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के लाली के पालन में की गई कारबाही की विन्दुओं पर जानकारी दर्शायक वीरीय जानकारी, मारत सरकार, चाहौराय, एवं दूसरी जालायु परिवर्तन, मंत्रालय, नवा रायपुर से प्राप्त बन प्रस्तुत किया जाए।
6. प्रतिक्रिया 7.5 मीटर चौड़ी टीक घट्टी में अवैध उत्पानन किया जाना चाहे जाने पर परियोजना प्रस्तावक ने विस्तृत नियमानुसार पर्यावरण को बहिरं पहुंचाने हेतु उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान गठित, नवा रायपुर अटल नगर की जावश्यक कार्यकारी किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।
7. मूर्ति में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के लाली के अनुसार निर्माण सामग्री कृष्णारोपण इसी मानसून में करते हुए योगी में संख्याक्रम (Numbering) एवं योगी के नाम का उल्लेख किया जावन फोटोप्राक्तन नहिं जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
8. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एस.एस. द्वारा अविवृत विस्कोटक लाईसेंस वारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने बाबत समय पर प्रस्तुत किया जाए।
9. कलस्टर हेतु कीमत हुन्हायरीमेट मेनेजमेंट प्लान तैयार कर समस्त खदानों को एक नाली में प्रदर्शित करते हुये जानकारी प्रस्तुत की जाए। साथ ही कलस्टर में आने वाली समस्त खदानों द्वारा किया हुन्हायरीमेट मेनेजमेंट प्लान के लालू किये जाने वाले कार्य हेतु अनुसूचि कराकर जानकारी प्रस्तुत की जाए।
10. कलस्टर में आने वाली खदानों की उत्पानन विधियों से पर्यावरणीय घटकी पर पहुंचे वाले प्रभावों की जांचायान हेतु कलस्टर में आने वाले समस्त खदानों को जांचिल करते हुये, कलस्टर हेतु कीमत हुन्हायरीमेट मेनेजमेंट प्लान तैयार किये जाने तथा विधियों हेतु संधारक, संग्रहनालय, जीविकी उच्च विनियोग, इंद्रावली भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर (उत्तीर्णगढ़) के साथ से उपयुक्त कारबाही किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।
11. जनसूनवाही के दोस्रा प्राप्त शिकायत “खदान के खुलने से मूर्ति निर्माण समाप्त हो जुके हैं। जिस कारन स्थीती में पानी नहीं पहुंच पाता। गाँव में निवाही हेतु एकमात्र साधन २ काँड़ है। खदान होने से बाहर का पानी नहीं कवरता है। नाली बना नहीं है, नाली जो बनाए रुका था वो दूट खुक्का है। दोनों बाहर में पानी है। अतः नाली जो बनाए रुका कान किया जाए।” यह शिकायत आपेक्षित प्रधानी ही है। जिसका समाधान कारक उत्तार परियोजना प्रस्तावक द्वारा नहीं किया गया है। अतः इस संबंध में जल संवर्धन कियाग से अनापरित प्रभाव पर प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाइस जानकारी/वक्तावेत्र प्राप्त होने उपरोक्त जागामी कारबंदी की जाएगी।

तथानुसार एस.ई.ए.टी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 04/09/2022 के परिणाम में परियोजना प्रस्तावक क्षात्र जानकारी/वक्तावेत्र दिनांक 20/09/2022 को प्रस्तुत किया गया है।

(३) समिति की 425वीं बैठक दिनांक 21/09/2022:

समिति द्वारा नवीनी प्रस्तुत जानकारी का अधीक्षण एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धि याई गई—

१. कार्यालय कलेक्टर (खानिय जाती), निला—तीरगढ़—भुज्जुलादाम—गणहार के ज्ञापन दिनांक /4/ राजि.02/2022, दिनांक 13/09/2022 द्वारा पारी प्रमाण पत्र अनुसार जिगत दर्शी में जिनी नये उत्खनन की जानकारी मिसानुसार है—

वर्ष	सुरक्षादान (टन)
2020-21	8,400
2021-22	10,000

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 31/03/2020 को समाप्त होने के समर्थन भी उत्खनन किया गया है। इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंडालय, नई दिल्ली की ओ.एच. दिनांक 25/03/2020 के अनुसार जिन परियोजनाओं एवं कार्यकालायी की पारी पर्यावरणीय स्वीकृति की घोषणा दिनांक 15/03/2020 से 30/04/2020 के मध्य समाप्त हो रही है। उनीं पर्यावरणीय स्वीकृति की घोषणा दिनांक 30/06/2020 तक यूदि की गई है। सदानुसार जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की घोषणा दिनांक 30/06/2020 तक थी। समिति द्वारा पाया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति की घोषणा दिनांक 30/06/2020 को समाप्त होने के पश्चात् भी उत्खनन का कार्य किया गया है। अतः उत्खनन का अकरण होने की कारण भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंडालय, नई दिल्ली की ऑफिस मेनेरेप्यम दिनांक 28/01/2022 के अनुसार “The interim order passed by the Madras High Court appears to be misconceived. However, this Court is not hearing an appeal from that interim order. The interim stay passed by the Madras High Court can have no application to operation of the Standard Operating Procedure to projects in territories beyond the territorial jurisdiction of Madras High Court. Moreover, final decision may have been taken in accordance with the Orders/Rules prevailing prior to 7th July, 2021” का उल्लेख है। भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंडालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेनेरेप्यम दिनांक 07/07/2022 के अनुसार उत्खनन के प्रकरणों हेतु स्टैण्डर्ड ऑफ प्रोसेजर (SOP) जारी की गई है, जिसके अनुसार—

- i. Such cases of violation shall be subject to appropriate:
 - a) Damage Assessment
 - b) Remedial Plan and
 - c) Community Augmentation Plan by the Central level Sectoral Expert Appraisal Committees or State/UnionTerritory level Expert Appraisal Committees, as the case may be.
- ii. The Competent Authority shall issue directions to the project proponent, under section 5 of the Environment (Protection) Act, 1986

on case to case basis mandating payment of such amount (as may be determined based on Polluter Pay principle) and undertaking activities relating to Remedial Plan and Community Augmentation Plan (to restore environmental damage caused including its social aspects).

- iii. The project proponent will be required to submit a bank guarantee equivalent to the amount of Remediation Plan and Natural and Community Resource Augmentation Plan with Central / the State Pollution Control Board (depending on whether it is appraised at Ministry or by SEIAA). The quantification of such liability will be recommended by Expert Appraisal Committee and finalized by Regulatory Authority. The bank guarantee shall be deposited prior to the grant of environmental clearance and will be released after successful implementation of the Remediation Plan and Natural and Community Resource Augmentation Plan.
- iv. Penalty provisions for violation cases and applications: Where operation have commenced without EC: 1% of the total project cost incurred up to the date of filing of application along with EIA/EMP report PLUS 0.25% of the total turnover during the period of violation.

उपरोक्त विन्युवी के अधार पर जागरूकी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा किए गए प्रत्येक्षण के लिए Environment Compensation की राशि का उपयोग आस-पास के आसलीय स्थल/ महाविद्युत/ संवर्धन में ऐनबीटर हार्डिंग व्यवस्था, रासायनिक स्थल/ यीन योग्य पानी की व्यवस्था एवं पूर्णार्थीपण किए जाने हेतु प्रस्तुत कार्यक्रमज्ञा (प्रस्तावित स्थल/ महाविद्युत/ संवर्धन का नाम, पाल एवं बायोसाफ सर्वो का विवरण) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. गोडिकलाईड कारी परान (ज्ञानी ज्ञम इन्डियारीमेट मीटिंगमेट परान) प्रस्तुत किया गया है, जो संयुक्त संघालक (जनि.प्रा.), संघालनालय, भौमिकी तथा स्थानिकी, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा अनुमोदित है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित गोडिकलाईड कारी परान में जावह कानांक एवं दिनांक का चलानेव नहीं है। अटल अनुमोदित गोडिकलाईड कारी परान के लक्षणिग लेटर (जावक कानांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. कार्यालय गलेक्टर (जनि. जावा), जिला-राजसंचारगांव के ज्ञापन क्रमांक /1574/खालि.02/2022 राजनांदगाव, दिनांक 17/08/2022 अनुसार आवेदित खदान से 500 फीटर के भीतर अवस्थित 13 खदाने, ईक्यफल 13.321 हेक्टेकर है।
5. ऊपरी निट्री तो सबंध में परियोजना प्रस्तावक का कथन है कि यह पूर्वी संभालित खदान है, लोअर लोअर के भीतर जानांक में ऊपरी निट्री अवस्थित नहीं है। पूर्वी में उत्तरानिल ऊपरी निट्री का उपयोग पूर्णार्थीपण हेतु किया जा सकता है।
6. पूर्वी में जावी पर्यावरणीय स्थीकृति के लाली के बालन में की गई कार्यवाही की विन्युवार जानकारी एवंकृत होवीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, या एवं जलवायी परिवर्तन, संघालन, जावा रायपुर से प्राप्त कर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
7. पूर्वी में किंवदं एवं पूर्णार्थीपण की फोटोग्राफ़िक प्रस्तुत नहीं गई है। पौरी का संख्याकान (Numbering) एवं पौरी का नामकरण नहीं किया गया है जाव ही इस

संक्षेप में परियोजना प्रस्तावक का सम्बन्ध है कि खदान प्रारंभ होने उपर्युक्त पीढ़ी का संख्यांकितन (Numbering) एवं वैदेशी का नामकरण कर प्रोटोकॉलप्रस व्यक्ति द्वारा किया जाएगा।

8. बलस्टर का कार्य की ली-एम-एस द्वारा अधिकृत विवरोटक लाइसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा किया जाने वाला शास्त्र धन (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाया है।
9. कलस्टर हेतु लौमीन इन्हायरोमेट मेनेजमेंट पराम ईमार कर समस्त खदानों को एक नम्बर में प्रदर्शित करते हुए जानकारी प्रस्तुत की गई है। बलस्टर में आने वाले समस्त खदानों द्वारा लौमीन इन्हायरोमेट मेनेजमेंट पराम के तहत किये जाने वाले कार्य हेतु अनुबंध कराकर जानकारी प्रस्तुत की गई है।
10. जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायत के संबंध में साम पंचायत कलकत्ता द्वारा जारी पत्र अनुसार यांत्र एवं बांध खदान से 600 मीटर की दूरी पर है एवं नहर नाली का संधारण बरसात की उपरात प्राम पंचायत द्वारा किया जाता है। गांव में बांध किसी खदान पर द्वायें नहीं करती है। जनसुनवाई के दौरान यह शिकायत दुर्भाग्यनाक ही गई है। साथ ही यांत्र पंचायत कलकत्ता द्वारा जारी पत्र अनुसार घू—जल लार की गहराई 150 से 200 फीट के उपरात है। समिति का भत है कि उक्त की सहायी में जल संरक्षण विभाग से निरीक्षण कराने हेतु लेख किया जाए।

समिति द्वारा तत्कालीन सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था—

1. दूरी में जारी पंचायतीय स्थीरता के तात्त्व के काळ में की गई गाँवकारी की विन्दुमार जानकारी एवंनिवृत्त कंडीवीय कार्यालय, भासत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, नेत्रालय, नदा राष्ट्रपुर से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. भौतिकाई विवादी प्लान के कालारिंग लेटर (जावक उच्चांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
3. Damage Assessment Plan, Remediation Plan and Natural and Community Resource Augmentation Plan को सामित करते हुये पर्यावरणीय शालिकृति (Environment Compensation) की गणना कर जानकारी प्रस्तुत की जाए।
4. समिति ने पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त किये विभा तात्काल नहीं करने एवं तत्काल वाप्ती से जटिक उत्तरान कार्य नहीं किये जाने वाले शास्त्र धन (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
5. दिनांक 01/07/2020 से दिनांक 31/03/2022 तक की अवधि का परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान का अंकिटेड रिपोर्ट रिपोर्ट (Annual Report) की प्रति प्रस्तुत की जाए विवाद का खदान का प्रश्नातीन अवधि में टर्नओवर की जानकारी प्राप्त कर नियमानुसार अंकिट असियोफिल किया जाए।
6. जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायत के संबंध में यांत्र पंचायत कलकत्ता द्वारा जारी पत्र अनुसार गांव एवं बांध खदान से 600 मीटर की दूरी पर है एवं नहर नाली का संधारण बरसात के उपरात यांत्र पंचायत द्वारा किया जाता है। गांव में बांध किसी खदान पर द्वायें नहीं करती है। जनसुनवाई के दौरान यह शिकायत दुर्भाग्यनाक ही गई है। समिति का भत है कि उक्त की सहायी में जल संरक्षण विभाग से निरीक्षण कराकर विवाद प्रतिवेदन प्रसिद्ध किये जाने हेतु लेख किया जाए।

7. समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा किए गए उत्तराधिन की लिए Environment Compensation की तरफ़ी का उपयोग आवापा-पास के जासूलीय रक्तूल / महाराष्ट्रालय / संस्थान में ऐनवीटर हार्डिंग व्यवस्था, तालाब वहारीकरण, यीने योग्य पानी की व्यवस्था एवं पृष्ठायोग्य किए जाने हेतु विस्तृत कार्ययोजना (प्रस्तावित रक्तूल / महाराष्ट्रालय / संस्थान का नाम, पता एवं कार्ययोग्य संघर्ष का विवरण) प्रस्तुत किए जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को निर्दीकित किया जाए।
8. पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरकृति के शर्तों के अनुसार निर्दीकित जानकारी वृक्षारोपण इसी जानकारी में करते हुए पीढ़ी में संख्यांकन (Numbering) एवं पीढ़ी के नाम का उल्लेख किया जावार पौटीदापत्र सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त जागत पूर्ण जानकारी/प्रस्तावक प्रस्तुत किये जाने समर्त आगामी कार्यवाही की प्राप्ति।

(स) समिति की 435वीं बैठक दिनांक 28/11/2022:

समिति द्वारा बैठक दिनांक 28/11/2022 को वलस्टर के द्रक्कन्ध में परियोजना प्रस्तावक द्वारा उन्हें पूर्ण में निर्दीकित जानकारी/प्रस्तावक एसईआईए.ए. उपरोक्त जानकारी में प्रस्तुत करने पर विचार कर, उन्हें निर्दीकित किया गया।

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्पत्ति पाइ गई—

1. पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरकृति के शर्तों के पालन में की नहीं कार्यवाही की विन्दुवार जानकारी एकीकृत होनीय कार्यालय, भावत सरकार, वर्षावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय, नवा राष्ट्रपुर से प्राप्त करने हेतु आवेदन किया गया है।
2. अपरी निटटी को लौज लोअ के बाहर भेजनित कर संभिता रखे जाने हेतु, निटटी का अन्याय उपयोग न करने, विक्रय न करने एवं अन्य राष्ट्रीय में उपयोग नहीं किये जाने एवं इस निटटी का उपयोग पुनर्भवात् में किये जाने बाबत् जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
3. कंट्रोल ब्लारिटंग किये जाने बाबत् जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
4. उपरोक्त आदान प्रमाण नीति के तहत ज्यानीय लोगों को शोषणार दिये जाने हेतु जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
5. नाईनिंग लौज लोअ के अंदर साधन वृक्षारोपण किये जाने एवं संधित लोगों का सरवाईवल रेट (Survival rate) 100 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने बाबत् जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानिज नियमी की राहस् जाहाझी घिलासी द्वारा नीमाकान का कार्य नुनिरिचत किये जाने बाबत् जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष इस परियोजना/जानान से संबंधित कीर्ति न्यायालयीय प्रकारण देश की अतारीत किसी भी न्यायालय में लाइस नहीं है।
8. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष भावत सरकार, वर्षावरण, वन और जलवायु परिवर्तन अंतर्राष्ट्रीय

की अधिसूचना नम्रा. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अनुसार कोई उल्लंघन का प्रकरण लिखित नहीं है।

9. व्यौदयीजना प्रस्तावक छाता समिति की 425वीं बैठक दिनांक 21/09/2022 में लिये गए नियंत्र के बिन्दु अन्मांक 1, 2, 3, 5, 6, 7 एवं 8 के संबंध में उपयुक्त जनकारी/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं की गई है। इस प्रमाणा जाना आवश्यक है।
10. समिति का ना है कि सीईआर, कीमन इन्हायरीमेटल मेनेजमेंट प्लान, कीमन इन्हायरीमेटल मेनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहभागिता, सहकारी के सह-उच्चाय एवं सुझावेपत्र कार्य के मानिटरिंग एवं पर्योगण हेतु त्रि-व्याय समिति (ट्रिप्लाईटर/प्रतिनिधि) छाता पंचायत के पदाधिकारी/इतिनिधि एवं जिला प्रशासन या इलायशहु यांवरण बोर्ड के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित हिया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर, कीमन इन्हायरीमेटल मेनेजमेंट प्लान, कीमन इन्हायरीमेटल मेनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहभागिता, सहकारी के सह-उच्चाय एवं सुझावेपत्र का कार्य पूर्ण लिये जाने के उपरांत गठित त्रि-व्याय समिति से संस्थापित कराया जाना आवश्यक है।
11. माननीय एम.जी.टी., डिसिवल बैद, नई दिल्ली द्वाता स्लेट वालोंय विस्तृत भास्ता सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 188 अंक 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 की पारित आदेश एवं युक्त रूप से निम्नानुसार निर्दिष्ट किया गया है—
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEWA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वाता विद्यार विनाई उपस्ता सर्वेतम्भिति से निम्नानुसार नियंत्र लिया गया—

1. कार्यालय कलेक्टर (खानी खाद्य), जिला-राजनांदगांव के ज्ञापन अन्मांक / 1574 / दिल्ली.02 / 2022 राजनांदगांव, दिनांक 17/08/2022 अनुसार आवेदित खदान से 500 ग्रीटर के गीतर अवस्थित 13 खदानों की ओवरफल 13.321 हेक्टेयर है। आवेदित खदान (खानी-कलकाला) का कुल खदानों का क्षेत्रफल 0.85 हेक्टेयर है। इस प्रकार आवेदित खदान (खानी-कलकाला) की निलावन कुल खदानों का क्षेत्रफल 14.171 हेक्टेयर है। खदान की सीमा से 500 ग्रीटर की परिमि वैक्टिकूल/संचालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 6 हेक्टेयर सी अधिक होने के कारण यह खदान बी-1 लेनी की जाती गयी।
2. समिति की 425वीं बैठक दिनांक 21/09/2022 में लिये गए नियंत्र के बिन्दु अन्मांक 1, 2, 3, 5, 6, 7 एवं 8 के संबंध में उपयुक्त जनकारी/दस्तावेज एवं सीईएए, उत्तीर्णगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की जीत की अद्यन पर्यावरणीय बोर्ड की सहायी अनुशंसा नी जाती है।
3. भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वाता जारी ईआईए. अधिसूचना 2006 (खाना संहीनित) के प्राक्कार्यी एवं माननीय एन. जी.टी. द्वाता जारी आदेश के अनुसार बलस्टर में आने वाली खदानों की उल्लंघन प्रतिक्रियों से पर्यावरणीय घटकी पर प्रभावी काले प्रभावों की रोकथाम हेतु बलस्टर में आने वाले नामस्ता खदानों को शामिल करते हुए, बलस्टर हेतु कीमन इन्हायरीमेटल मेनेजमेंट प्लान तैयार किये जाने लाया गियान्वित कराने हेतु

संचालन, संचालनात्मक, नीतिगती तथा स्थिरीकरण, इंद्रावती खेत, नदा संगमुर झट्टल नदर, जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़) के साथ से उपयुक्त कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

4. एकीकृत शोधीय कार्यवाही परिवर्तन, का एवं जलवायु परिवर्तन गंभीरता, भास्त जलवायर, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिबंधन प्राप्त किये जाने हेतु संभव किया जाए।
5. समिति द्वारा विचार किया जापर्यावरणीय से आवेदक - गैरसारी कलकत्ता लाईंग स्टोर करारी (जी. - शीतली असाधा लौगीवार) को याम-कलकत्ता, राजसीन-लौगीवार, जिला-राजसीन-लौगीवार के खाली क्षेत्रक 252 में स्थित चूना पालवर (मीठ रामिय) छावान, दूर लोकपाल-685 हेक्टेयर, शमली-10,000 टन प्रतिघण्ठा हेतु पर्यावरणीय स्थीरता की दिए जाने की सारी अनुशासा की गई।

प्रतिकरण द्वारा दैवत के में विचार - उपरीवा प्रकारण पर प्रतिकरण की दिनांक 26/01/2023 को संघन 137वीं बैठक में विचार किया गया। प्रतिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। प्रतिकरण द्वारा विचार किया जापर्यावरणीय से गिरीष किया गया-

1. समिति की अनुशासा की बोकार करारी हुये आवेदक - गैरसारी कलकत्ता लाईंग स्टोर करारी (जी. - शीतली असाधा लौगीवार) को पर्यावरणीय बोकूति जारी करने का निर्णय लिया गया। समिति द्वारा निर्देशित जरी के अंतर्गत निर्दिष्ट किये गये गती का पालन सुनिश्चित किया जाए। पालन नहीं किये जाने की स्थिति में विधिक कार्यवाही की जाएगी।
2. एस.ए.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 425वीं बैठक दिनांक 21/09/2022 के परिणाम में बाही नई वार्तिल उत्तराधिकारी/दस्तावेजी/अधिकारी को प्रस्तुत किये जाने के उपर्यावरण एवं नियमानुसार जानकारी/दस्तावेज पूरी होने की स्थिति में ही परियोजना प्रस्तावक को सारी पर्यावरणीय स्थीरता पर जारी किया जाए।
3. This Environmental Clearance (EC) is subject to orders/judgment of Hon'ble Supreme Court of India, Hon'ble High Court, Hon'ble National Green Tribunal (NGT) and any other Court of Law, Common Cause Conditions as may be applicable.
4. The Project Proponent shall comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause Vs Union of India and Others before commencing the mining operations.
5. The State Government shall ensure that mining operations shall not be commenced till the entire compensation levied if any, for illegal mining paid by the Project Proponent through their respective Department of Mining & Geology in strict compliance of Judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause Vs Union of India and Others.
6. The Project Proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CC OM No. Z-11013/57/2014-IA.11(M) dated 29/10/2014 titled Impact of Mining activities on Habitats-issues related to the mining projects wherein Habitats and villages are the part of mine lease area or Habitats and villages are surrounded by the mine lease area.
7. The Project Proponent shall inform to MoEF&CC/SEIAA for any change in ownership of the mining lease. In case there is any change in ownership or

mining lease is transferred, Project Proponent need to apply for transfer of Environmental Clearance as per provisions of the para 11 of EIA Notification, 2006, as amended from time to time.

This Environmental Clearance shall be effective from the date of submission of requisite documents as prescribed/recommended by SEAC for this project.

लदानुसार एकाईआईएए संतीसगढ़ के शापन दिनांक 15/02/2023 के परिपेक्ष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 02/03/2023 के बतायम से जानकारी/दस्तावेज/तथ्य प्रस्तुत किये गये हैं।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 28/04/2023 को संपन्न 145वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/दस्तावेज का अदलीकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस्तुत जानकारी/दस्तावेज अपूर्ण है। प्राधिकरण द्वारा संताम्य जारीसंचालित से निर्णय लिया गया था कि एकाईआईएए संतीसगढ़ के शापन दिनांक 15/02/2023 के बतायम से जाही नहीं जानकारी के संबंध में समाप्तानकारक कार्यवाही करते हुए पूर्ण जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपर्युक्त जागती कार्यवाही की जाएगी।

एकाईआईएए संतीसगढ़ के शापन दिनांक 20/06/2023 के परिपेक्ष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 20/03/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 12/04/2024 को संपन्न 171वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अदलीकन किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया कि—

1. एकीकृत क्षेत्रीय जारीसंचालन पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन बंद्धालय, भारत सरकार, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्तीकृति का जलन इकाईदान प्राप्त कर प्रस्तुत किये जाने के संबंध में क्षेत्रीय जारीसंचालन पर्यावरण संस्थान अम्बल, निलाई-दुर्व के शापन फार्माक 2117, दिनांक 25/10/2023 से प्राप्त कर प्रस्तुत किया गया है।
2. भौतिकाङ्क्ष क्षारी प्लान (क्षारी कम इन्हाएरेन्ट ऐनेजमेंट प्लान) प्रस्तुत किया गया है, जो संयुक्त-संचालक (स.प.) संचालनालय, भौतिकी तथा अनिवार्य नवा रायपुर अटल नगर के पु. शापन न. 3607 / खानी02 / मा.पर.अनुबोधन / न.पा. 05 / 2019(2) नवा रायपुर, दिनांक 24/06/2022 द्वारा अनुमोदित है।
3. Damage Assessment Plan, Remediation Plan and Natural and Community Resources Augmentation Plan को सामिल करते हुए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (Environment Compensation) की गणना कर जानकारी प्रस्तुत नहीं किये जाने की आवश्यकता के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का बहुमत है कि जुलाई 2020 के उपरान्त कोई भी उत्पादन करते नहीं किया गया है। इस बायत् कारीसंचालन कालेक्टर (खानीज रायपुर), जिला-खानीगढ़-सुईखानी-गांवड़ी के शापन फार्माक 221 / खालि-02 / 2024, खानीगढ़, दिनांक 13/03/2024 द्वारा जारी प्रमाण पर अनुसार विवरण एवं किये गये उल्लेखन की जानकारी मिलानुसार है—

कार्यक्रम	उत्पादन (टन)
जनवरी-फरवरी, 2020	निर्वाक
मार्च, 2020	1,200
अप्रैल, 2020	2,540
मई, 2020	1,610
जून, 2020	2,000
जुलाई-दिसंबर, 2020	निर्वाक
जनवरी, 2021 से दिसंबर, 2022 तक	निर्वाक

4. प्राधिकारण द्वारा कार्य किया गया कि:-

(1) पूर्व में कार्यालय कलेक्टर (खनिज जाता), जिला-लौहगढ़-भुजूलदान-गण्डहृ के द्वारा दस्तावेज़ /4 /ख.लि.02 /2022, दिनांक 13/09/2022 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार दिग्गज दस्तावेज़ में किये गये उत्पादन की जानकारी अनुसार जुलाई 2020 से मार्च 2021 में 4,600 टन एवं 2021-22 में 10,000 टन उत्पादन कार्य किया गया है।

(2) कार्यालय कलेक्टर (खनिज जाता), जिला-लौहगढ़-भुजूलदान-गण्डहृ के द्वारा दस्तावेज़ /25 /ख.लि.02 /2022, दिनांक 28/11/2022 द्वारा दिग्गज दस्तावेज़ में किये गये उत्पादन की जानकारी अनुसार जुलाई 2020 से मार्च 2021 में 2,900 टन एवं 2021-22 में 10,000 टन उत्पादन कार्य किया गया है।

साथ ही परियोजना प्रस्तावक द्वारा जुलाई 2020 से मार्च 2022 तक की जारी का खदान का प्रस्तुत अडिटेल रिपोर्ट रीट रिपोर्ट (Annual Report) गी प्रति अनुसार जुलाई 2020 से मार्च 2021 में 2,900 टन एवं मार्च 2021-22 में 10,000 टन उत्पादन कार्य किया गया है।

उपरोक्त से ल्याइ है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा जुलाई 2020 से मार्च 2021 एवं मार्च 2021-22 में दिना पर्यावरणीय सीमावृत्ति के उत्पादन कार्य किया गया है।

प्राधिकारण का यह है कि उपरोक्त खनिज विभाग द्वारा जारी प्रमाण पत्रों दिनांक 13/09/2022, 28/11/2022 एवं 13/03/2024 में जिला-जिला आकड़े दर्शाये गये हैं। इस संकेत में संग्रहक, संचालनालय, भौमिकी दस्ता खनिकर्म, नहा रायपुर ब्राटल नगर को जनवात करते हुये कार्यालय कलेक्टर (खनिज जाता), जिला-लौहगढ़-भुजूलदान-गण्डहृ वी जानकारी/रपर्टीकरण मिलाये जाने वाला पत्र देख किया जाना आवश्यक है।

5. दिनांक 01/07/2020 से दिनांक 31/03/2022 तक की जारी का परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान का अडिटेल रिपोर्ट रीट रिपोर्ट (Annual Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।

6. जनसुनवाई के दीर्घन प्राप्त विकायत के संकेत में ग्राम पंचायत कलकता द्वारा जारी पत्र अनुसार ग्राम एवं ग्राम खदान से 500 मीटर की दूरी पर है एवं नहर नाली का पर्यावरण बहसात के सुपचांप ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है। यह में कोई किसी खदान यर छेक नहीं करती है। इस संकेत में ग्राम पंचायत कलकता द्वारा जनसुनवाई के दीर्घन यह विकायत दुर्बिधावक की गई है, का लेख किया गया है।

7. भविति द्वारा परियोजना प्रस्तावक द्वारा किए गए उत्पादन की लिए Environment Compensation की राहि का उपयोग आस-पास की सांस्कृति-

स्कूल/नहानियालय/संस्थान में ऐवीटर हार्डिंग व्यवस्था, तालाब गहरीकरण, जीने सोना पानी की अवस्था एवं बुझारोपण किए जाने उत्तु विकृत कार्ययोजना (अवस्थायित स्कूल/नहानियालय/संस्थान का नाम प्राप्त एवं कार्ययोजना का विवरण) प्रस्तुत नहीं किया गया है।

८. पूर्व में जारी पर्यावरणीय भवीकृति के बारी के अनुसार नियांसित जारीनुसार बुझारोपण हस्ती मानसून में करते हुए पीछों में संखालन (Numbering) एवं पीछे के नाम का उल्लेख किया जाता पोटीशाप्स लहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।

प्रायिकरण द्वारा जलमय कर्तव्यमति से निर्णय किया गया या कि विनायक वर्षी में किये गये उल्लेखन के संबंध में उल्लिखित विनायक द्वारा जारी इमारण पर्यावरण विनायक 13/09/2022, 28/11/2022 एवं 13/03/2024 में भिन्न-भिन्न आकड़ों द्वारा दिये गये हैं। इस संबंध में संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा जलनिकाम, नदा वायपुर गढ़वाल नगर जौ आवगत करते हुए कार्यालय कलेक्टर (उल्लिखित जारी), जिला-खैरगढ़-सुईखदान-गणवई द्वारा दिनांक 21/06/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

एनईआरएए, खैरगढ़ की ज्ञापन दिनांक 09/06/2024 के परिपेक्ष में कार्यालय कलेक्टर (उल्लिखित जारी), जिला-खैरगढ़-सुईखदान-गणवई द्वारा दिनांक 21/06/2024 की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

प्रायिकरण द्वारा वैतक में विचार – उपरोक्त प्रकल्प पर प्रायिकरण की दिनांक 27/09/2024 की संख्या 181वीं वैतक में विचार किया गया। प्रायिकरण द्वारा कार्यालय कलेक्टर (उल्लिखित जारी), जिला-खैरगढ़-सुईखदान-गणवई द्वारा दिनांक 21/06/2024 के ज्ञापन से पूर्व में प्रस्तुत उल्लेखन आकड़ों में विवाहों के संबंध में प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन किया जाता, जिसके अनुसार “खदान में कोई राजस्व नहीं जारी कराया गया है। खदान के ऊपरी लेवल तक पानी चल हुआ है। जामवालियों ने कहा कि विनायक वर्ष वर्षी से खदान तक संचालन नहीं किया गया है। खदान क्षेत्र के अस-पास सौंदी कार्य नहीं किया जाता है। खदान क्षेत्र में कोई जलन स्थापित नहीं है। शीमती अक्षया छोरीवार की सीमूला खदान बंद चाला गया है” का उल्लेख है। साथ ही पुनः विनायक वर्षी में किये गये उल्लेखन आकड़ों की जानकारी प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार-

दिनांक	खदान की जानकारी (मात्रा हन में)			
	माह	2020	2021	2022
1.	2	3	4	5
1.	जानवरी	—	0	0
2.	फरवरी	—	0	0
3.	मार्च	1,300	0	0
4.	अप्रैल	2,540	0	0
5.	मई	1,810	0	0
6.	जून	2,000	0	0
7.	जुलाई	0	0	0
8.	अगस्त	0	0	0
9.	सितंबर	0	0	0
10.	अक्टूबर	0	0	0

11.	नवम्बर	०	०	०
12.	दिसम्बर	०	०	०

उक्त संसद में सहायक लोग निरीक्षक का जांच प्रतिवेदन, जीवा पर्यावरण एवं कौटुम्बिक प्रस्तुति लिया गया है।

उपरोक्त प्रतिवेदन के अंक्षय में प्रतीक्षामय का भव है कि कार्यालय कलीकट (खण्डित शास्त्र), जिला-जीवालय-छुईखदान-गढ़वाई द्वारा दिनांक २१ / ०६ / २०२४ को प्रेषित जानकारी में उदान के उपरी लेवल तक पानी भरा हुआ है, जानवासियों के बचन की जांचार भावते हुये उदान आंकड़े की जानकारी प्रस्तुत की गई है, कार्यालय अधिसेक्षणों या उक्तनीकी दृष्टिकोण की अनुसार उदान आंकड़ों की जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। अतः उपरोक्त जांचों के परिपेक्ष में प्राथिकनय द्वारा विभीत संपर्क संवैधानिकी से निर्णय लिया गया कि संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा संग्रहालय, जया राष्ट्रपुर अटल नगर की जांच का उपरी जांचालय कलीकट (खण्डित शास्त्र), जिला-जीवालय-छुईखदान-गढ़वाई से जानकारी/प्रस्तुतीकरण मिलाये जाने चाहते वह लेख किया जाए।

कार्यालय कलीकट (खण्डित शास्त्र), जिला-जीवालय-छुईखदान-गढ़वाई को एवं लेख किया जाए। जाय ही संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा संग्रहालय, जया राष्ट्रपुर अटल नगर की उदाननुसार सूचित किया जाए।

४. मेसरों और जांडी लोग (अ)- श्री अमर लिंग यादव, शाम-गुड़न, तहसील चिला-महाननुद (संचिवालय का नमस्ती अमांक 2480)

जीमलाईन आवेदन - ग्रामीण नम्बर - एस.इ.ए./ सीजी/ एम.डी.एन/ 431200 / 2023, दिनांक २९ / ०५ / २०२३ द्वारा टी.ओ.आर. हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्व से संबंधित कर्ती प्रस्ताव (जीमल चांदिज) उदान है। उदान शाम-गुड़न, तहसील चिला-महाननुद लिप्त उच्चा अमांक - ३०३/३, गुल होकटपा-०५४ हेक्टेयर में है। उदान की आवेदित उत्तरानन्म कमता-२,१६७.५ हेक्टेयर (५०७ एकड़ीटर) प्रतिकर्त्ता है।

उदाननुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी. छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक २४ / ०७ / २०२३ द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

कैठली का विवरण -

(अ) समिति की ४७४वीं बैठक दिनांक २७ / ०७ / २०२३:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक की एवं दिनांक २७ / ०७ / २०२३ द्वारा शूद्धना दी जाती है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के सभ्यक बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः जानकारी आवाजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोद किया गया है।

समिति द्वारा विभार विभीत संपर्क संवैधानिकी से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में याही गई विभित जानकारी एवं समस्त सुविधाएं जानकारी / दस्तावेज रहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दीकित किया जाए।

उदाननुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी. छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक ०८ / १२ / २०२३ द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(४) समिति की ५०२वीं बैठक दिनांक १३/१२/२०२३-

मास्त सरकार के पर्यावरण बन एवं जलवायु संबंधी नई दिल्ली द्वारा ऑफिशल सेक्टरेटम दिनांक २८/०४/२०२३ द्वारा किया गया है, जिसके बीच ५ मी निम्न प्रकाशन है:-

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECAs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble N.G.T in O.A. 142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACOs shall reappraise the ECAs issued by DEMAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECAs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEMAs shall transfer all such files where ECAs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

एक्स ऑफिशल सेक्टरेटम की तहत परियोजना प्रस्तावका द्वारा जिता सारीय पर्यावरण समाजसेवा नियंत्रण प्रणिकरण से जारी पर्यावरणीय स्टीकर्टि की तुल अनुसंदर्भ (re-appraisal) हेतु एमडीएसी, उत्तरीगढ़ के सभा ऑफिशल आवेदन किया गया है।

विषय वस्तु	आवंटित प्रकाशन से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि																						
मू-स्थानिक	उत्तरी जलांक ३३३/३	सारांशीय भूमि																						
बैठक का विषय	५०२ वीं बैठक दिनांक १३/१२/२०२३	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक ०८/१२/२०२३																						
प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित प्रतिनिधि		वी. अजय शिंह लक्ष्म, डोपल्टर उपस्थिता हुये।																						
मूर्ख में जारी हुई का जालन प्रतिवेदन	खदान का प्राकार - कसी प्राकार जलांक जलांक - ३३३/३ क्षेत्रफल - ०.५४ हेक्टेकर जमला - २,१६७.५ टम (३६७ घन मी.)/पर्यावरणांक - २२/११/२०१६	वी.ई.आई.ए.ए., जिला-महासभा																						
मूर्ख में जारी हुई का जालन प्रतिवेदन	स्ट-प्रभागित - ही	प्रस्तुति जारीनुसार याम पर्यावरण द्वारा चिन्हांकित नदी जिमारे १०० नम जूकारोपण किया गया था। यहांमान में ८० नम जूका जीवित हैं। पिछके फोटोशाफ्ट प्रस्तुत किया गया है।																						
दिग्गत वस्तु में लिये गये उत्तरावलम्बन	जारी दिनांक १०/०८/२०२३	<table border="1"> <thead> <tr> <th>आवंटि</th><th>संख्यान् (पर्यावरण)</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>०१/०१/२०१६ से</td><td>१३३</td></tr> <tr> <td>३१/१२/२०१६</td><td></td></tr> <tr> <td>२०१७</td><td>२८३</td></tr> <tr> <td>२०१८</td><td>६६३</td></tr> <tr> <td>२०१९</td><td>१३९६</td></tr> <tr> <td>२०२०</td><td>३८७</td></tr> <tr> <td>०१/०१/२०२१ से</td><td>३१३</td></tr> <tr> <td>३०/०९/२०२१</td><td></td></tr> <tr> <td>०१/१०/२०२१ से</td><td>६६३</td></tr> <tr> <td>३०/०९/२०२२</td><td></td></tr> </tbody> </table>	आवंटि	संख्यान् (पर्यावरण)	०१/०१/२०१६ से	१३३	३१/१२/२०१६		२०१७	२८३	२०१८	६६३	२०१९	१३९६	२०२०	३८७	०१/०१/२०२१ से	३१३	३०/०९/२०२१		०१/१०/२०२१ से	६६३	३०/०९/२०२२	
आवंटि	संख्यान् (पर्यावरण)																							
०१/०१/२०१६ से	१३३																							
३१/१२/२०१६																								
२०१७	२८३																							
२०१८	६६३																							
२०१९	१३९६																							
२०२०	३८७																							
०१/०१/२०२१ से	३१३																							
३०/०९/२०२१																								
०१/१०/२०२१ से	६६३																							
३०/०९/२०२२																								

प्राम पर्यायत एन.ओ.सी.	प्राम पर्यायत गुड़ना दिनांक 17 / 09 / 2002 व 22 / 09 / 2017	
सत्त्वानन योजना अनुमोदन	दिनांक 22 / 01 / 2016	
500 मीटर	दिनांक 19 / 05 / 2023	कूल 24 लाखों रुपया 17.29 टिकटेपर है।
200 मीटर	दिनांक 19 / 05 / 2023	प्रतिवर्षित होता निर्दिष्ट नहीं है।
लौज लौज	लौज पारफ - श्री अवलय सिंह राजकुर अवधि—23 / 02 / 2004 ते 23 / 02 / 2004	
बन लिभग एन.ओ.सी.	इनमण्डलाधिकारी, सामान्य इनमण्डल महासभान्द द्वारा जारी दिनांक 24 / 03 / 2015	बन क्षेत्र से दूरी - 13 कि.मी.
मालवपूर्ण बांधनस्थी की रूटी	आवादी प्राम—गुड़ना 450 मीटर सकूल प्राम—गुड़ना 450 मीटर राष्ट्रीय राजमार्ग 1.5 कि.मी.	गांगदी 300 मीटर
पारिसेवाधिकीय/ जीवविविधता संवेदनस्थील क्षेत्र	५ कि.मी. की वर्तीय में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय सड़ान, अभ्यासण्ड, कैन्टीय प्रशासन नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित किटिकली पॉल्युटेक सुरिया, पारिसेवाधिकीय संवेदनस्थील क्षेत्र या घोषित जीवविविधता क्षेत्र नियम नहीं है।	
सत्त्वानन भवदा एवं खनन का विवरण	सत्त्वानन विधि - औपच कार्स ऐन्युअल ट्रिलिंग एवं कट्टोल ब्लॉकिंग - नहीं विवर - जियोलॉगिकल 75,358 टन माझेंगेल 22,877 टन रिक्विरेल 17,157 टन प्रस्तावित बहसाई 10 मीटर वेष गी क्षाई 1.5 मीटर वेष गी शीक्षाई 1.5 मीटर संगतित आयु 10 वर्ष कालर क्षापित - नहीं	वर्षानन प्रस्तावित सत्त्वानन प्रथम 2,047.50 टन द्वितीय 2,070.00 टन तृतीय 2,130.00 टन चतुर्थ 2,148.00 टन पंचम 2,167.50 टन षष्ठम 2,260.00 टन सप्तम 2,381.25 टन अष्टम 2,467.50 टन नवम 2,553.75 टन दशम 2,611.25 टन

उत्तराधिकार के लिए प्रतिवेदित क्षेत्र	लौज के 7.5 मीटर का क्षेत्रफल — 1,768 वर्गमीटर	प्रतिवेदित — हो नाईनिंग पक्षम में उल्लेख— नहीं
छापरी निट्रोट्रोफिक बहन उत्तराधिकार क्षेत्रमा	वर्तमान में छापरी निट्रोट्रोफिक नहीं है।	
अत आनुसूची	महाना — 6 घण्टमीटर प्रतिदिन सप्ताह — बीरवेल तथा टैकर	संभुल प्राचुर्य बीटर अधीक्षित से एनओसी प्राप्त है।
पृष्ठारोपण कार्य	लौज क्षेत्र को 7.5 मीटर की ओर पृष्ठारोपण — 100 मत्र किलो जाना है।	
क्षेत्री	वी-1	आवेदित खदान को मिलाकर कुल क्षेत्रफल 17.83 हेक्टेयर है।

- समिली द्वारा पाया गया कि नाईनिंग विभाग से प्राप्त उत्पादन अकड़ी में वर्ष 2019 में जारी पर्यावरणीय कीमिटि में उल्लंघित उत्पादन कानून से अधिक उत्तराधिकार किये जाने के कारण इकाई उल्लंघन की श्रेणी का है। भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकार एक्सेप्लूग विभाग 07 / 07 / 2022 के अनुसार उत्तराधिकार के प्रकारणों हेतु रैखिक अधिक प्रोसेसियर (SOP) जारी की गई है। तदानुसार जानकारी हेआईए के सम्म प्रकृता किया जाना आवश्यक है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया है कि वैसलाहन द्वारा उल्लंघन का कार्य 15 अक्टूबर 2021 से 14 जनवरी 2022 के बीच किया गया है, जहां के नाम से दिनांक 11 / 12 / 2023 की सूचना दी गई।
- लौज क्षेत्र के लाई ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्तराधिकार कार्ड किया गया है। प्रतिवेदित 7.5 मीटर लाई सीमा पट्टी में उत्तराधिकार किया जाना पर्यावरणीय कीमिटि की तात्त्विक संरक्षण है। अत जीव सुरक्षात नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। जाय ही उपर उल्लंघित क्षेत्र को पुनर्जनान किये जाने हेतु रेस्टोरेशन चलाने प्रकृता किया जाना आवश्यक है।
- उत्तराधिकारी है कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नीन लौज नाईनिंग ग्रोवेस्टर्स हेतु मानक पर्यावरणीय तात्त्व जारी की गई है। तात्त्व अधिकार VIII के अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

उक्त मानक तात्त्व के अनुसार नाईन लौज क्षेत्र को अवधि 7.5 मीटर लाई सीमी पैकड़ने में पृष्ठारोपण किया जाना आवश्यक है।

- माननीय एवं श्री, डिलिपल बेंग, नई दिल्ली द्वारा पाल्योदय विभाग भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अन्य (ऑरिजनल एप्लिकेशन नं. 186 अंक 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13 / 09 / 2019 को पारित आदेश में मुद्रित रूप से नियन्त्रणानुसार निर्दिष्ट किया गया है—

- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिली द्वारा विभार विभाई सुधारनामति से नियमानुसार नियंत्रित किया जाए:-

1. माईन लीज लोअर के बाही और 7.5 फीटर बीड़े सेक्टरी लीज के पूछ भाग में किये जाने चलतानन के कारण इस लोअर के सुधारनी सफायी (Remedial Measures) के संबंध में तथा लीज लोअर के अंदर नाईनिंग हिंदाकलाली के द्वारा उपर्युक्त नियंत्रण हेतु आवश्यक सुधारनीया यथा वृक्षान्तरण आदि को किये सम्मुचित सुधारनी की विवरानित करने वाला संचालक, संचालनालय, नीमिली तथा खनिकर्म, हुदावली महान, नाई राष्ट्रपुर अटल नगर, जिला-राष्ट्रपुर (आवश्यकता) को सेवा किया जाए।
2. प्रतिवर्षीय 7.5 फीटर बीड़ी लीज चट्टी में अवैध चलतानन किया जाना पाये जाने पर प्रीय सुधारना नियमानुसार उपर्युक्त कार्रवाई किये जाने हेतु संचालक, संचालनालय, नीमिली तथा खनिकर्म को एवं पर्यावरण की तरीके पहुंचाने हेतु छलीसनाड़ पर्यावरण संलग्न मंडल, नाई राष्ट्रपुर अटल नगर को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु सेवा किया जाए।
3. कार्यालय कलोवटर (खनिज ताला), जिला-राष्ट्रपुर को भारत सरकार के पर्यावरण, बन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जानी अंतिम मेमोरेंडम दिनांक 20/04/2023 के तहत विरियोजना प्रस्तावक को पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की पुनः अनुरक्षा (re-appraisal) हेतु संबंधित नस्ती की हुम कार्यालय में अविलम्ब प्रोत्तिप्रक्रिया किये जाने हेतु पत्र सेवा किया जाए।
4. समिली द्वारा विभार विभाई सुधारनामति से घोकरण लीन सेटेगी का होने के कारण भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 2015 में प्राप्तवित स्टैम्फर्ड टर्मी और रिफरेंस (टीओआर) कोर ई.आई.ए./ई.एम.वी. रिपोर्ट फॉर प्रोजेक्ट्स/एक्टीविटीज रिकार्डरिंग इन्वायरमेंट कार्यालय अपहर है.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 में जारी की गई एक टर्मी ई.ए. का स्टैम्फर्ड टीओआर (लोक सुनवाई सहित) नीन लोअर भाईनिंग प्रोजेक्ट्स हेतु विन अंतिरिक्त टीओआर की साथ जारी किये जाने की अनुशंसा की गई:-

 - i. Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
 - ii. Project proponent shall submit the production detail of year 2021, 2022 and 2023 from the mining department.
 - iii. Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
 - iv. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
 - v. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced.
 - vi. EIA study shall be done at minimum 10 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.

- vii. Project proponent shall submit the copy of panchams and photographs of every monitoring station.
- viii. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- ix. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- x. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.08.2017.
- xi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xii. Project proponent shall submit layout map earmarking 7.5 meter of mine lease periphery & previously mined out area in safety zone, calculation of mined out area submit restoration plan and do remedial measures for development of greenbelt in 7.5 meter wide all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. Project proponent shall incorporate the remedial measures for mining activity carried out in the past in safety zone.
- xiii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) & complete the restoration of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- xiv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 50% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- xv. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.
- xvi. Preparation of EMP comprising remediation plan and natural and community resource augmentation plan corresponding to ecological damage assessed and economic benefits derived due to violation.
- xvii. The remediation plan and the natural and community resource augmentation plan to be prepared as an independent chapter in the EIA report by accredited consultants.
- xviii. Project proponent shall submit the details of annual turn over (year wise) for last three years.

- xix. The Project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirement and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 3rd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. before grant of ToR / EC. The undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation in future.
- xx. In case of violation of above undertaking, the ToR / EC shall be liable to be terminated forthwith.
- xxi. The Environment Clearance will not be operational till such time the Project Proponent complies with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 3rd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors.
- xxii. State Government concerned shall ensure that mining operation shall not commence till the entire compensation levied, if any, for illegal mining paid by the Project Proponent through their respective Department of Mining & Geology in strict compliance of judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 3rd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors.

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकाशन पर प्राधिकरण की दिनांक 21/02/2024 को संघर्ष 165वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नोट किया गया कि माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट पिटीजन (एस) (सिपिएल) नम्बर (एस) 1384/2023 दिनांक 02/01/2024 द्वारा निम्न आदेश जारी किया गया है।

"Stay of operation of the Office Memoranda dated 7th July, 2021 and 28th January 2022 issued by the Ministry of Environment, Forest and Climate Change."

प्राधिकरण द्वारा उत्तम लाईसेन्सिंग से उपरोक्त माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट पिटीजन (एस) (सिपिएल) नम्बर (एस) 1384/2023 दिनांक 02/01/2024 के पालनार्थ प्रकाशन लिखित रूप से जारी है।

एस.ई.आई.ए.ए. उत्तिसामग्र के इसमें दिनांक 01/04/2024 के परिवेद्ध में परिवेद्धाना प्रस्तावका द्वारा दिनांक 25/04/2024 की जानकारी/दस्तावेज उपलब्ध किया गया है।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार – उपरोक्त प्रकाशन पर प्राधिकरण की दिनांक 27/03/2024 को संघर्ष 151वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नक्सी/जानकारी/दस्तावेज का अदलोकन किया गया। परिवेद्धाना प्रस्तावका का कलान है कि दूर्वे में कार्यालय कलेक्टर (खानिज जाति), जिला-महासभुद द्वारा दिनांक 19/05/2023 जारी उत्पादन आंकड़े वार्षिक उत्पादन के अनुसार थे। कलान में पुनर्जनात्य कलेक्टर (खानिज जाति), जिला-महासभुद के ज्ञापन क्रमांक 171/क/खालि/न.अ/2023 महासभुद दिनांक 16/04/2024 के बायम से जिलाय दर्वे अनुसार किया गयी में किये गये उत्पादन आंकड़ों की जानकारी उपलब्ध की गई है। जिसको अनुसार –

दिनांक	उत्पादन मात्रा (घनमीटर)
01 / 12 / 2016 से 31 / 03 / 2017 तक	328
01 / 04 / 2017 से 31 / 03 / 2018 तक	401
01 / 04 / 2018 से 31 / 03 / 2019 तक	535
01 / 04 / 2019 से 31 / 03 / 2020 तक	860
01 / 04 / 2020 से 31 / 03 / 2021 तक	388
01 / 04 / 2021 से 31 / 03 / 2022 तक	500
01 / 04 / 2022 से 31 / 03 / 2023 तक	800
01 / 04 / 2023 से 30 / 09 / 2023 तक	450

उपरोक्त उत्पादन आंकड़े से स्पष्ट है कि पूर्व में जिले सर्वोच्च पर्यावरण समिक्षा नियंत्रण प्रशिक्षण, जिला—गहरायुद वी प्राप्त बद्धीवर्तीय स्वीकृति में उल्लेखित उत्पादन क्षमता से अधिक नहीं होने के कारण से आवेदित प्रक्रम उत्पादन की सीमा का गही है।

उपरोक्त तथ्यों के परिपेक्ष्य में प्रामिकरण द्वारा विचार विभाग उपरोक्त सर्वोच्चति से समिति की अनुसारा को स्वीकार करते हुये उपरोक्तानुसार फैसला टम्स और रेफरेन्स (टी.ओ.आर.) (लोक सुनवाई चाहिए) जारी करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि—

- (i) माईन लीज क्षेत्र की चारों ओर 7.5 मीटर बीढ़े सेपटी जीव के कुछ भाग में किये गये उत्पादन से कारण हस क्षेत्र के संबंधी उपायों (Remedial Measures) के संबंध में तथा लीज क्षेत्र के अंदर माईनिंग क्रियाकलापों के कारण उत्पादन प्रदूषण ऐतु उत्पादक उपायों परा कृतात्मक आदि के क्रिये समुक्ति उपायों वाले संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावाही भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला—रायपुर (छत्तीसगढ़) को पत्र लिया जाए।
- (ii) प्रतिवर्षित 7.5 मीटर बीढ़ी लीज पट्टी में अंतर्वास उत्पादन लिया जाना पाठे जाने पर विशेषज्ञा प्रस्तावक के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कारबंधी किये जाने हेतु संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म को पत्र लेख किया जाए।
- (iii) माईन लीज क्षेत्र की चारों ओर 7.5 मीटर बीढ़े सेपटी जीव के कुछ भाग में किये गये उत्पादन से पर्यावरण की शर्त होने के कारण छत्तीसगढ़ पर्यावरण विभाग मंडल, नवा रायपुर अटल नगर को नियमानुसार उत्पादक कारबंधी किये जाने हेतु पत्र लेख किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक को टम्स और रेफरेन्स (टी.ओ.आर.) (लोक सुनवाई चाहिए) जारी किया जाए। साथ ही संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावाही भवन, नवा रायपुर अटल नगर एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मंडल, नवा रायपुर अटल नगर को पत्र लेख किया जाए।

एजेंसी कामठन दस्तावेज़—५: अधिकारी महोदय की अनुमति से अन्य विवर।

राज्य सलरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसडीपीएस)। उत्तीर्णगढ़ की १७०वीं बैठक दिनांक १६/०७/२०२४ को निश्चय हुई थी। प्राधिकरण द्वारा सर्वसमर्थी और सकारात्मक कार्यकारी विवरण का अनुग्रहीत दिनांक २३/०७/२०२४ को किया गया।

विशेष अन्यवाद प्राप्ति की राज्य संपत्ति है।

(अकाल प्रशासनी)

सदस्य सचिव

राज्य सलरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन
प्राधिकरण, उत्तीर्णगढ़

(देवेंद्र सिंह)

अधिकारी

राज्य सलरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन
प्राधिकरण, उत्तीर्णगढ़

(डॉ. दीपक सिंह)

सदस्य

राज्य सलरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, उत्तीर्णगढ़